www.epaper.azadsipahi.in

* ओड़िशा संस्करण

16 मई, 2025
ज्येष्ठ, कृष्ण पक्ष, चतुर्थी
संवत 2082
पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹3.00

कलम कलम बढ़ाये जा

आजाद सिपाही

रांची
शुक्रवार, वर्ष 10, अंक 205

योगेंद्र प्रसाद से मिले हेमंत सोरेन, कुशलक्षेम जाना

SMD TRADERS
कटहल मोड़ चौक
पटाखा गली, श्रीराम नगर
गुटुवा, थाना - नगरी, राँची

हम मुर्गा छाप एवं अन्य ब्राण्डेड कंपनियों के पटाखें अन्यों से 10% कम भाव में थोक एवं खुदरा विक्रेता

जाओ मम्मी - पापा जाओ एसएमडी के पटाखे लाओ
क्यो ?.................इसलिए !
मम्मी पापा से कहते है बच्चे एसएमडी के पटाखे अच्छे

संपर्क करें :
6201474385
7488680098
9717720847

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सुप्रीम कोर्ट से पूछे 14 सवाल

क्या किसी बिल की डेडलाइन तय कर सकता है सुप्रीम कोर्ट?

राज्यपाल और राष्ट्रपति की शक्तियों से जुड़े हैं सवाल

आजाद सिपाही संवाददाता

नयी दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने 8 अप्रैल को एक ऐतिहासिक फैसला दिया था। तमिलनाडु के राज्यपाल मामले में सुनवाई के दौरान शीर्ष अदालत ने कहा था कि राज्यपाल विधेयकों को अनिश्चितकाल तक रोक नहीं सकते। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि संविधान के अनुच्छेद 200 के तहत राज्यपाल के पास वीटो का अधिकार नहीं है और उन्हें मंत्रिपरिषद की सलाह पर काम करना होगा। इसमें राष्ट्रपति और राज्यपालों को विधानसभाओं से पारित विधेयकों पर निर्णय लेने के लिए समय-सीमा तय करने पर टिप्पणी की गयी थी। अब सुप्रीम कोर्ट के उस आदेश पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सवाल उठाये हैं। राष्ट्रपति मुर्मू ने कड़ी प्रतिक्रिया जताते हुए सर्वोच्च अदालत से 14 सवाल पूछे हैं।

(राष्ट्रपति के 14 सवाल देखें पेज-5 पर)

सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर राष्ट्रपति ने उठाये सवाल

राष्ट्रपति द्रौपदी ने सुप्रीम कोर्ट से जो 14 सवाल पूछे हैं वो राज्यपाल और राष्ट्रपति की शक्तियों से जुड़े हैं। ये सवाल संविधान के अनुच्छेद 200, 201, 361, 143, 142, 145(3), 131 से संबंधित हैं। इन सवालों में पूछा गया है कि राज्यपाल के पास क्या विकल्प हैं जब कोई बिल उनके पास आता है? क्या राज्यपाल मंत्रिपरिषद की सलाह मानने के लिए बाध्य हैं? क्या राज्यपाल का विवेकाधिकार न्यायिक समीक्षा के अधीन है?

ट्रंप सीरीयसली! पांच दिन बाद लिया यू-टर्न

कहा, मैंने सीजफायर नहीं कराया, सिर्फ मदद की

एजेंसी

कतर। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप गुरुवार को पांच दिन बाद भारत-पाकिस्तान के बीच सीजफायर कराने के बयान से पलट गये हैं। उन्होंने कहा कि मैंने दोनों देशों के बीच मध्यस्थता नहीं करायी, लेकिन मैंने मदद की है। ट्रंप ने कहा कि मैं ये नहीं कहता कि ये मैंने किया, लेकिन ये पक्का है कि पिछले हफ्ते भारत-पाकिस्तान के बीच जो हुआ, मैंने उसे सैटल करने में मदद की। भारत-पाकिस्तान के बीच और भी भयावह हो सकता था। दोनों देशों ने अचानक मिसाइल दागना शुरू कर दिया और हमने सब सैटल कर दिया।

बताते चलें कि ट्रंप ने 10 मई को दोनों देशों के बीच मध्यस्थता का ऐलान किया था। उन्होंने कहा था कि मुझे यह ऐलान करते हुए खुशी हो रही है कि अमेरिका की मध्यस्थता में एक लंबी बातचीत के बाद भारत और पाकिस्तान पूर्ण और तत्काल युद्धविराम पर सहमत हो गये हैं। दोनों देशों को समझदारी दिखाने के लिए बधाई। भारत सरकार ने ये भी साफ किया था कि पाकिस्तान के साथ तनाव के दौरान अमेरिका के साथ किसी भी चर्चा के दौरान ट्रेड का मद्दा नहीं उठा था।

(शेष पेज 05 पर)

त्राल में सुरक्षाबलों ने तीन आतंकियों को मार गिराया

जम्मू कश्मीर। जम्मू-कश्मीर के त्राल में सुरक्षाबलों ने 3 आतंकियों को मार गिराया। तीनों आतंकी एक मकान में छिपे थे। सुरक्षाबलों ने इन्हें ड्रोन की मदद से ढूंढ निकाला और एनकाउंटर कर दिया। त्राल में मारे गये एक आतंकी आमिर नजीर वानी का आखिरी वीडियो सामने आया। इसमें वह अपनी मां से बात कर रहा है। मां ने कश्मीरी में आमिर से कहा- बेटा, सरेंडर कर दो। जम्मू-कश्मीर में पिछले तीन दिनों में यह दूसरा एनकाउंटर है। इससे पहले शोपियां जिले के केलर में 13 मई को सुरक्षाबलों के साथ एनकाउंटर में लश्कर-ए-तैयबा के तीन आतंकवादी मारे गये थे।

कैबिनेट से उत्पाद नीति को मिली मंजूरी

शराब की खुदरा बिक्री अब निजी हाथों में

- मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में हुई बैठक में 17 प्रस्तावों पर लगी मुहर
- एनसीसी कैडेट का दैनिक भत्ता अब 220 रुपये
- 70 साल से अधिक के बुजुर्गों को स्वास्थ्य बीमा का लाभ मिलेगा

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की अध्यक्षता में गुरुवार को कैबिनेट की बैठक हुई। बैठक में कुल 17 प्रस्तावों पर मुहर लगी। इसमें उत्पाद नीति को मंजूरी दे दी गयी। नयी नीति एक माह में लागू हो जायेगी। इसके अलावा राज्य के 70 साल से अधिक आयु के लोगों को मुख्यमंत्री आयुष्मान योजना से जोड़े जाने के प्रस्ताव पर भी सहमति बनी। साथ ही एनसीसी कैडेटों का दैनिक भत्ता 150 से बढ़ाकर 220 रुपये प्रतिदिन किये जाने को मंजूरी दी गयी।

दुकानों का आवंटन लॉटरी से होगा: कैबिनेट ने झारखंड उत्पाद (मदिरा की खुदरा बिक्री हेतु दुकानों की बंदोबस्ती एवं संचालन) नियमावली, 2025 के गठन की स्वीकृति दी। कैबिनेट सचिव वंदना दादेल ने बताया कि नयी नीति एक माह में लागू हो जायेगी। शराब की खुदरा बिक्री अब निजी हाथों में रहेगी।

वहीं, थोक बिक्री का जिम्मा राज्य सरकार (जेएसबीसीएल) के हाथों में रहेगा। राज्य में कुल 1453 दुकानें हैं। सभी दुकानों का आवंटन लॉटरी के माध्यम से होगा।

(शेष पेज 05 पर)

BABU DINESH SINGH UNIVERSITY
(Established Under Government of Jharkhand Act-06, 2023 & Section 2(f) of the UGC Act, 1956, Member of AIU, Delhi)

Admission Open 2025-26

Approved by BCI
LL.B. (3 Years) | B.A. LL.B. (Honours) (5 Years) | B.B.A. LL.B. (Honours) (5 Years)

Special Fetures -
Traditional and e-Library | Highly Qualified Faculty | Legal Research Cell | Separate Hostels for Boys & Girls | 23-Year of Academic Excellence | Practical court craft & moot court | 100 + Acre Green Campus

Programs Approved by AICTE & Apex Bodies
BCA | MCA | BBA | MBA
B.TECH CSE | CSE (AI) | CE | EEE CSE (CYBER SECURITY) Regular & Lateral
DIPLOMA CSE | EEE | CE ME | EE Regular & Lateral

Others Job Oriented Courses
MERIT BASED SCHOLARSHIP UP TO 30% ON TUITION FEE

B.D.S | B.H.M.S | B.Sc. Nursing | GNM | ANM
B.Sc. (Medical) | B.Sc. (MLT) | M.Sc. (MLT)
B.Ed. | D.El.Ed | M.D. | M.D.S. | M.Sc. (Medical)
PARAMEDICAL | B.A. | B.Sc. | B.Com. | M.A.
M.Sc. | M.Com. | B.Sc. (Agriculture) | B.Pharm
D.Pharm | B.Lib.I.Sc. | M.Lib.I.Sc. | ITI

BDSU : FARATHIYA, GARHWA-822114, JHARKHAND
9661462506, 6206297213, 9934688493
For More Details Visit : bdsu.ac.in email : bdsugarhwa@gmail.com

International Year of Cooperatives 2025
Cooperatives Build a Better World

झारखण्ड राज्य सहकारी दुग्ध उत्पादक महासंघ लिमिटेड

Medha Milk

दूध संकलन में 18 गुना और बिक्री में 16 गुना की वृद्धि

झारखण्ड राज्य सहकारी दुग्ध उत्पादक महासंघ लिमिटेड (JMF) (जिसे मेधा डेयरी के नाम से भी जाना जाता है) की स्थापना झारखण्ड सरकार द्वारा 2013 में की गई थी तथा यह झारखण्ड राज्य सहकारी समिति अधिनियम, 1935 (अंगीकृत) के तहत पंजीकृत है। 2014 में राज्य सरकार एवं NDDB के बीच हस्ताक्षरित MoU के आलोक में NDDB के प्रबंधन में संचालित JMF के द्वारा विकास कार्यक्रमों को त्वरित गति से क्रियान्वित किया जा रहा है । झारखण्ड सरकार के सहयोग से मेधा डेयरी ने पिछले 10 वर्षो में दूध संकलन में 18 गुना और दूध बिक्री में 16 गुना की भारी वृद्धि की है, जिससे वर्तमान में इसका दुग्ध संकलन 203.24 TKGPD और बिक्री 177.72 TLPD तक पहुँच गई है।

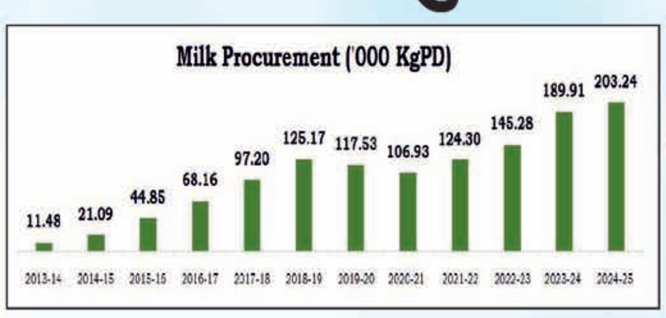

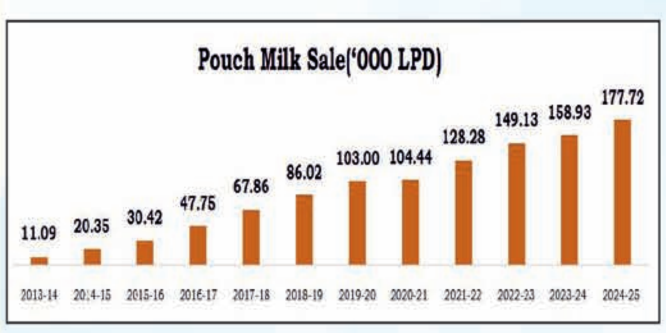

गांवों में दूध संग्रह केंद्रों का नेटवर्क हुआ स्थापित

राज्य के डेयरी विकास में JMF एक अहम भूमिका निभा रहा है इसके अंतर्गत JMF ने गांवों में दूध संग्रह केंद्रों का नेटवर्क स्थापित कर 64,000 से ज्यादा दूध उत्पादकों को जोड़कर संग्रहण और विपणन प्रणाली को सुदृढ़ किया है। JMF ने निष्पक्ष और पारदर्शी दूध संग्रहण प्रणाली सुनिश्चित कर राज्य के गांवो में दूध संग्रह के लिए ।MCS (automatic milk collection software), कम्प्यूटरीकृत दूध तौल और परीक्षण प्रणालियां स्थापित की हैं, जिससे ग्राम स्तर पर दूध की गुणवत्ता एवं मात्र की जांच की जाती है, और DBT के माध्यम से 10 दिनों के अंतराल में ही, भुगतान सीधे दूध उत्पादकों के बैंक खातों में किया जाता हैं। डेयरी क्षेत्र को बढ़ावा देने और दूध उत्पादकों को आत्मनिर्भर बनाने हेतु झारखण्ड सरकार JMF से जुड़े ग्रामीण दूध उत्पादकों को प्रोत्साहन राशि भी देती है, जो वर्ष 2020-21 में 1 रुपये प्रति लिटर से शुरुआत कर, आज 5 रुपये प्रति लिटर दिया जाता है।

राज्य के दूध उत्पादकों को सशक्त बनाने और दूध की गुणवत्ता बढ़ाने के लिए प्रयासरत

राज्य के दूध उत्पादकों को सशक्त बनाने और दूध की गुणवत्ता बढ़ाने के लिए JMF उन्हें पशुपालन प्रशिक्षण, संतुलित आहार, क्षेत्र विशेष खनिज मिश्रण, हरा चारा, साइलेज और हाइब्रिड नेपियर, आपातकालीन पशु चिकित्सा सेवाएं, स्वास्थ्य शिविर, दुर्घटना बीमा जैसी सुविधाएं प्रदान करता है, साथ ही खाद प्रबंधन परियोजना के तहत नवीकरणीय ऊर्जा संसाधन करने के लिए ग्राम स्तर पर 100 घरेलू बायोगैस संयंत्र स्थापित किये गए हैं जिसके परिणाम स्वरूप ग्रामीण महिलाओं के LPG व अन्य ईंधनों पर होने वाले खर्चों में कमी आई है। JMF के लिए यह गर्व की बात है की सभी घरेलू बायोगैस संयंत्र सक्रिय है और प्रभावी रूप से कार्यरत हैं ।इसके अतिरिक्त 'मेधा मातृत्व पोषण योजना', के तहत JMF से जुड़े गर्भवती और स्तनपान कराने वाली महिलाओं को 6 महीने तक हर माह 1 किलो घी दिया जाता है। राज्य में पशु नस्ल सुधार के लिए NDDB की सहायता से RGM के तहत पशु नस्ल सुधार और दूध उत्पादन बढ़ाने की ABIP & IVF & ET परियोजना क्रियान्वित कर रहा है जिसमे अब तक उच्च नस्ल की 25 बाछियों का जन्म सफलता पूर्वक पूरा हुआ। मेधा डेयरी राज्यभर में इंसुलेटेड वाहनों और वितरकों के जरिये उपभोक्ताओं को ताजा और गुणवत्तापूर्ण दूध व उत्पादों (flavoured milk, rabri, medha special, curd, ghee, peda) की समय पर आपूर्ति सुनिश्चित करती है। झारखण्ड सरकार के सहयोग से आज JMF ने डेयरी क्षेत्र में त्वरित गति से बढ़ोतरी की है और ग्रामीण आजीविका का प्रमुख स्रोत बन गया है।

Advertorial

आजाद सिपाही | झारखंड में सबसे ज्यादा देखा जाने वाला चैनल
200000 Subscribers
VIEWERSHIP 5 Crore 90 lakh+
12 Crore + Watch Time (min)
YouTube Channel
Subscribe NOW

आजाद सिपाही
रांची, शुक्रवार, 16 मई, 2025
www.azadsipahi.in

बलूचिस्तान इज नॉट पाकिस्तान, अलग हुआ तो पाकिस्तान बनेगा कंगालिस्तान

■ बलूच नेता मीर यार बलूच ने पाकिस्तान से आजादी का ऐलान कर दिया
■ बलूचिस्तान पाकिस्तान का हिस्सा नहीं, समर्थन करे भारत
■ पाकिस्तान का 44 प्रतिशत हिस्सा कवर करता है बलूचिस्तान
■ पीएम मोदी अकेले नहीं, आपके साथ बलूच देशभक्तों का समर्थन है

आजाद सिपाही विशेष

बलूच नेता मीर यार बलूच ने बुधवार को पाकिस्तान से बलूचिस्तान की आजादी का ऐलान किया। उन्होंने इसके पीछे दशकों से बलूच लोगों के मानवाधिकार हनन, किडनैपिंग और हिंसा का हवाला दिया। मीर यार बलूच ने सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट कर कहा कि बलूचिस्तान के लोगों ने अपना ह्यराष्ट्रीय फैसलाह्न दे दिया है और दुनिया को अब चुप नहीं रहना चाहिए। आओ हमारा साथ दो। उन्होंने लिखा कि बलूच लोग सड़कों पर हैं और यह उनका राष्ट्रीय फैसला है कि बलूचिस्तान पाकिस्तान का हिस्सा नहीं है। दुनिया अब और मूक दर्शक नहीं रह सकती। उन्होंने भारत और ग्लोबल समुदाय से बलूचिस्तान की आजादी के लिए मान्यता और समर्थन मांगा। मीर यार ने भारतीय मीडिया, यूट्यूबर्स, इन्फ्लुएंसर्स और भारतीय बुद्धिजीवियों से अपील की कि वो बलूचों को पाकिस्तान के लोग न कहें। हम पाकिस्तानी नहीं, बलूचिस्तानी हैं। पाकिस्तान के अपने लोग पंजाबी हैं, जिन्हें कभी हवाई बमबारी, किडनैपिंग या नरसंहार का सामना नहीं करना पड़ा। उन्होंने पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू-कश्मीर पीओके पर भारत के रुख का समर्थन किया। अंतरराष्ट्रीय समुदाय से पाकिस्तान पर इस इलाके को खाली करने के लिए दबाव डालने की अपील की। बलूच नेता मीर यार ने कहा कि भारत पाकिस्तानी सेना को हरा सकता है। अगर पाकिस्तान ने ध्यान नहीं दिया, तो खूनखराबे के लिए सिर्फ पाकिस्तानी सेना के लालची जनरल जिम्मेदार होंगे, क्योंकि इस्लामाबाद पीओके के लोगों को ढाल के तौर पर इस्तेमाल कर रहा है। बलूचिस्तान, पाकिस्तान का सबसे बड़ा राज्य है और 44 फीसदी हिस्सा कवर करता है। बलूचिस्तान तेल, सोना, तांबा और अन्य खदानों से सम्पन्न है। इन संसाधनों का इस्तेमाल कर पाकिस्तान अपनी जरूरतें पूरी करता है। इसके बाद भी ये इलाका सबसे पिछड़ा है। यही वजह है कि बलूचिस्तान में पाकिस्तान के खिलाफ नफरत बढ़ रही है। पाकिस्तान का कब्जा होने के बाद से बलूचिस्तान में 5 बड़े विद्रोह हुए हैं। सबसे हालिया विद्रोह 2005 में शुरू हुआ था जो आज भी जारी है। इस बीच बलूचिस्तान में चीन की एंट्री हुई। बलूचिस्तान, चीन-पाकिस्तान इकोनॉमिक कॉरिडोर का एक अहम हिस्सा है। चीन-पाकिस्तान इकोनॉमिक कॉरिडोर, चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग की बेल्ट एंड रोड इनीशिएटिव का पार्ट है। बलूचिस्तान में एक ग्वादर पोर्ट है, जो इस प्रोजेक्ट में सबसे खास जगह माना जाता है। चीन, पाकिस्तान के ग्वादर पोर्ट को शिनजियांग से जोड़ने के लिए अब तक 46 अरब डॉलर खर्च कर चुका है। वह अरब देशों के संसाधनों को अपने देश तक लाने के लिए ग्वादर पोर्ट पर इतना खर्च कर रहा है। चीन यहां पर सड़कों को चौड़ा कर रहा है और हवाई पोर्ट बनाने में जुटा है। इसका विरोध बलूच कर रहे हैं। उन्हें पता है कि यह सब उनका अस्तित्व खत्म करने के लिए हो रहा है। पाकिस्तान ने उनपर सिर्फ जुल्म किये हैं। उसने शारीरिक, आर्थिक, सांस्कृतिक, मानसिक हर तरह से चोट दिया है। क्या है बलूचिस्तान की दास्तान और कैसे वह अपनी आजादी के लिए विद्रोह कर रहा है बता रहे हैं **आजाद सिपाही के विशेष संवाददाता राकेश सिंह।**

राकेश सिंह

आधुनिक बलूचिस्तान का इतिहास 150 साल पुराना

आधुनिक बलूचिस्तान की कहानी 1876 से शुरू होती है। तब बलूचिस्तान पर कलात रियासत का शासन था। भारतीय उपमहाद्वीप पर ब्रिटिश हुकूमत शासन कर रही थी। इसी साल ब्रिटिश सरकार और कलात के बीच संधि हुई। संधि के मुताबिक अंग्रेजों ने कलात को सिक्किम और भूटान की तरह प्रोटेक्टोरेट स्टेट का दर्जा दिया। यानी भूटान और सिक्किम की तरह कलात के आंतरिक मामलों में ब्रिटिश सरकार का दखल नहीं था, लेकिन विदेश और रक्षा मामलों पर उसका नियंत्रण था। 1947 में भारतीय उपमहाद्वीप में आजादी की प्रक्रिया की शुरूआत हुई। भारत और पाकिस्तान की तरह कलात में भी आजादी की मांग तेज हो गयी। जब 1946 में ये तय हो गया कि अंग्रेज भारत छोड़ रहे हैं, तब कलात के खान यानी शासक मीर अहमद खान ने अंग्रेजों के सामने अपना पक्ष रखने के लिए मोहम्मद अली जिन्ना को सरकारी वकील बनाया। बलूचिस्तान नाम से एक नया देश बनाने के लिए 4 अगस्त 1947 को दिल्ली में एक बैठक बुलायी गयी। इसमें मीर अहमद खान के साथ जिन्ना और जवाहर लाल नेहरू भी शामिल हुए। बैठक में जिन्ना ने कलात की आजादी की वकालत की। बैठक में ब्रिटिश वायसराय लॉर्ड माउंटबेटन ने भी माना कि कलात को भारत या पाकिस्तान का हिस्सा बनने की जरूरत नहीं है। तब जिन्ना ने ही ये सुझाव दिया कि चार जिलों- कलात, खरान, लास बेला और मकरान को मिलाकर एक आजाद बलूचिस्तान बनाया जाये।

11 अगस्त 1947 को बलूचिस्तान अलग देश बना, ब्रिटेन ने लगाया अड़ंगा

11 अगस्त 1947 को कलात और मुस्लिम लीग के बीच एक समझौते पर हस्ताक्षर हुए। इसके साथ ही बलूचिस्तान एक अलग देश बन गया। हालांकि इसमें एक पेंच ये था कि बलूचिस्तान की सुरक्षा पाकिस्तान के हवाले थी। आखिरकार कलात के खान ने 12 अगस्त को बलूचिस्तान को एक आजाद देश घोषित कर दिया। बलूचिस्तान में मस्जिद से कलात का पारंपरिक झंडा फहराया गया। कलात के शासक मीर अहमद खान के नाम पर खुतबा पढ़ा गया। लेकिन आजादी घोषित करने के ठीक एक महीने बाद 12 सितंबर को ब्रिटेन ने एक प्रस्ताव पारित किया और कहा कि बलूचिस्तान एक अलग देश बनने की हालत में नहीं है। वह अंतरराष्ट्रीय जिम्मेदारियां नहीं उठा सकता।

अपनी ही बात से पलटे जिन्ना, विलय का दिया प्रस्ताव

कलात के खान ने अक्टूबर 1947 में पाकिस्तान का दौरा किया। उन्हें उम्मीद थी कि जिन्ना उनकी मदद करेंगे। जब खान कराची पहुंचे तो वहां मौजूद हजारों बलूच लोगों ने उनका स्वागत बलूचिस्तान के राजा की तरह किया, लेकिन उनका स्वागत करने पाकिस्तान का कोई बड़ा अधिकारी नहीं पहुंचा। पाकिस्तान के इरादे में बदलाव का यह बड़ा संकेत था। अपनी किताब ह्यबलूच राष्ट्रवादह्ल में ताज मोहम्मद ब्रेसीग ने जिन्ना और खान के बीच बैठक का जिक्र किया है। बैठक में जिन्ना ने खान से बलूचिस्तान का पाकिस्तान में विलय करने की बात कही। कलात के शासक ने बात नहीं मानी। उन्होंने कहा कि बलूचिस्तान कई जनजातियों में बंटा देश है। वह अकेले यह तय नहीं कर सकते। बलूचिस्तान आजाद मुल्क रहेगा या पाकिस्तान के साथ जाएगा ये वहां की जनता तय करेगी। वादे के मुताबिक खान ने बलूचिस्तान जाकर विधानसभा की बैठक बुलाई जिसमें पाकिस्तान से विलय का विरोध किया गया। पाकिस्तान का दबाव बढ़ने लगा था। मामले को समझते हुए खान ने कमांडर-इन-चीफ ब्रिगेडियर जनरल परवेज को सेना जुटाने और हथियार गोला-बारूद की व्यवस्था करने को कहा। जनरल परवेज हथियार हासिल करने के लिए दिसंबर 1947 में लंदन पहुंचे। ब्रिटिश सरकार ने कहा कि पाकिस्तान की मंजूरी के बिना उन्हें कोई सैन्य सहायता नहीं मिलेगी। जिन्ना मामले को भांप गए थे। उन्होंने 18 मार्च 1948 को खारन, लास बेला और मकरान को अलग करने की घोषणा की। दुश्का एच सैय्यद ने अपनी किताब ह्यद एक्सेशन ऑफ कलातः मिथ एंड रियलिटीह्न में लिखा है कि जिन्ना के एक फैसले से कलात चारों तरफ से घिर गया। जिन्ना ने कई बलूच सरदारों को अपनी तरफ मिला लिया, जिससे खान के पास कोई चारा नहीं रहा। इसके बाद खान ने भारतीय अधिकारियों और अफगान शासक से मदद के लिए अनुरोध किया, लेकिन कोई सफलता नहीं मिली। 27 मार्च, 1948 को ऑल इंडिया रेडियो ने राज्य विभाग के सचिव वी.पी. मेनन के हवाले से कहा कि कलात के खान ने भारत से विलय के लिए संपर्क किया था, लेकिन भारत सरकार ने ये मांग ठुकरा दी। हालांकि बाद में तत्कालीन गृह मंत्री सरदार पटेल और फिर प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने इस बयान का खंडन किया।

227 दिन आजाद रहा बलूचिस्तान

26 मार्च को पाकिस्तानी सेना बलूचिस्तान में घुस गयी। अब खान के पास जिन्ना की शर्तें मानने के अलावा कोई विकल्प नहीं था, लेकिन इस कब्जे से बलूचिस्तान की एक बड़ी आबादी के मन में पाकिस्तान के लिए नफरत पैदा हो गई। बलूचिस्तान सिर्फ 227 दिनों तक ही आजाद देश बना रह सका। इसके बाद खान के भाई प्रिंस करीम खान ने बलूच राष्ट्रवादियों का एक दस्ता तैयार किया। उन्होंने 1948 में पाकिस्तान के खिलाफ पहला विद्रोह शुरू किया। पाकिस्तान ने 1948 के विद्रोह को कुचल दिया। करीम खान समेत कई लोगों को गिरफ्तार कर लिया गया। विद्रोह को तब भले ही दबा दिया गया, लेकिन ये कभी खत्म नहीं हुआ। बलूचिस्तान की आजादी के लिए शुरू हुए इस विद्रोह को नए नेता मिलते रहे। 1950, 1960 और 1970 के दशक में वे पाकिस्तान सरकार के लिए चुनौती बनते रहे। 2000 तक पाकिस्तान के खिलाफ चार बलूच विद्रोह हुए।

पाकिस्तानी सेना के कैप्टन ने बलूच डॉक्टर का रेप किया, शुरू हुआ पांचवा विद्रोह

2005 में 2 और 3 जनवरी की दरम्यानी रात थी। बलूचिस्तान के सुई इलाके में पाकिस्तान पेट्रोलियम लिमिटेड अस्पताल में काम करने वाली एक महिला डॉक्टर शाजिया खालिद अपने कमरे में सो रही थी। तभी एक पाकिस्तानी सेना के कैप्टन ने उसका रेप किया। कैप्टन को गिरफ्तार करने के बजाय उसका बचाव किया गया, क्योंकि वह राष्ट्रपति जनरल परवेज मुशर्रफ का खास था। जांच के नाम पर पहले पीड़ित को एक साइकेट्रिक क्लिनिक भेज दिया गया। उस पर ही गलत इल्जाम लगाए गए। जांच के नाम पर लीपापोती हुई। मजबूर होकर शाजिया और उनके पति पाकिस्तान छोड़कर ब्रिटेन चले गए। यह घटना बलूचिस्तान में हुई। तब बुगती जनजाति के मुखिया नवाब अकबर खान बुगती ने इसे अपने कबीले के संविधान का उल्लंघन बताया। बुगती पहले पाकिस्तान के रक्षा मंत्री रहे चुके थे। लेकिन इस वक्त वे बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी (बीएलए) के लीडर बन चुके थे और बलूचिस्तान के अधिकारों की लड़ाई लड़ रहे थे। इस घटना ने बुगती को पाकिस्तान सरकार से बदला लेने का मौका दे दिया। उन्होंने किसी भी कीमत पर बदला लेने की कसम खाई। बलूच विद्रोहियों ने सुई गैस फील्ड पर रॉकेटों से हमला कर दिया। कई सैनिक मारे गए। जवाब में मुशर्रफ ने मुकाबले के लिए 5000 और सैनिक भेज दिए। इस तरह बलूचों के पांचवें विद्रोह की शुरूआत हुई।

बुगती की हत्या ने बलूचिस्तान की सभी जनजातियों को एकजुट कर दिया

17 मार्च की रात पाकिस्तानी सेना ने अकबर बुगती के घर पर बमबारी की। इसमें 67 लोग मारे गए। अकबर बुगती के घरों के लोगों के मारे जाने से बलूच और भड़क गए। उनका पाकिस्तान सरकार के खिलाफ संघर्ष और तेज हो उठा। हालांकि 26 अगस्त 2006 को भांबूर पहाड़ियों में छुपे अकबर बुगती और उनके दर्जनों साथियों की बमबारी कर हत्या कर दी गयी। बुगती की हत्या ने बलूचिस्तान की सभी जनजातियों को एकजुट कर दिया। बलूच लड़ाकों ने इसके बदले पाकिस्तान के कई इलाकों पर हमले किए। तत्कालीन राष्ट्रपति परवेज मुशर्रफ की हत्या की भी कोशिश की गई। बुगती के बाद बीएलए का नेतृत्व नवाबजादा बालाच मिरी ने संभाला, लेकिन साल 2007 में उसे भी पाकिस्तानी सेना ने मार डाला। बीएलए ने साल 2009 से पंजाबियों को निशाना बनाना शुरू किया। इस साल बलूचिस्तान में 500 से ज्यादा पंजाबी मार दिए गए। इसके बाद पाकिस्तान की सेना ने सिस्टमैटिक तरीके से बलूचों को गायब करना शुरू किया। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक पिछले 15 साल में पाकिस्तानी सेना ने 5 हजार से ज्यादा बलूचों को गायब कर दिया है। इन्हें मार दिया गया है या फिर इन्हें ऐसी जगह कैद कर रखा है, जिसकी कोई खबर नहीं है।

बलूचिस्तान का इतिहास

साल 1540 की बात है, भारत के पहले मुगल शासक बाबर के बेटे हुमायूं को बिहार के शेरशाह सूरी ने युद्ध में हरा दिया। हुमायूं भारत से भाग खड़ा हुआ। उसने फारस यानी ईरान में शरण ली। 1545 में शेरशाह सूरी की मौत हो गयी। मौके को भांपकर हुमायूं ने भारत वापस लौटने की योजना बनाना शुरू कर दिया। तब बलूचिस्तान के कबीलाई सरदारों ने उसके इस प्लान में मदद की। बलूचों का साथ पाकर 1555 में हुमायूं ने दिल्ली पर फिर से नियंत्रण कर लिया। साल 1659 में मुगल बादशाह औरंगजेब दिल्ली का शासक बना। उसकी सत्ता पश्चिम में ईरान के बॉर्डर तक थी, लेकिन दक्षिण में उसे लगातार मराठों की चुनौतियों से जूझना पड़ रहा था। तब बलूची सरदारों ने मुगल हुकूमत के खिलाफ विद्रोह छेड़ा और बलूच लीडर मीर अहमद ने 1666 में बलूचिस्तान के दो इलाकों कलात और क्वेटा को औरंगजेब से छीन लिया। आज जहां बलूचिस्तान है, उस जगह का इतिहास करीब 9 हजार साल पुराना है। तब यहां मेहरगढ़ हुआ करता था। ये सिंधु सभ्यता का एक प्रमुख शहर था। लगभग 3 हजार साल पहले जब सिंधु सभ्यता का अंत हुआ तो यहां के लोग सिंध और पंजाब के इलाके में बस गए। इसके बाद ये शहर वैदिक सभ्यता के प्रभाव में आया। यहां पर हिंदुओं की प्रमुख शक्तिपीठ में से एक- हिंगलाज माता का मंदिर भी है, जिसे पाकिस्तान में नानी का हज भी कहा जाता है। समय के साथ ये शहर बौद्ध धर्म का भी एक प्रमुख केंद्र बना। सातवीं सदी में जब अरब हमलावरों ने इस इलाके पर हमला किया, तो यहां पर इस्लाम धर्म का प्रभाव बढ़ा।

बलूचिस्तान को विदेशी ताकतों की मदद के कब्जा किया गया

मीर यार बलूच के मुताबिक दुनिया को बलूचिस्तान पर पाकिस्तान के दावों को स्वीकार नहीं करना चाहिए। उन्होंने कहा कि बलूचिस्तान को विदेशी ताकतों की मदद से जबरन कब्जा किया गया था। बलूचिस्तान में लंबे वक्त से मानवाधिकार हनन हो रहा है। पाकिस्तानी सेना और पुलिस लोगों पर हमले करती है। यहां विदेशी मीडिया की पहुंच बहुत सीमित है, इस वजह से बलूचिस्तान से जुड़ी खबरें बाहर नहीं आ पाती हैं। बलूच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) एक संगठन है जो पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत की स्वतंत्रता के लिए लड़ रहा है। इसकी स्थापना 2000 के दशक की शुरूआत में हुई और इसे कई देशों द्वारा आतंकी संगठन भी घोषित किया गया है। बीएलए का दावा है कि बलूचिस्तान के प्राकृतिक संसाधनों का शोषण हो रहा है और बलूच लोगों के अधिकार छीन लिये गये हैं। यह संगठन पाकिस्तानी सेना, सरकार और चीनी प्रोजेक्ट्स जैसे सीपीइसी को निशाना बनाता रहा है। बीएलए अपनी गुरिल्ला शैली के लिए जाना जाता है। यानी पहाड़ी इलाकों में छिपकर सेना पर हमला करना और तुरंत वापस लौट भी जाता है। वहीं पाक सेना प्रमुख जनरल आसिम मुनीर ने कुछ दिन पहले एक बयान में कहा कि बलूचिस्तान में महज 1500 लोगों की वजह से अशांति फैली है और वो पाकिस्तान की लाखों की प्रोफेशनल फौज का कुछ नहीं बिगाड़ सकते। ब्रिटिश ह्यूमन राइट एक्टिविस्ट पीटर टैचेल का मानना है कि पाकिस्तान बलूचिस्तान की स्वतंत्रता में देरी कर सकता है, लेकिन इसे हमेशा के लिए रोका नहीं जा सकता। उन्होंने बलूच संघर्ष की तुलना वियतनाम के आंदोलन से की है। बलूच लेखक मीर यार का कहना है कि बलूचिस्तान अब आजादी से सिर्फ दो कदम दूर है। उन्होंने इसकी 1971 के बांग्लादेश की स्थिति से तुलना करते हुए कहा कि पाकिस्तान की सेना और खुफिया एजेंसियां इस वास्तविकता को स्वीकार नहीं कर रही हैं।

पीएम मोदी अकेले नहीं, आपके साथ छह करोड़ बलूच देशभक्तों का समर्थन

मीर ने दावा किया कि पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत-पाकिस्तान में पैदा हुए तनाव के बीच, बलूचिस्तान और उसके लोगों ने भारत के प्रति समर्थन जताया है। उन्होंने कहा बलूचिस्तान लोकतांत्रिक गणराज्य के लोग भारत के लोगों को अपना पूरा समर्थन देते हैं। चीन पाकिस्तान की मदद कर रहा है, लेकिन बलूचिस्तान और उसके लोग भारत की सरकार के साथ हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अकेले नहीं हैं, आपके पास 6 करोड़ बलूच देशभक्तों का समर्थन है। भारत के लोगों का जताया आभार :?मीर यार ने भारत और यहां के लोगों का भी आभार जताया है। मीर ने कहा, बलूचिस्तान के लोगों को बिना शर्त नैतिक समर्थन देने के लिए मैं भारत के लोगों का शुक्रगुजार हूं। बलूचिस्तान का इतिहास जब भी लिखा जाएगा, आपके योगदान का जिक्र स्वर्णिम अच्छरों में होगा। भारत की शांति और समृद्धि की कामना करता हूं।

आजाद सिपाही | झारखंड में सबसे ज्यादा देखा जाने वाला चैनल
VIEWERSHIP 5 Crore 90 lakh+
12 Crore + Watch Time (min)
200000 Subscribers
YouTube Channel
Channel
आजाद सिपाही Subscribe NOW

वेदर

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
रांची	37.9 °c	26.4 °c
सूर्यास्त (आज) :		18.23 बजे
सूर्योदय (कल) :		05.07 बजे

योगेंद्र प्रसाद से मिले हेमंत सोरेन, कुशलक्षेम जाना

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन राज्य के उत्पाद एवं निषेध मंत्री योगेंद्र प्रसाद से मिलने उनके आवास पहुंचे, जहां उन्होंने मंत्री से उनका हाल-चाल जाना। बता दें कि गुरुवार की सुबह अचानक मंत्री की तबियत खराब हो गयी थी। सीने में उठे दर्द और अत्यधिक पसीना आने की शिकायत के बाद उन्हें धुर्वा स्थित पारस अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती कराया गया था। अब उनकी तबीयत में सुधार है। इलाज के बाद आराम करने के सलाह पर उन्हें अस्पताल से डिस्चार्ज कर दिया गया। अस्पताल से मंत्री अपने आवास पर चले गये हैं, जहां वह रिम्स के चिकित्सक की देखरेख में रहेंगे.। पारस हॉस्पिटल के डॉक्टरों ने उन्हें रेस्ट पर रहने की सलाह दी है। बीपी, शुगर की दवाई के साथ साथ जो भी दवाइयां दी हैं, उसे खाते रहने की सलाह दी है। मंत्री योगेंद्र प्रसाद पहले से डायबिटिक पेशेंट रहे हैं।

सीएम हेमंत सोरेन ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म 'एक्स' पर ट्वीट कर मंत्री से मुलाकात की कुछ तस्वीरें साझा की। उन्होंने मंत्री का कुशल क्षेम जाना। साथ ही मरांग बुरु से मंत्री के जल्द स्वस्थ होने की कामना की।

मंत्री योगेंद्र प्रसाद की तबीयत बिगड़ने की खबर मिलने के बाद स्वास्थ्य मंत्री डॉ इरफान अंसारी, उच्च शिक्षा मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू, खिजरी विधायक और कांग्रेस विधायक दल के उपनेता राजेश कच्छप अस्पताल पहुंचे और बीमार मंत्री के स्वास्थ्य की जानकारी ली।

स्वतंत्रता सेनानी चानकू महतो की प्रतिमा का राज्यपाल संतोष गंगवार ने किया अनावरण

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने गुरुवार को पूर्वी सिंहभूम जिला अंतर्गत चाकुलिया प्रखंड के भालुकबिंधा ग्राम में स्वतंत्रता सेनानी चानकू महतो की प्रतिमा का अनावरण किया। राज्यपाल ने वीर शहीद चानकू महतो के साहस और बलिदान को नमन करते कहा कि यह प्रतिमा केवल एक मूर्ति नहीं, बल्कि इतिहास की जीवंत स्मृति है, जो आनेवाली पीढ़ियों को देशभक्ति की प्रेरणा देती रहेगी। चानकू महतो न केवल एक महान स्वतंत्रता सेनानी थे, बल्कि अधिकारों की रक्षा हेतु जनचेतना के अग्रदूत भी थे। मौके पर सांसद विद्युत वरण महतो समेत अन्य भी उपस्थित थे।

राज्यपाल ने चानकू महतो के प्रसिद्ध नारे आपोन माटी, आपोन दाना, पेट काटी निही देबञ खजाना को उद्धृत करते हुए उनके नेतृत्व में संताल परगना में हुए आंदोलन को हूल क्रांति से पूर्व की बड़ी जनक्रांति बताया। कहा कि वीर चानकू महतो ने अपने साथियों के साथ मिलकर संगठित आंदोलन प्रारंभ किया। ऐतिहासिक हूल क्रांति में भी सिदो-कान्हू के नेतृत्व में सक्रिय रूप से भाग लिया। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि उन्हें साहेबगंज जिला अंतर्गत भोगनाडीह में वीर सिदो-कान्हू की जन्मस्थली जाने का सौभाग्य प्राप्त हुआ तथा वहां वे उनके वंशजों से भी मिले।

राज्यपाल ने स्वतंत्रता सेनानियों की विरासत को संजोने की आवश्यकता पर बल देते हुए विश्वविद्यालयों के छात्र-छात्राओं से आह्वान किया कि वे इन महापुरुषों के ग्रामों में जाकर शोध करें और उनके योगदान को इतिहास में उचित स्थान दिलाने हेतु प्रयास करें। राज्यपाल ने वीर शहीद चानकु महतो स्मारक समिति को इस सराहनीय पहल हेतु बधाई दी और कहा कि यह प्रतिमा आने वाली पीढ़ियों को राष्ट्रप्रेम की प्रेरणा देती रहेगी।

राशिफल

डॉ एनके बेरा | 9431114351

- **मेष** — परिश्रम-प्रयत्न से आवश्यक कार्य में सफलता मिलेगी। नौकरी-व्यापार में उन्नति।
- **वृष** — रोजी-रोजगार में सफलता मिलेगी,किसी खास व्यक्ति के सहयोग से महत्वपूर्ण काम बनेगा
- **मिथुन** — परिस्थिति में सुधार होगा,बकाये रकम की प्राप्ति होगी, वस्त्र-आभूषण,धन-द्रव्य की प्राप्ति होगी।
- **कर्क** — कर्मक्षेत्र में यशस्वी कार्य करने का अवसर मिलेगा, महत्वकांक्षा पूरी होगी।
- **सिंह** — रुका हुआ काम पूरा होगा, हर्षदायक समाचारों की प्राप्ति होगी, वाहन की सवारी सावधानी से करें दुर्घटना की आशंका।
- **कन्या** — नौकरी में उन्नति होगी, महत्वपूर्ण कार्य पूरा होगा, आर्थिक लाभ, घर-गृहस्थी में सुख-शांति का वातावरण रहेगा।
- **तुला** — परिवार में मांगलिक कार्य संपन्न होगा. स्वजन-मित्रों का सहयोग, नौकरी में बदलाव होने की संभावना।
- **वृश्चिक** — संतान पक्ष से सुखद समाचार की प्राप्ति होगी,व्यवसाय की स्थिति में सुधार,संतोषजनक धनलाभ होगा.
- **धनु** — इच्छित कार्य सफल होगा, महत्वपूर्ण समाचारों की प्राप्ति होगी, विरोधियों पर विजय, मन प्रसन्न रहेगा।
- **मकर** — आर्थिक स्थिति में सुधार होगा, रोग-ऋण-शत्रुबाधा का शमन, घर-गृहस्थी में सुख-शांति का वातावरण बनेगा।
- **कुंभ** — स्वास्थ्य बाधा,दिमागी तनाव, इष्ट-मित्रों-स्वजनों से मार्मिक पीड़ा, परिश्रम-प्रयत्न से आवश्यक काम पूरा होगा।
- **मीन** — आयु-आरोग्य की रक्षा होगी, बकाये रकम की प्राप्ति, श्रेष्ठजनों के सहयोग से रोजी-रोजगार में उन्नति होगी।

पूरी तरह से दुरुस्त पेसा नियमावली लागू होगी : दीपिका पांडेय सिंह

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। ग्रामीण विकास मंत्री दीपिका पांडेय सिंह ने कहा कि जब पेसा नियमावली राज्य में लागू होगी पूरी तरह दुरुस्त होगी। इसमें पेसा कानून की भावनाओं का पूरा ख्याल रखा जायेगा। नियमावली 1996 के पेसा कानून के अनुरूप होगी। उसका लाभ राज्य के लोगों को पीढ़ी दर पीढ़ी मिलेगा। मंत्री दीपिका पांडेय गुरुवार को पेसा नियमावली पर आयोजित विचार गोष्ठी सह कार्यशाला के समापन के समापन भाषण में अपने विचार व्यक्त कर रही थीं। उन्होंने कार्यशाला में शामिल प्रबुद्धजनों को आश्वस्त किया कि उनके आये विचारों पर गंभीरता से अमल किया जायेगा। विचार गोष्ठी की प्रासंगिकता नियमावली में दिखेगी। दरअसल इस विचार गोष्ठी का उद्देश्य पेसा नियमावली को लागू करने से पहले स्टेक होल्डरों का सुझाव लेना था।

कई सुझाव आये : इससे पूर्व नेशनल एडवाइजरी कॉउंसिल के सदस्य के राजू ने राज्य सरकार को कई सुझाव दिये। विधायक राजेश कच्छप ने कहा कि गांव और सरकार के बीच की लड़ाई को समाप्त करने के लिए बातचीत के जरिए समाधान किया जाना चाहिए। एक्टिविस्ट दयामनी बारला ने ड्राफ्ट की कॉपी नहीं मिलने, उपयोग नहीं होने के पांच साल बाद भी लैंड बैंक की जमीन की वापसी नहीं होने और सरकार द्वारा संवाद नहीं करने की शिकायत की। सुधीर पाल ने बैंक, ऋण, सूद और उससे जुड़े तकनीकी विषयों पर अपने विचार रखे। शिशिर कुमार ने नियमावली की पृष्ठभूमि पर विस्तार से प्रकाश डाला। ग्लैक्शन टुडू ने ग्रामसभा को कार्यपालिका का अधिकार नहीं दिये जाने पर सवाल खड़ा किया।

पंचायती राज सचिव ने दी जानकारी : इससे पहले पंचायती राज सचिव विनय कुमार चौबे ने पंचायती राज अधिनियम और पेसा नियमावली के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि कैसे और किन किन परिस्थितियों से गुजरते हुए नियमावली का ड्राफ्ट तैयार किया गया है। इसे लागू करने की क्या योजना है। कार्यशाला सह विचार गोष्ठी में विभिन्न सामाजिक संगठनों से जुड़े लोग शामिल हुए।

नियमावली दुरुस्त और तंदुरुस्त होगी: बिरुआ

भू-राजस्व एवं परिवहन मंत्री दीपक बिरुआ ने कहा कि कार्यशाला में आये सुझावों पर अमल होगा। नियमावली में सुझावों का असर दिखेगा। नियमावली दुरुस्त और तंदुरुस्त होगी। राज्य की जनता की भावनाओं के अनुरूप नियमावली होगी।

आम सहमति से लागू होगी नियमावली: रामदास

स्कूली शिक्षा मंत्री रामदास सोरेन ने आश्वस्त किया कि राज्य में आम सहमति से पेसा नियमावली लागू होगी। सबके सुझावों पर सरकार गंभीरता से विचार करेगी।

कमीशन पर अंकुश लगेगा : शिल्पी नेहा तिर्की

कृषि पशुपालन एवं सहकारिता मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने कहा कि राज्य सरकार ने पहली बार पेसा नियमावली पर सुझाव लेने का इतना गंभीर प्रयास किया है, जिसमें विचार गोष्ठी में चार चार मंत्री शामिल हुए। उन्होंने नियमावली लागू करने से पहले दिलीप सिंह भूरिया कमेटी की रिपोर्ट का अध्ययन करने और उसमें की गयी अनुशंसाओं के अनुरूप नियमावली बनाने का सुझाव दिया। कहा कि पांचवीं अनुसूची के क्षेत्र में पेसा कानून के अमल से ही आदिवासियों का संरक्षणऔर विकास होगा। जब आदिवासी बचेंगे तो उस गांव में रहनेवाले दूसरे वर्ग और समुदाय के लोगों का भी भला होगा। उन्होंने आगे कहा कि आज स्थिति यह है कि गावों में मुखिया पेंशन स्वीकृति में पांच सौ रुपये और अबुआ आवास की स्वीकृति में 20 हजार रुपये तक कमीशन लिया जा रहा है। इस पर अंकुश लगेगा।

रांची को मिलेगी दो स्मार्ट सड़कों की सौगात

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने दी प्रस्ताव को मंजूरी

आजाद सिपाही संवाददाता

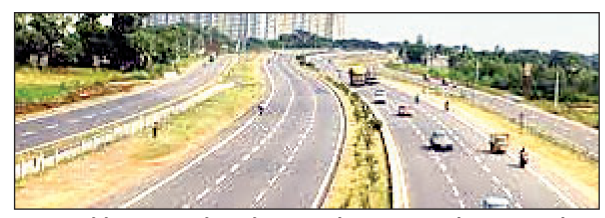

रांची। रांची की जनता को जल्द ही जाम की समस्या से राहत मिलने वाली है। शहर में 2 बड़ी स्मार्ट सड़कों के निर्माण का रास्ता साफ हो गया है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने इन दोनों सड़कों के निर्माण प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। पहली सड़क विवेकानंद स्कूल (पुरानी विधानसभा) से नयासराय रिंग रोड तक बनेगी। यह सड़क जगन्नाथपुर मंदिर के रास्ते से होकर गुजरेगी। करीब 8.2 किलोमीटर लंबी यह सड़क 6 लेन की एलिवेटेड स्मार्ट रोड होगी। इसमें करीब 300 करोड़ रुपये खर्च होंगे। साथ ही भूमि अधिग्रहण भी किया जायेगा।

वहीं दूसरी सड़क कटहल मोड़ चौक से जगन्नाथपुर मंदिर होते हुए वाया आलम चौक, साईं मंदिर से विधानसभा पेरिफेरी लिंक तक बनेगी। यह 4 लेन सड़क होगी, जिस पर 338 करोड़ रुपये खर्च होंगे। इन दोनों परियोजनाओं को अब राज्य योजना प्राधिकृत समिति के पास मंजूरी के लिए भेजा जायेगा। वहां से स्वीकृति मिलने के बाद इसे कैबिनेट में अंतिम मंजूरी के लिए रखा जायेगा। पथ निर्माण विभाग के प्रधान सचिव सुनील कुमार ने बताया कि इन सड़कों के बनने से रांची की ट्रैफिक समस्या काफी हद तक कम होगी।

एलिवेटेड सिक्स लेन सड़क वीआइपी और वीवीआइपी मूवमेंट के लिए काफी सहायक होगी। सड़क के दोनों तरफ दो लेन का सर्विस रोड भी बनेगा। रिंग रोड से शहर को सीधे जोड़ने में यह परियोजना अहम साबित होगी। इन स्मार्ट सड़कों से रांची को बेहतर यातायात व्यवस्था और तेज रफ्तार का तोहफा मिलेगा।

अतिक्रमण हटाने के विरोध में दुकानदार सड़क पर

मोरहाबादी मैदान से 50 से ज्यादा ठेला-खोमचा जब्त

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। शहर के मोरहाबादी मैदान में अतिक्रमण के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की गयी है। नगर निगम की टीम ने बुधवार की देर रात अभियान शुरू किया, इस दौरान 50 से ज्यादा ठेले और खोमचों को जब्त कर लिया। कई अवैध निर्माण को ध्वस्त भी कर दिया। इस दौरान निगम की टीम को भारी विरोध का सामना भी करना पड़ा। जैसे ही दुकानदारों को यह पता चला कि नगर निगम के द्वारा कार्रवाई की जा रही है, वे लोग मौके पर पहुंच गये और रात में ही जबरदस्त हंगामा किया। इसके बावजूद नगर निगम की टीम ने अपनी कार्रवाई पूरी की। इस कार्रवाई के दौरान महिला दुकानदार कई बार निगम की टीम के साथ भिड़ गयीं। विरोध के भी नगर निगम की टीम अपने काम में लगी रही।

गुरुवार सुबह होते ही दुकानदार सड़क पर उतर आये और मोरहाबादी मैदान को जाम कर दिया। इस दौरान कई बार हंगामा किया गया।

दुकानदारों का आरोप है कि उनकी रोजी-रोटी पर निगम द्वारा बड़ा प्रहार किया गया है। सिर्फ उनके ठेले ही नहीं, बल्कि सब्जी, फल और दूसरी तरह के कई सामान निगम के द्वारा नष्ट कर दिये गये। दुकानदारों का आरोप है कि बिना सूचना के यह कार्रवाई की गयी ।

लालपुर पुलिस ने हटाया जाम

जाम की सूचना पर लालपुर थानेदार रूपेश कुमार सिंह और टीओपी प्रभारी विकास दल बल के साथ मौके पर पहुंचे और दुकानदारों को समझा बुझा कर जाम हटाया। लालपुर थाना रूपेश कुमार सिंह ने बताया कि अतिक्रमण अभियान के दौरान यह कार्रवाई की गयी है। पूरी कार्रवाई निगम द्वारा की गयी है। फिलहाल दुकानदारों को समझा बुझा कर सड़क से जाम को हटा दिया गया है।

आज गिरिडीह में 'तिरंगा यात्रा' में शामिल होंगी केंद्रीय मंत्री अन्नपूर्णा देवी

गिरिडीह (आजाद सिपाही)। गिरिडीह के झंडा मैदान में 16 मई को भारतीय सेना के अभूतपूर्व सैन्य अभियान #OperationSindoor की सफलता के सम्मान में एक भव्य तिरंगा यात्रा का आयोजन किया जा रहा है। सुबह दस बजे से आयोजित इस गौरवशाली कार्यक्रम में कोडरमा लोकसभा सांसद एवं भारत सरकार की महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगी। इस अवसर पर बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, पूर्व सैनिक, सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि, छात्र-छात्राएं एवं आम नागरिक उपस्थित रहेंगे।

मथुरा महतो बने विधानसभा की विशेष समिति के संयोजक

रांची (आजाद सिपाही)। झारखंड विधानसभा के अध्यक्ष रबींद्र नाथ महतो ने धनबाद जिला अंतर्गत बीसीसीएल, एटी देवप्रभा एवं अन्य कंपनियों द्वारा राजस्व भूमि पर अवैध अतिक्रमण एवं रैयती भूमि पर ओबी हम्प को रोकने, पीड़ित ग्रामीणों को मुआवजा दिलाने एवं दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई से संबंधित विशेष समिति का गठन किया है। इस विशेष समिति का संयोजक सत्तारूढ़ दल के मुख्य सचेतक मथुरा प्रसाद महतो को बनाया गया है, जबकि सदस्य विधायक अरूप चटर्जी, राज सिन्हा, उमाकांत रजक ,चंद्रदेव महतो, सुदीप गुड़िया एवं धनंजय सोरेन को बनाया गया है। गठित समिति का कार्यकाल तीन माह है। इससे संबंधित अधिसूचना झारखंड विधानसभा सचिवालय ने जारी कर दी है।

चुनाव आयोग के ट्रेनिंग कार्यक्रम में शामिल होगा झारखंड का 402 सदस्यीय दल

के रवि कुमार ने प्रतिभागियों के साथ की ऑनलाइन मीटिंग

सभी स्टेकहोल्डर अपना पहचान पत्र अवश्य रख लें

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के रवि कुमार ने कहा है कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा देश के सभी राज्यों के निर्वाचन संबंधी पदाधिकारियों को नयी दिल्ली के इंडिया इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डेमोक्रेसी एंड इलेक्शन मैनेजमेंट (आइआइआइडीइएम) में ट्रेनिंग दी जा रही है। इसी क्रम में झारखंड के बीएलओ, वॉलेंटियर एवं बूथ अवेयरनेस ग्रुप (बीएजी) के साथ निर्वाचन से संबंधित 402 सदस्यीय टीम नयी दिल्ली स्थित आइआइआइडीइएम में 19 एवं 20 मई को आयोजित 2 दिवसीय कार्यशाला में भाग लेगी। उन्होंने कहा कि कार्यशाला में भाग लेने वाले सभी प्रतिभागियों के आवागमन, आवासन एवं भोजन की व्यवस्था सुनिश्चित की गयी है। प्रतिभागियों के साथ जा रहे लाइजनिंग ऑफिसर इसके समन्वयन का ध्यान रखें। साथ ही सभी स्टेकहोल्डर अपना पहचान पत्र अवश्य रख लें।

के रवि कुमार गुरुवार को निर्वाचन सदन में ऑनलाइन माध्यम से सभी संबंधित जिलों के उप निर्वाचन पदाधिकारियों एवं कार्यशाला में भाग लेनेवाले सभी प्रतिभागियों के साथ बैठक कर रहे थे।

के रवि कुमार ने कहा कि 19 मई को आइआइआइडीइएम में आयोजित कार्यक्रम में पहले दिन योगा, मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के साथ इंटरैक्शन, निर्वाचन संबंधी रोल प्ले, राष्ट्रीय स्तर के प्रशिक्षकों के द्वारा प्रशिक्षण, विभिन्न स्टेकहोल्डर की ओर से एक्सपीरियंस शेयरिंग आदि कार्यक्रम होंगे।

ऑनलाइन मीडिंग में शामिल हुए ये पदाधिकारी : इस अवसर पर पलामू के उपायुक्त शशि रंजन, धनबाद की उपायुक्त माधवी मिश्रा, संबंधित विधानसभा क्षेत्र के ईआरओ, संयुक्त मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी सुबोध कुमार, उप मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी सह उप सचिव देव दास दत्ता, सभी जिलों के उप निर्वाचन पदाधिकारी, आइआइआइडीइएम में आयोजित कार्यशाला में भाग लेने वाले झारखंड के बीएलओ, वालेंटियर एवं बूथ अवेयरनेस ग्रुप के प्रतिभागी उपस्थित थे।

20 मई को दिल्ली के प्रमुख संस्थानों का भ्रमण करेगी टीम

के रवि कुमार ने बताया कि 20 मई को टीम के सदस्य नयी दिल्ली के प्रमुख संस्थानों का भ्रमण करेंगे। इसके लिए 9 बसों की व्यवस्था की गयी है। उन्होंने बताया कि सभी प्रतिभागियों के लिए आइआइआइडीइएम में आवासन की व्यवस्था है। आइआइआइडीइएम द्वारा प्रतिभागियों को सर्टिफिकेट भी उपलब्ध करायी जायेगी। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के रवि कुमार ने कहा कि मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार जब झारखंड भ्रमण पर आये थे, तो उन्होंने यहां के वॉलेंटियर एवं बीएलओ के कार्यों की प्रशंसा की थी। मुख्य चुनाव आयुक्त के दिशा-निर्देश के अनुसार झारखंड के निर्वाचन से संबंधित विभिन्न स्टेकहोल्डर के कार्यों को आइआइआइडीइएम में आयोजित कार्यशाला के दौरान एक्सपीरियंस शेयरिंग होगी, जिसका डॉक्यूमेंटेशन कर अन्य राज्यों के प्रशिक्षण कार्यक्रम में इस्तेमाल होगा।

आजाद सिपाही | झारखंड में सबसे ज्यादा देखा जाने वाला चैनल
200000 Subscribers
VIEWERSHIP 5 Crore 90 lakh+
12 Crore + Watch Time (min)
YouTube Channel
Subscribe NOW

भाजपा के कार्यकर्ताओं ने पांच प्रमुख शहरों में तिरंगा यात्रा निकाली

'ऑपरेशन सिंदूर' मोदी सरकार की रणनीतिक दूरदृष्टि का प्रमाण: मरांडी

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। भाजपा के हजारों कार्यकर्ताओं ने आम लोगों के साथ ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के बाद सेना के मनोबल को बढ़ाने, उनके प्रति आभार प्रकट करने के लिए राजधानी रांची के बाद गुरुवार को राज्य के पांच प्रमुख शहरों में तिरंगा यात्रा निकाली। ये शहर जमशेदपुर, दुमका, धनबाद, मेदिनीनगर और हजारीबाग हैं। हजारीबाग की तिरंगा यात्रा में कार्यकारी अध्यक्ष डॉ रविंद्र कुमार राय, जमशेदपुर में पूर्व मुख्यमंत्री अर्जुन मुंडा, रघुवर दास, धनबाद में सांसद ढुल्लू महतो, विधायक राज सिन्हा, रागिनी सिंह, पलामू में प्रदेश महामंत्री मनोज कुमार सिंह, सांसद वीडी राम, विधायक आलोक चौरसिया, शशिभूषण मेहता, दुमका में पूर्व सांसद सुनील सोरेन सहित पार्टी के पदाधिकारी, कार्यकर्ता शामिल हुए।

राफेल और एस-400 की भूमिका

मरांडी ने कहा कि राफेल और एस -400 ऑपरेशन सिंदूर की रीढ़ बने। राफेल ने सर्जिकल प्रिसिशन से आतंकियों का खात्मा किया और एस -400 ने पाकिस्तान के सैकड़ों ड्रोन और मिसाइलों को सीमा पर ही ध्वस्त कर दिया।

आत्मनिर्भरता की दिशा में कदम

उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ने आत्मनिर्भरता को भी जमीन पर उतारा। इजरायली तकनीक को स्वदेशी कामिकाजे ड्रोन्स में बदला गया, जो अब देश में ही बनते हैं और 1000 किमी तक उड़ान भर सकते हैं।

ऑपरेशन सिंदूर पर एक्स के माध्यम से प्रदेश अध्यक्ष एवं नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर मोदी सरकार की रणनीतिक दूरदृष्टि, राजनीतिक साहस और वैश्विक कूटनीति का प्रमाण है। यह वह पल था जब भारत ने न केवल आतंक के खिलाफ निर्णायक जवाब दिया, बल्कि पाकिस्तान को सैन्य, कूटनीतिक और नैतिक रूप से पूरी तरह बेनकाब कर दिया, लेकिन इस ऐतिहासिक क्षण के पीछे एक लंबा संघर्ष और राजनीतिक जोखिम छिपा था जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने कांग्रेस की देशविरोधी राजनीति और अमेरिका की वैश्विक धमकियों को खुलेआम चुनौती दी। उन्होंने कहा कि जब कांग्रेस ने राफेल सौदे को रोकने के लिए देश को गुमराह किया, सुप्रीम कोर्ट तक मामला खींचा, और भ्रष्टाचार का झूठा शोर मचाया, तब मोदी जी ने चुनावी नुकसान का डर झेलते हुए भी देश की सुरक्षा को प्राथमिकता दी और राफेल डील पूरी की।

प्रधानमंत्री मोदी की भूमिका : मरांडी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 73 देशों की यात्राएं कर भारत की छवि को फिर से गढ़ा, पश्चिमी दुनिया की आंखों में आंख डालकर बात की और दुनिया के सबसे प्रभावशाली नेताओं के साथ अच्छे संबंध स्थापित किए। यही वजह थी कि इस बार पाकिस्तान को कोई वैश्विक समर्थन नहीं मिला।

नये भारत की घोषणा : मरांडी ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर इस बात की घोषणा है कि भारत अब सिर्फ प्रतिक्रिया नहीं देता, वह नियम तय करता है – और इस नये भारत के शिल्पकार हमारे प्रधानमंत्री हैं।

पीडब्ल्यू विद्यापीठ के छात्र यश राज ने 10वीं में 99.20% अंक प्राप्त किये

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची।। एजुकेशन कंपनी फिजिक्सवाला (पीडब्ल्यू) के टेक-सक्षम ऑफलाइन केंद्र पीडब्ल्यू विद्यापीठ ने अपने छात्र यश राज की सफलता का जश्न मनाया, जिन्होंने सीबीएसइ कक्षा 10वीं की बोर्ड परीक्षा 2025 में 99.20% अंक प्राप्त किये। झारखंड की राजधानी रांची के निवासी यश की यात्रा अत्यंत प्रेरणादायक है। अपनी सफलता के बारे में बात करते हुए यश ने कहा कि मैंने पढ़ाई को एक खेल बना दिया था। जो कुछ भी मुझे पढ़ना होता था, वह मेरे लिए एक गेम का लेवल बन जाता था और मेरा काम बस हर दिन तय संख्या में लेवल पूरे करना होता था, ताकि मेरी स्ट्रीक बनी रहे। पीडब्ल्यू विद्यापीठ के शिक्षकों ने मुझे अच्छी तरह पढ़ाया और उन्होंने जो रोजाना प्रैक्टिस प्रश्न दिये। वे मुझे एप्लिकेशन-बेस्ड सवालों को समय पर हल करने में मदद करते थे। सोशल मीडिया से ध्यान न भटके, इसलिए मैंने अपना निजी फोन तक नहीं रखा और केवल जरूरत पड़ने पर अपने माता-पिता का फोन इस्तेमाल करता था। अब जब मैंने रांची स्थित पीडब्ल्यू विद्यापीठ से नीट की तैयारी शुरू कर दी है, तो मेरे शिक्षक मुझे और भी प्रभावी अध्ययन रणनीतियां दे रहे हैं, और नीट टेस्ट सीरीज मेरी तैयारी को मजबूत करने और प्रदर्शन सुधारने में पहले से ही मदद कर रही है।

फिजिक्सवाला के संस्थापक, शिक्षक और सीइओ अलख पांडे ने कहा कि यश का परिणाम यह दर्शाता है कि नियमित प्रयास और सही संसाधनों का कितना महत्व होता है। पीडब्ल्यू में हम विभिन्न पृष्ठभूमियों के छात्रों को उनके शैक्षणिक लक्ष्यों की तैयारी में सहायता देने का प्रयास करते हैं।

बायोम संस्थान में पढ़नेवाले सिद्धार्थ को मिला 98.4 प्रतिशत अंक, झारखंड के टॉप स्कोर में बनायी जगह

संस्थान में पढ़नेवाले 20 से ज्यादा स्टूडेंट्स को बारहवीं में 90% से ज्यादा अंक

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। झारखंड सहित देश के दूसरे राज्यों में मेडिकल परीक्षा की तैयारी कराने वाली संस्थान बायोम के स्टूडेंट्स ने सीबीएसइ 12वीं बोर्ड की परीक्षा में भी उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। इसमें रांची केंद्र से पढ़ाई करने वाले सिद्धार्थ ने 98.4% अंक लाकर झारखंड के टॉप स्कोरर में अपनी जगह बनायी है। इसके अलावा 20 से ज्यादा छात्र-छात्राओं ने 90% से ज्यादा अंक प्राप्त किये हैं। इसमें कशिश ने 96%, श्रेया ने 95.4%, दिव्या ने 94.8 प्रतिशत, निखिल ने 94.4%, दिव्यांशु ने 94.2 प्रतिशत, स्नेही ने 93.6%, आर्यंस ने 92.2%, राघव ने 92%, संस्कृति ने 91.8 प्रतिशत, श्रुति ने 91.6 प्रतिशत अंक प्राप्त किये हैं। यह सभी छात्र-छात्राएं मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट यूजी 2025 की परीक्षा भी दिये हैं। बायोम संस्थान के डायरेक्टर पंकज सिंह ने बताया कि संस्थान में पढ़ने वाले छात्र-छात्राओं ने बोर्ड परीक्षा में बेहतरीन अंक प्राप्त कर पहला पड़ाव पार कर लिया है। जो नीट यूजी की परीक्षा में भी उत्कृष्ट प्रदर्शन करेंगे और देश के जाने-माने सरकारी मेडिकल कॉलेज में अपनी जगह बनायेंगे। उनकी सफलता का श्रेय उनकी कड़ी मेहनत और बायोम संस्थान के शिक्षकों के उचित मार्गदर्शन को जाता है। जहां पर स्टूडेंट्स के डाउट को तुरंत दूर कर उनमें आत्मविश्वास जागने का काम किया गया है। यहां के शिक्षकों ने लगातार टेस्ट लेकर उनकी गलतियों का बताने और सुधारने का काम किया। उनकी तैयारी को बेहतर करने का काम किया गया। समय-समय पर छात्र-छात्राओं की काउंसलिंग भी की जाती रही, ताकि मानसिक तनाव से दूर रहें।

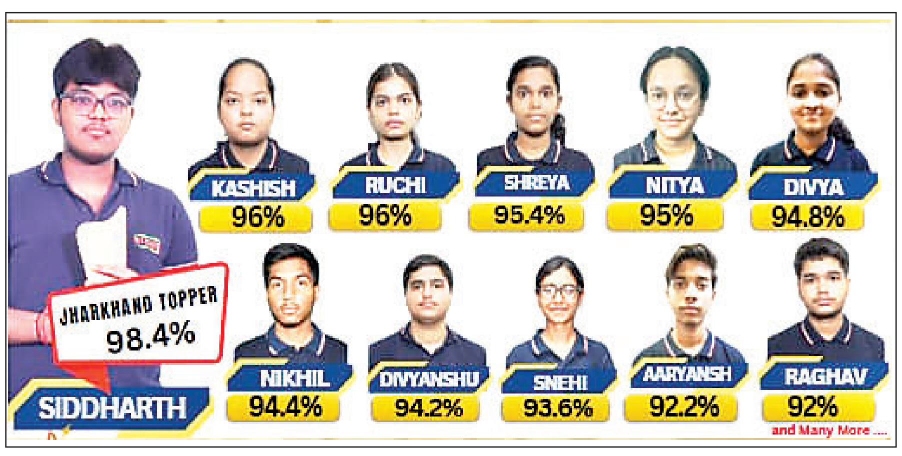

मस्ती और ठंडक का अनोखा संगम : सेक्रेड चाइल्ड एकेडमी में रेन डांस पार्टी आयोजित

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। गुरुवार को सेक्रेड चाइल्ड एकेडमी ने बच्चों के लिए परिसर में एक रेन डांस पार्टी का आयोजन किया, ताकि गर्मी के मौसम से एक ताजा ब्रेक मिल सके और एक आनंददायक अनुभव प्रदान किया जा सके। इस कार्यक्रम में बच्चों ने पानी की फुहारों में नाचते हुए जमकर मस्ती की। बच्चों ने बड़े उत्साह के साथ भाग लिया। स्कूल प्रशासन ने सभी बच्चों की सुरक्षा और व्यवस्थाओं का ध्यान रखा। इस कार्यक्रम ने छोटे बच्चों के चेहरे पर मुस्कान, उत्साह और आनंद ला दिया, जो न केवल गर्मी से राहत दिलाता है, बल्कि उन्हें आपस में जुड़ने और खुद को व्यक्त करने का अवसर भी प्रदान करता है। यह सभी के लिए एक यादगार और मजेदार सीखने का अनुभव बन गया। प्रिंसिपल रत्नम होरो ने कहा कि ऐसी गतिविधियां बच्चों में आत्मविश्वास और सामाजिक बंधन को बढ़ावा देती हैं। हम उनके सर्वांगीण विकास को समर्थन देने के लिए इस तरह के रचनात्मक कार्यक्रमों का आयोजन जारी रखेंगे। रेन डांस पार्टी ने बच्चो के लिए स्थायी यादें बनायीं और आनंद और मनोरंजन के माध्यम से सीखने का एक आदर्श उदाहरण पेश किया।

रेलवे सुरक्षा बल को बोलेरो, कैमरा और मोबाइल फोन मिला

हाजीपुर (आजाद सिपाही)। महाप्रबंधक छत्रसाल सिंह द्वारा रेलवे सुरक्षा बल के मानव तस्करी विरोधी इकाई को बेहतर प्रदर्शन हेतु 8 बोलेरो गाड़ी, 22 कैमरा एवं 44 मोबाइल फोन प्रधान मुख्य सुरक्षा आयुक्त अमरेश कुमार तथा मुख्य सुरक्षा आयुक्त के उपस्थिति में मंडलों को वितरित किया गया।

विदित हो कि मानव तस्करी के विरुद्ध किये गये कार्यो को देखते हुए गृह मंत्रालय द्वारा रेलवे सुरक्षा बल की गठित मानव तस्करी के विरुद्ध इकाई के बेहतर प्रदर्शन के लिए फंड प्रदान किया गया था। इस फंड का उपयोग करते हुए 8 बोलेरो गाड़ी, 22 कैमरा एवं 44 मोबाइल फोन का क्रय किया गया था। इन 8 बोलेरो में से दानापुर, धनबाद, सोनपुर तथा डीडीयू को 1-1 तथा समस्तीपुर एवं मुख्यालय को 2-2 गाड़ी तथा 22 कैमरों में से दानापुर को 2, धनबाद को 6, सोनपुर को 4, डीडीयू को 4 एवं समस्तीपुर को 6 कैमरों का वितरण किया गया। इसी प्रकार 44 मोबाइल फोन में से दानापुर को 4, धनबाद को 11, सोनपुर को 8, डीडीयू को 8, समस्तीपुर को 11 तथा मुख्यालय को 2 मोबाइल फोन का वितरण किया गया।

वाइबीएन विवि में हिंदी विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। वाइबीएन विश्वविद्यालय रांची के बहुउद्देशीय सभागार में गुरुवार को 'राजभाषा नियम, अधिनियम संविधान में हिंदी और राष्ट्रीय शिक्षा नीति' विषयक के राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। सर्वप्रथम दीप प्रज्वलित कर संस्था के अध्यक्ष रामजी यादव और आगत अतिथियों ने कार्यक्रम का उद्घाटन किया। उद्घाटन भाषण में संस्था के अध्यक्ष महोदय ने कहा कि हिंदी जन-जन की भाषा है, जो सीधे-सीधे हृदय में उतरती है। इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के छात्र-छात्राओं द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम का भी आयोजन हुआ, जिसमें डॉ रूपा सिन्हा ने अपने स्वागत गीत के जरिये सभागार का मन जीत लिया। इस अवसर पर साहित्यिक परिचर्चा भी हुई। मुख्य अतिथि वीरेंद्र कुमार यादव, सदस्य हिंदी सलाहकार समिति, भारत सरकार ने अपने उद्बोधन में कहा कि हिंदी को राष्ट्रभाषा बनाने की जरूरत है। कार्यक्रम का आयोजन कला एवं मानविकी विभाग ने किया।

इस कार्यक्रम में डॉ जंग बहादुर पांडे, कुलपति थावे विद्यापीठ, गोपालगंज में अपने कर कमलों से संस्था के उपलब्धिपति रामजी यादव को डी-लिट की उपाधि प्रदान की। अध्यक्षीय भाषण में कुलपति डॉ सत्यदेव पोद्दार ने हिंदी की महत्ता को समझाया और आगत अतिथि डॉ बीएन सिंह ने भी अपने शब्दों से हिंदी की विशेषताओं से छात्र-अध्यापकों को अवगत कराया।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलाधिपति, कुलपति, उप कुलपति, कुलसचिव, परीक्षा नियंत्रक, सभी विभागों के डीन, सभी विभागों के अध्यक्ष एवं प्रोफेसर और शिक्षा शास्त्र महाविद्यालय के डॉ सुभाशीष सिन्हा, डॉ संदीप आनंद और संगीता गोप और अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। मंच का संचालन हिंदी विभाग के विभाग अध्यक्ष डॉ संजय कुमार ने किया। सुरभि प्रसाद और दिव्या अजर कुजूर ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

सीएमपीडीआइ के रिश्वतरोधी प्रबंधन प्रणाली लाइसेंस को जारी रखने की अनुशंसा की गयी

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। सेंट्रल माइन प्लानिंग एंड डिजाइन इंस्टीच्यूट (सीएमपीडीआइ) को अपने मुख्यालय, रांची में रिश्वत रोधी प्रबंधन प्रणाली (एबीएमएस) के निगरानी ऑडिट के सफलतापूर्वक पूरा होने के बाद आइएस/आइएसओ 37001:2016 मानक के अनुसार संस्थान के रिश्वत रोधी प्रबंधन प्रणाली (एबीएमएस) लाइसेंस को जारी रखने के लिए अनुशंसित किया गया है। यह ऑडिट 14 और 15 मई को भारतीय मानक ब्यूरो (बीआइएस) के लेखा परीक्षक द्वारा किया गया। लेखा परीक्षक ने सीएमपीडीआइ के महाप्रबंधक (विद्युत एवं यांत्रिकी) सुदर्शन प्रसाद और संस्थान के रिश्वत रोधी अनुपालन टीम के प्रमुख को एबीएमएस की निरंतरता का प्रमाण-पत्र सौंपा।

सीएमपीडीआइ आइएसओ 37001:2016 प्रमाणन प्राप्त करने वाली कोल इंडिया लिमिटेड की एकमात्र अनुषंगी कंपनी है। ऑडिट का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना था कि सीएमपीडीआइ के एबीएमएस का कार्यान्वयन आइएसओ 37001:2016 अंतर्राष्ट्रीय मानक की आवश्यकताओं के अनुरूप कायम रहे तथा यह पूरे संगठन में प्रभावी रूप से कार्यान्वित और अनुरक्षित हो। दो-दिवसीय आकलन के दौरान सीएमपीडीआइ के विभिन्न विभागों और कार्यों का गहन मूल्यांकन किया गया और पाया कि संगठन की रिश्वत रोधी प्रबंधन प्रणाली उपरोक्त मानक की आवश्यकताओं के अनुरूप है तथा नीति और उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए प्रभावी रूप से कार्यान्वित की गयी है। यह प्रमाणन इस बात का परिणाम है कि सीएमपीडीआइ ने अपने व्यवसाय के दौरान रिश्वतखोरी के संभावित जोखिमों को समाप्त करने के लिए ईमानदार उपायों को लागू किया है। आइएसओ 37001 रिश्वत रोधी प्रबंधन प्रणाली प्रमाणन को अपनाने और उसका अनुपालन करने से संगठन को एक व्यवहार्य रिश्वत रोधी प्रबंधन कार्यक्रम को लागू करके नैतिक व्यावसायिक आचरण में सम्बद्ध होने की अनुमति मिलती है। आइएसओ रिश्वत रोधी प्रबंधन प्रणाली रिश्वतखोरी जोखिमों की पहचान और व्यवहार्य रिश्वत जोखिम प्रबंधन प्रथाओं के निर्माण में एक शिक्षाप्रद और संपूर्ण मार्गदर्शिका के रूप में कार्य करती है। रिश्वतखोरी रोधी प्रबंधन प्रणाली प्रबंधन, कर्मियों और अन्य हितधारकों के बीच यह विश्वास बढ़ाती है कि संगठन रिश्वतखोरी और भ्रष्टाचार को रोकने के लिए अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त और स्वीकृत प्रक्रियाओं का सक्रिय रूप से पालन कर रहा है। आइएसओ 37001 रिश्वतखोरी रोधी प्रबंधन प्रणाली द्वारा अनुशंसित उचित परिश्रम और आंतरिक जांच प्रक्रियाएं किसी संगठन को यह दिखाने के लिए प्रमाण (सबूत) पेश करने की अनुमति देती है कि उसने रिश्वतखोरी और भ्रष्टाचार को रोकने के लिए उचित कदम उठाये हैं।

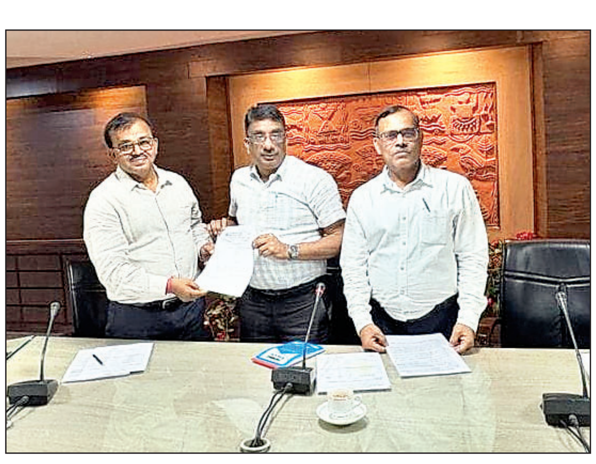

रांची रेल मंडल ने स्टेशनों पर प्याऊ की व्यवस्था की

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। रांची रेल मंडल यात्रियों को और बेहतर एवं सुविधाजनक यात्रा अनुभव प्रदान करने के लिए निरंतर प्रतिबद्ध है। यात्रियों की सुविधा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए मंडल का यह प्रयास रहता है कि न केवल प्रमुख स्टेशनों पर, बल्कि ग्रामीण और उप-शहरी क्षेत्रों के छोटे-छोटे स्टेशनों पर भी आवश्यक मूलभूत सुविधाएं सुलभ करायी जायें। इसी क्रम में ग्रीष्म ऋतु की प्रचंड गर्मी को ध्यान में रखते हुए रांची रेल मंडल द्वारा यात्रियों की सुविधा हेतु बालसिरिंग, लोधमा, कर्रा, गोविंदपुर रोड, बकसपुर, पिसका एवं पोकला सहित कई छोटे स्टेशनों पर प्याऊ (पेयजल केंद्र) स्थापित किये गये हैं। इन प्याऊ केंद्रों के माध्यम से यात्रियों को अब इन स्टेशनों पर भी शुद्ध, शीतल एवं निःशुल्क पेयजल की सुविधा का एक अतिरिक्त विकल्प उपलब्ध होगा। साथ ही भीषण गर्मी को देखते हुए यात्रियों के लिए ORS की व्यवस्था इन प्याऊ केंद्रों में की गयी है। यह पहल विशेष रूप से उन यात्रियों के लिए लाभकारी सिद्ध होगी, जो इन छोटे स्टेशनों से यात्रा करते हैं और जहां स्टेशनों के आसपास आमतौर पर सीमित सुविधाएं उपलब्ध रहती हैं। इन प्याऊ केंद्रों से महिलाएं, बच्चे, वृद्धजन तथा दिव्यांगजन विशेष रूप से इस निःशुल्क एवं सुरक्षित सेवा का लाभ ले रहे हैं। ये प्याऊ केंद्र पूरे ग्रीष्मकाल के दौरान यात्रियों को निःशुल्क और निरंतर पेयजल सेवा प्रदान करता रहेगा, जिससे यात्रियों को इसका लाभ मिलेगा।

आजाद सिपाही | झारखंड में सबसे ज्यादा देखा जाने वाला चैनल
200000 Subscribers
VIEWERSHIP 5 Crore 90 lakh+
12 Crore + Watch Time (min)
YouTube Channel
Subscribe NOW

राष्ट्रपति ने सुप्रीम कोर्ट से पूछे ये 14 सवाल

1. अनुच्छेद 200 से जुड़ा है। यह अनुच्छेद राज्यपाल को बिल पर निर्णय लेने की शक्ति देता है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू पूछती हैं कि जब कोई बिल राज्यपाल के पास आता है, तो उनके पास क्या संवैधानिक विकल्प होते हैं?

2. क्या राज्यपाल मंत्रिपरिषद की सलाह मानने के लिए बाध्य हैं। जब वे अनुच्छेद 200 के तहत अपने विकल्पों का इस्तेमाल करते हैं, तो क्या उन्हें हमेशा मंत्रिपरिषद की बात माननी चाहिए?

3. राज्यपाल के विवेकाधिकार से जुड़ा है। राष्ट्रपति जानना चाहते हैं कि क्या अनुच्छेद 200 के तहत राज्यपाल जो फैसले लेते हैं, उनकी न्यायिक समीक्षा हो सकती है या नहीं? क्या अदालतें उन फैसलों पर सवाल उठा सकती हैं?

4. अनुच्छेद 361 से संबंधित है। यह अनुच्छेद राष्ट्रपति और राज्यपाल को कुछ मामलों में कानूनी कार्रवाई से सुरक्षा देता है। राष्ट्रपति पूछती हैं कि क्या अनुच्छेद 361, अनुच्छेद 200 के तहत राज्यपाल के कार्यों की न्यायिक समीक्षा पर पूरी तरह से रोक लगाता है?

5. समय सीमा से जुड़ा है। संविधान में राज्यपाल द्वारा शक्तियों के प्रयोग को लेकर कोई समय सीमा नहीं दी गई है। राष्ट्रपति पूछती हैं कि क्या अदालतें न्यायिक आदेशों के माध्यम से समय सीमा तय कर सकती हैं? क्या वे यह भी बता सकती हैं कि राज्यपाल को अनुच्छेद 200 के तहत अपनी शक्तियों का प्रयोग कैसे करना चाहिए?

6. राष्ट्रपति के विवेकाधिकार से जुड़ा है। अनुच्छेद 201 के तहत राष्ट्रपति के विवेकाधिकार की न्यायिक समीक्षा हो सकती है या नहीं।

7. संविधान में राष्ट्रपति द्वारा शक्तियों के प्रयोग के लिए कोई समय सीमा नहीं दी गयी है। राष्ट्रपति पूछती हैं कि क्या अदालतें न्यायिक आदेशों के माध्यम से समय सीमा तय कर सकती हैं? क्या वे यह भी बता सकती हैं कि राष्ट्रपति को अनुच्छेद 201 के तहत अपनी शक्तियों का प्रयोग कैसे करना चाहिए?

8. अनुच्छेद 143 से संबंधित है। यह अनुच्छेद राष्ट्रपति को सुप्रीम कोर्ट से सलाह लेने की शक्ति देता है। राष्ट्रपति पूछती हैं कि क्या प्रेसीडेंट को सुप्रीम कोर्ट से सलाह लेनी चाहिए जब राज्यपाल किसी बिल को राष्ट्रपति की सहमति के लिए आरक्षित करते हैं?

9. न्यायिक समीक्षा से जुड़ा है। राष्ट्रपति पूछते हैं कि क्या राज्यपाल और राष्ट्रपति के फैसले, कानून बनने से पहले ही न्यायिक समीक्षा के अधीन हो सकते हैं? क्या अदालतें बिल के कानून बनने से पहले ही उस पर विचार कर सकती हैं?

10. अनुच्छेद 142 से संबंधित है। यह अनुच्छेद सुप्रीम कोर्ट को व्यापक शक्तियां देता है। राष्ट्रपति पूछते हैं कि क्या अनुच्छेद 142 के तहत राष्ट्रपति या राज्यपाल के संवैधानिक कार्यों और आदेशों को बदला जा सकता है?

11. राज्यपाल की सहमति से जुड़ा है। राष्ट्रपति पूछते हैं कि क्या राज्य विधानमंडल द्वारा बनाया गया कानून, राज्यपाल की सहमति के बिना लागू हो सकता है?

12. अनुच्छेद 145(3) से संबंधित है। यह अनुच्छेद कहता है कि संविधान की व्याख्या से जुड़े महत्वपूर्ण मामलों की सुनवाई कम से कम पांच जजों की बेंच द्वारा की जानी चाहिए। राष्ट्रपति पूछते हैं कि क्या सुप्रीम कोर्ट की किसी भी बेंच के लिए यह अनिवार्य नहीं है कि वह पहले यह तय करे कि मामला संविधान की व्याख्या से जुड़ा है या नहीं? और क्या इसे कम से कम पांच जजों की बेंच को भेजा जाना चाहिए?

13. अनुच्छेद 142 के तहत सुप्रीम कोर्ट की शक्तियों से जुड़ा है। राष्ट्रपति पूछते हैं कि क्या सुप्रीम कोर्ट की शक्तियां केवल प्रक्रियात्मक कानून के मामलों तक सीमित हैं? या क्या अनुच्छेद 142 रउ को ऐसे निर्देश जारी करने या आदेश पारित करने की अनुमति देता है जो संविधान या कानून के मौजूदा प्रावधानों के विपरीत हों?

14. सुप्रीम कोर्ट के अधिकार क्षेत्र से जुड़ा है। राष्ट्रपति पूछते हैं कि क्या संविधान सर्वोच्च अदालत को केंद्र सरकार और राज्य सरकारों के बीच विवादों को सुलझाने से रोकता है, सिवाय अनुच्छेद 131 के तहत मुकदमे के?

नशाखुरानी गिरोह के दो लोगों को पुलिस ने पकड़ा

- पटना से रांची आने के क्रम में लोगों को नशे की दवा देकर करता था लूट

आजाद सिपाही संवाददाता

बरही / रांची। बरही थाना क्षेत्र में गुरूवार की सुबह पटना से हजारीबाग आ रही हेमकुंड बस से दो लोगों को पुलिस ने गिरफ्तार किया। उसके पास नशा खुरानी के सभी उपकरण मौजूद थे। कोल्ड ड्रिंक की बोतलों के साथ नशे की कई दवाइयां पुलिस ने जब्त की।

बता दें कि बिते दिनों रांची बस स्टैंड में एक युवक को पटना से रांची आने के क्रम में उन लोगों ने उसे नशे की दवा देकर बेहोश कर दिया। उसके पास से करीब तीन लाख रुपये अंगूठी और सोने की चेन उड़ा ली। इसके बाद उसे नशे की हालत में रांची के सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया था। पुलिस के सीसीटीवी फुटेज से पता चला कि वे दोनों युवक किसी न किसी बस से पटना बस स्टैंड से हजारीबाग रांची के लिए आते-जाते रहते हैं। पुलिस कई दिनों से जाल बिछा कर उनकी तलाश करती थी। पुलिस को सूचना मिली की दोनों युवक हेमकुंड बस में सवार होकर हजारीबाग की ओर जा रहे हैं। पुलिस ने औचक छापामारी कर दोनों युवकों को पकड़ा और कड़ी पूछताछ की। दोनों युवक वैशाली जिला बिहार का बताया जाता है। उन्होंने घटना में संलिप्त होने की पूरी बात बतायी। पुलिस ने उसके पास से कई तरह की दवाइयां जब्त की पुलिस ने मामला दर्ज कर उसे जेल भेज दिया।

देवर्षि नारद जयंती और पत्रकार सम्मान समारोह का आयोजन

- बिरसा हुंकार पत्रिका के नव स्वरूप का लोकार्पण भी हुआ

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। विश्व संवाद केंद्र, झारखंड द्वारा गुरुवार को को देवर्षि नारद जयंती सह पत्रकार सम्मान समारोह एवं बिरसा हुंकार पत्रिका नये स्वरूप में लोकार्पण का आयोजन रांची कॉलेज परिसर स्थित आर्यभट्ट सभागार में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में पत्रकारिता के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए देवर्षि नारद पत्रकार सम्मान-2025 तीन श्रेणियों में प्रदान किये गये। वरिष्ठ पत्रकार श्रेणी सीताराम पाठक, महिला पत्रकार की श्रेणी में लता रानी और नवोदित पत्रकार बीरबल यादव को यह सम्मान प्रदान किया गया। साथ ही, विभिन्न स्थानों से आये पत्रकारों को भी प्रतीक चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की जागरण पत्रिका बिरसा हुंकार के नव स्वरूप का लोकार्पण भी किया गया। पत्रिका की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए बिरसा सेवा स्मृति न्यास के अध्यक्ष राजेंद्र मिश्र ने कहा कि यह पत्रिका झारखंड की जनजातीय संस्कृति, सामाजिक चेतना एवं राष्ट्र निर्माण के कार्यों की एक सशक्त अभिव्यक्ति है।

मुख्य वक्ता के रूप में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख सुनील आंबेकर ने कहा कि वर्तमान समय में जब सूचनाओं का प्रवाह बिना सत्य और तथ्य की पुष्टि के हो रहा है, ऐसे में देवर्षि नारदजी के संवाद कौशल से पत्रकारों को सीख लेनी चाहिए। उन्होंने कहा कि भारत की मीडिया की जिम्मेदारी ऐसे मौके पर और भी बढ़ जाती है, ताकि समाज तक सत्य पहुंच सके।

मुख्य अतिथि के रूप में विकास भारती के सचिव पद्मश्री अशोक भगत ने कहा कि आज सकारात्मकता पत्रकारिता की आवश्यकता है। विशिष्ट अतिथि क्षेत्र संघचालक देवव्रत पाहन, विश्व संवाद केंद्र अध्यक्ष रामावतार नारसरिया तथा बिरसा सेवा स्मृति न्यास अध्यक्ष राजेंद्र मिश्र ने भी अपने विचार साझा किये। अंत में रामावतार नारसरिया ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया और वंदे मातरम् गीत के साथ समारोह का समापन हुआ।डॉ अजीत कुमार, डॉ तपन शांडिल्य,करमवीर सिंह,राकेश लाल, धनंजय सिंह, डॉ सुभाष यादव, संजय जैन, मयूर मिश्र, जिज्ञासा ओझा, प्रतिष्ठा सिंह, मनोज भारद्वाज, सुषमा कुमारी, संजीव गोस्वामी, विवेक सिंह, दीपक पांडेय, बिनायक मिश्र, पंकज वत्सल, चंदन मिश्र, डॉ गोपाल पाठक, डॉ मयंक मुरारी, शशांक राज, भानु जालान, राजीव कमल बिट्टू, विजय घोष, प्रशांत पल्लव, रवि प्रकाश, रोहित शारदा, निलेश कुमार, डॉ सतहिश मिड्ढा, धनंजय पाठक, प्रकाश, विकास कुमार ने अपनी उपस्थिति दी।

भाकृअनुप-केन्द्रीय चावल अनुसंधान संस्थान
कटक (ओडिशा)-753006, भारत
ICAR-CENTRAL RICE RESEARCH INSTITUTE
CUTTACK (ODISHA)-753006, INDIA
विज्ञापन संख्या / Advertisement No.: 01/YP-II/2025-26 दिनांक / Date: 15.05.2025
प्रत्यक्ष साक्षात्कार हेतु सूचना / Notice for Walk-In-Interview
प्रधान अन्वेषक, ईएपी-215 योजना के तहत सभी योग्य उम्मीदवारों को एक (01) यंग प्रोफेशनल-II के चयन हेतु भाकृअनुप-कें.चा.अनु.सं., कटक, ओड़िशा में वॉक-इन इंटरव्यु हेतु आमंत्रित करते है। अधिक जानकारी के लिए कृपया भाकृअनुप-कें.चा.अनु.सं., की वेबसाइट: https://icar-nrri.in/walk-in-intervew पर जाएं।
PI of the project EAP-215, invites all the eligible candidates for Walk-in Interview for the post of one (01) Young Professional-II at ICAR-CRRI, Cuttack, Odisha. For further details please visit to ICAR-CRRI website: https://icar-nrri.in/walk-in-intervew.
प्रधान अन्वेषक / PRINCIPAL INVESTIGATOR

राज्य में पेसा लागू करने से पहले दूसरे राज्यों में लागू प्रावधानों का अध्ययन करें: के राजू

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। प्रदेश कांग्रेस प्रभारी के राजू ने कहा है कि पेसा लागू करने के लिए झारखंड राज्य पंचायती अधिनियम में सुधार करना आवश्यक है। नया कानून बनाने से पहले ग्रासरूट लेवल पर जाकर सुझाव लें। महत्वपूर्ण सुझावों को समाहित करते हुए ड्राफ्ट में सुधार करें। झारखंड में पेसा लागू होने में पहले से 29 वर्ष विलंब हो चुका है। यहां लागू होने वाला पेसा कानून देश के दूसरे राज्यों के लिए भी उदाहरण बनेगा। इसलिए कोई हड़बड़ी न करें। के राजू गुरुवार को पंचायती राज विभाग के संशोधित औपबंधिक पेसा नियमावली 2024 के ड्राफ्ट पर रांची के एक होटल में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यशाला में विचार रख रहे थे। राजू ने कहा कि राज्य में पेसा लागू करने से पहले दूसरे राज्यों में लागू प्रावधानों का अध्ययन करें। उनके अनुभवों का लाभ उठायें। वन अधिकार अधिनियम भी इसमें शामिल करें। पेसा की मूल भावना पारंपरिक ग्राम सभा को शासन देना है। इसमें कोई हिचक नहीं होनी चाहिये भूमि अधिग्रहण में ग्राम सभा की सहमति जरूरी है। मौके पर विधायक राजेश कच्छप ने कहा कि पेसा में राज्य व गांव के संसाधनों को अलग-अलग करना है। जनजातीय स्वभाव को कायम रखने के लिए कानून बनाया गया है। अबुआ सरकार राज्य के आम लोगों की सरकार है। सबकी भावनाओं का ख्याल रखते हुए ही राज्य में पेसा लागू किया जायेगा। जेवियर कुजूर ने कहा कि राज्य में लागू खनन, भूमि अधिग्रहण के नियमों में व्यापक बदलाव की जरूरत है। इतिमल कंडुलना ने कहा कि ग्राम सभा को शक्तियां नहीं दी जा रही है। ड्राफ्ट फर्जी ग्राम सभा की नींव डालने जैसा है। दीपक बाड़ा ने ड्राफ्ट को संकुचित मानसिकता से तैयार किया गया बताया।

कार्यशाला में सुरेश चंद्र सोरेन, एलिना होरो, जेम्स हेरेंज, परमानंद सोरेन, सुषमा असुर व सुधीर पाल ने भी विचार रखे। ग्लैडसन डुंगडुंग ने कहा कि पेसा पर तैयार किया गया ड्राफ्ट पुरखों की व्यवस्था पर गांधी का ग्राम स्वराज थोपने का प्रयास है।

सामाजिक कार्यकर्ता दयामनी बारला ने कहा कि पंचायती राज में पेसा लागू करना बिल्कुल सही नहीं है। ड्राफ्ट में जमीन अधिग्रहण कानून 2015 लागू करने की बात की गयी है। जबकि, पेसा में बिना ग्राम सभा की अनुमति के लिए जमीन अधिग्रहण नहीं किया जा सकता है। पेसा में धरती के नीचे से लेकर पहाड़, हरियाली व शुद्ध हवा तक पर आदिवासियों को हक दिया गया है। विक्टर मालतो ने कहा कि पेसा लागू करते समय ग्राम सभा का अर्थ सार्थक रखना होगा।

पेज 01 का शेष

शराब की खुदरा बिक्री अब...

एक व्यक्ति या ग्रुप को किसी जिले में अधिकतम चार-चार ग्रुप के दुकानों को आवंटित किया जायेगा। एक ग्रुप में एक से चार तक दुकान होगी, अर्थात एक जिले में किसी व्यक्ति को अधिकतम 12 दुकानें मिल सकेंगी। वहीं पूरे राज्य में उसे व्यक्ति या फर्म को अधिकतम 36 दुकानें मिलेंगी। वर्तमान में शराब का खुदरा और थोक बिक्री की जिम्मेदारी कॉरपोरेशन की थी।

बुजुर्गों का होगा स्वास्थ्य बीमा: राज्य में 70 वर्ष से अधिक उम्र के नागरिकों को पांच लाख रुपये तक के स्वास्थ्य बीमा की सुविधा दी जायेगी। ऐसे परिवारों की संख्या लगभग 84 हजार 518 है। यह सुविधा 'आयुष्मान वय वंदन योजना' के तहत दी जायेगी। यह योजना आयुष्मान भारत मुख्यमंत्री जन आरोग्य योजना का हिस्सा होगी। राज्य सरकार ने निजी मेडिकल, इंजीनियरिंग और अन्य प्रोफेशनल कॉलेजों की मनमानी फीस पर रोक लगाने के लिए 'झारखंड प्रोफेशनल एजुकेशनल इंस्टीट्यूशंस (फीस नियंत्रण) बिल, 2025' पास किया है। अब छात्रों को उचित फीस पर पढ़ाई का मौका मिलेगा।

कारखाना में अब 125 घंटे ओवर टाइम: कक्षा 9 से 12 तक के सरकारी स्कूलों में प्राचार्य, आचार्य और गैर-शिक्षण कर्मचारियों की भर्ती और सेवा शर्तों को लेकर नयी नियमावली मंजूर की गयी है। कारखाना संशोधन अधिनियम में संशोधन को मंजूरी दी गयी। अब कारखाना में काम करने वाले कर्मियों को तीन माह में 75 घंटे की जगह 125 घंटे का ओवर टाइम मिल सकेगा। एनसीसी कैडेटों के भोजन भत्ते में वृद्धि की गयी है। अब उन्हें 150 की जगह 210 रुपये मिलेंगे।

कैबिनेट के अन्य फैसले

- मधुपुर शहरी जलापूर्ति योजना के लिए कुल 76 करोड़ रुपये की राशि आवंटित करने की मंजूरी।
- विश्व बैंक संपोषित झारखंड म्युनिसिपल डेवलपमेंट प्रोजेक्ट के तहत 10 करोड़ रुपये की राशि के आवंटन की मंजूरी।
- सेवानिवृत लिपिकों की सेवा नियमित करते हुए उन्हें अनुमान्य वित्तीय लाभ प्रदान किये जाने की स्वीकृति दी गयी।
- सरकारी कार्यक्रम उड़ान के लिए मनोनयन के आधार पर विमान सेवा का अवधि विस्तार किया गया।
- गिरिडीह के बड़कीटांड-तीनपलली-डोकीडीह-गिरनिया मोड़ पथ निर्माण कार्य के लिए 55 करोड़ रुपये की मंजूरी।
- हजारीबाग के शेख भिखारी चिकित्सा महाविद्यालय, दुमका के फूलो-झानो चिकित्सा महाविद्यालय और पलामू के मेदिनीराय चिकित्सा महाविद्यालय के लिफ्ट के रखरखाव के प्रस्ताव को मंजूरी।
- कारखाना संशोधन विधेयक को स्वीकृति।
- पूरक पोषाहार के तहत वितरण एजेंसी के अवधि विस्तार की मंजूरी।
- नये जेल मनुअल को स्वीकृति मिली।

अपना घर आश्रम में मंदबुद्धि निराश्रित को कराया भोजन

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। मंगल राधिका सदानंद सेवाधाम पुंदाग के प्रांगण में सद्गुरु कृपा अपना घर आश्रम में गुरुवार को विश्वनाथ मोदी के सौजन्य से आश्रम में रह रहे 37 मंदबुद्धि दिव्यांग निराश्रित प्रभुजी को भोजन कराया गया। अपना घर आश्रम के प्रवक्ता सह मीडिया प्रभारी संजय सर्राफ ने बताया कि 19 अप्रैल से 15 मई तक 27 दिनों मे 4590 निराश्रित प्रभुजी के बीच अन्नपूर्णा सेवा भोजन प्रसाद का वितरण किया गया। अपना घर में सुशील ड्रोलिया, दीनबंधु कुमार, वैभव कुमार, कंचन देवी, महादेव शिव शंकर, दिलीप गुप्ता, सुषमा त्रिवेदी, निर्मल छावनिका, ललिता पोद्दार, अजय गोयनका, अमित कुमार, सुधा अग्रवाल, कृष्ण राजगढ़िया, ममता गोयल, सुरेश महतो, अशोक कुमार, सुरेश चंद्र अग्रवाल, नंदकिशोर चौधरी, प्रशांत गुप्ता, राजकुमार अग्रवाल, रमेश अग्रवाल, पुरुषोत्तम अग्रवाल, मीरा अडूकिया अभिषेक कुमार, ओमप्रकाश अडुकिया, डॉ सुभाष पोद्दार, वेंकट गाड़ोदिया के सौजन्य से सभी निराश्रित प्रभुजी को भोजन प्रसादी खिलाकर सेवा की गयी। अन्नपूर्णा सेवा के पुनीत कार्य में ट्रस्ट के अध्यक्ष डुंगरमल अग्रवाल, उपाध्यक्ष निर्मल जालान, राजेंद्र प्रसाद अग्रवाल सचिव मनोज कुमार चौधरी, निर्मल छावनिका, सज्जन पाड़िया, पुर्णमल सर्राफ, शिव भगवान अग्रवाल, सुरेश अग्रवाल, नंद किशोर चौधरी, संजय सर्राफ, विशाल जालान, सुनील पोद्दार,पवन कुमार पोद्दार, विष्णु सोनी आदि उपस्थित थे।

आरएनएस एडूटेक ने लॉन्च किया ट्रेनिंग और सर्टिफिकेशन प्रोग्राम

रांची (आजाद सिपाही)। आरएनएस एडूटेक ने एक्सलरेटर एक्स और विप्रो के सहयोग से प्रोडक्ट मैनेजमेंट, डेटा एनालिटिक्स, जेनरेटिव एआई, फाइनेनशियल एनालाइसिस और मॉडलिंग क्वांटिटेटिव फाईनैन्स में ट्रेनिंग और सर्टिफिकेशन प्रोग्राम लॉन्च किया हैं। ये प्रोग्राम डोमेन एक्सपर्ट्स द्वारा निर्देशित प्रैक्टिकल ट्रेनिंग देने के लिए डिजाइन किये गये हैं। प्रोग्राम की प्रमुख विशेषताएं हैं, जिसमे जॉब-एश्योर्ड ट्रेनिंग और सर्टिफिकेशन, एक्सपीरियंस्ड प्रोफेशनल्स से मेंटरशिप के साथ प्रोजेक्ट ड्रिवन लर्निंग, विप्रो के सर्टिफिकेशन प्लेटफॉर्म के माध्यम से जारी किए गए सिक्योर डिजिटल सर्टिफिकेट्स, सफल प्रतिभागियों के लिए 100 प्रतिशत प्लेसमेंट असिस्टेंस और करियर सपोर्ट शामिल है। आरएनएस एडूटेक के फाउंडर और डायरेक्टर ने कहा कि हमारा लक्ष्य लर्नर्स को प्रैक्टिकल स्किल्स से लैस करना है जो रियल-वर्ल्ड इंडस्ट्री डिमांड्स के अनुरूप हों। उन्होंने कहा कि एक्सलरेटर एक्स के सपोर्ट और विप्रो के माध्यम से सिक्योर सर्टिफिकेशन के साथ, वे टेक और फाईनैन्स दोनों सेक्टर्स में करियर सक्सेस को सक्षम करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

कर्नाटक के लिए दो नयी रेलवे लाइनों की फाइनल लोकेशन सर्वे को मंजूरी

नयी दिल्ली (आजाद सिपाही)। रेलवे बोर्ड ने कर्नाटक में दो अहम नयी रेल परियोजनाओं के लिए फाइनल लोकेशन सर्वे को मंजूरी दे दी है। इनमें 162 किमी लंबी अलमट्टी-यादगीर रेल लाइन के सर्वे के लिए 4.05 करोड़ और 73 किमी लंबी भद्रावती-चिकजाजूर (चन्नगीरी के माध्यम से) रेल लाइन के सर्वे के लिए 1.825 करोड़ स्वीकृत किये गये हैं। कुल लागत 5.875 करोड़ होगी। अलमट्टी-यादगीर लाइन उत्तर कर्नाटक को प्रमुख आर्थिक गलियारों से जोड़ेगी, जबकि भद्रावती-चिकजाजूर लाइन से राज्य के मध्य भागों की कनेक्टिविटी बेहतर होगी। यह पहल राज्य में व्यापार, औद्योगिक विकास और यात्रियों की सुविधा को बढ़ावा देगी।

समाजसेवी मुकेश कुमार नायक ने जरूरतमंद के लिए किया रक्तदान

रांची (आजाद सिपाही)। गुरुवार को सदर अस्पताल में बुढ़मू साड़म निवासी सुनील कुमार के पैर ऑपरेशन में दो यूनिट ब्लड का जरूरत पडी, उनके परिजन ने प्रदेश अध्यक्ष संदीप टाईगर नायक से आग्रह किया कि उन्हें दो यूनिट ब्लड की जरूरत हैं। संदीप ने मुकेश को बताया, तो मुकेश कुमार नायक खुद सदर अस्पताल में जाकर ब्लड डोनेट करके मानवता का परिचय दिया।

ड्रग माफिया के खिलाफ कार्रवाई करे सरकार : भाकपा

रांची। भाकपा के राज्य कार्यकारणी सदस्य सह जिला सचिव अजय सिंह ने पलामू के एमएससीएच अस्पताल में नकली दवा की आपूर्ति के कई दिन बीत जाने के बाद भी कार्रवाई नहीं होने पर चिंता व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि पलामू के अस्पतालों में 20 में से 18 दवाओं की जांच में नकली होना और सिविल सर्जन की ओर से सप्लायर को क्लीन चिट दे देना, यह साबित करता है कि पलामू सिविल सर्जन एवं अस्पताल अधीक्षक की मिलीभगत है। उन्होंने कहा कि जब सप्लायर और दवा देने वाली गुजरात की फार्मेसी कंपनी नकली दवा का सप्लाई कर चुकी है, तो प्रथम द्दष्टया इन पर प्राथमिक दर्ज होनी चाहिए। उल्लेखनीय है कि रांची में कोरोना काल में सदर अस्पताल कैंपस से ड्रग इंस्पेक्टर ऑफिस में जब्त सैंपल की चोरी हुई थी। भाकपा ने उस समय के तत्कालीन स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता से मुलाकात कर ड्रग माफियाओं के खिलाफ कार्रवाई की मांग की थी। स्वास्थ्य मंत्री ने जांच कमेटी का गठन भी किया गया था, लेकिन अब तक रिपोर्ट सार्वजानिक नहीं की गयी। अजय सिंह ने ड्रग माफियाओं पर कानूनी कार्रवाई की मांग की है।

AFFIDAVIT
As per Affidavit Ref. No. 853 date 21.03.2025, I, SULEMAN MINZ S/o Amrit Minz, resident of Millat Colony, Post- Kanke, P.S.-Kanke, District-Ranchi, Jharkhand, do hereby affirm and declare the statement below are true and correct.
1. That I am an Indian citizen and residing at above address.
2. That I am also known as my nickname Jhon Minz.
3. That in my Aadhar Card my name is mentioned Jhon Minz.
4. That my actual name is Suleman Minz, which is mentioned I my PAN No. DLCPM7034Q.
5. That after this affidavit I will be known only as Suleman Minz forever.
6. That my actual name shall be published in newspaper or Gazette.
7. That this affidavit is made to rectify my name in My Aadhar Card Nó. 5788 3672 3248.
8. That all the statements made written above is true and correct. Anything wrong I shall be liable for the same.
Sworn and signed this affidavit on this 21-03-2025 at Ranchi.

पेज 01 का शेष

ट्रंप सीरीयसली ! पांच दिन बाद ...

इसके बाद 11 मई को ट्रंप ने कहा था, मुझे भारत और पाकिस्तान की मजबूत लीडरशिप पर बहुत गर्व है, जिन्होंने ताकत, समझदारी और हिम्मत दिखाकर यह फैसला लिया कि अब मौजूदा तनाव को रोकने का समय है। यह तनाव लाखों लोगों की मौत और तबाही का कारण बन सकता था।

कतर में क्या कहा ट्रंप ने: अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने गुरुवार को कतर में कहा कि मुझे उम्मीद है कि मैं यहां से बाहर नहीं निकलता और दो दिन बाद पता चलता कि मामला सुलझा नहीं है, लेकिन मामला सुलझ गया। मैंने दोनों से व्यापार को लेकर बात की। मैंने कहा कि युद्ध के बजाय व्यापार करें। पाकिस्तान बहुत खुश था, भारत बहुत खुश था। मुझे लगता है कि वे सही रास्ते पर हैं। उन्होंने कहा कि वे (भारत-पाकिस्तान) बीते 1000 साल से लड़ रहे हैं। मैंने कहा कि मैं समझौता करा सकता हूं। मैंने समझौता करा दिया। मैंने कहा कि मुझे इसे निपटाने दो। चलो, उन सभी को एक साथ लाते हैं। आप एक हजार सालों से लड़ रहे हैं और कितना लड़ते रहेंगे। मैं समझौते को लेकर विश्वस्त नहीं था। ये बहुत मुश्किल था। वे लंबे समय से लड़ रहे थे। यह वास्तव में नियंत्रण से बाहर होने जा रहा था।

एक्सपर्ट टॉक शो का आयोजन

रांची (आजाद सिपाही)। योगदा सत्संग महाविद्यालय के आइक्यूएसी की ओर से गुरुवार को एक्सपर्ट टॉक का आयोजन किया गया जिसका विषय था- 'क्वालिटी एसोरेन्स मैकेनिज्मस एंड बेस्ट प्रैक्टिसेस थ्रू आइक्यूएसी'। इस आयोजन के मुख्य वक्ता एसआरएम मोदीनगर कॉलेज ऑफ फार्मेसी, गाजियाबाद के प्रो (डॉ) जयेंद्र कुमार थे। अपने वक्तव्य में उन्होंने कहा कि किसी भी संस्था को एकबद्ध रखने और उसके प्रगति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। उन्होंने कहा कि हमें वैश्विक सोच रखते हुए स्थानीय आवश्यकताओं के अनुरूप अपने कार्य को निर्धारित करना चाहिए। इस कार्यक्रम में मंच संचालन डॉ मृत्युंजय कुमार एवं धन्यवाद ज्ञापन डॉ मल्लिका कुमारी ने किया। इस अवसर पर आईक्यूएसी निदेशक कर्नल हिमांशु शेखर,आइक्यूएसी समन्वयक प्रो सिमरन कौर, डॉ रवींद्र कुमार सहित आइक्यूएसी के सभी सदस्य उपस्थित थे।

AFFIDAVIT
As per Affidavit Ref. No. 58 date 25.04.2025, I Birsa Pahan S/o. Bandhan Pahan Munda R/o.- Gutjara, Khunti, Po.- Gutjora, P.s. Khunti Dist. Khunti -835210, Jharkhand do hereby solemnly affirm & Declare as follows :-
1.That My actual and correct name is Birsa Pahan according to my Voter ID Card no. MPF0483552. 2. That in my Adhar Card No. 9172 2199 6205 where my name is recorded Bandhan Munda Pahan.
3. That Birsha Pahan and Bandhan Munda Pahan both name is one and same person i.e. myself.
4. That This Affidavit is Sworn for correction of my name from Bandhan Munda Pahan to Birsa Pahan in my aforesaid Aadhar Card according to my Voter ID Card.
5. That the statement made here in above are true a correct.

भरोसा बढ़ेगा

सुप्रीम कोर्ट के नवनियुक्त चीफ जस्टिस बीआर गवई और निवर्तमान सीजेआइ संजीव खन्ना ने यह कहकर न्यायपालिका की गरिमा और विश्वसनीयता बढ़ाई है कि वे रिटायरमेंट के बाद कोई पद स्वीकार नहीं करेंगे। दोनों ने पूरे सिस्टम के लिए नजीर पेश की है।

पारदर्शिता के प्रयास : जस्टिस संजीव खन्ना का कार्यकाल बहुत छोटा रहा, लेकिन इसी दरम्यान उन्होंने सुप्रीम कोर्ट में आम लोगों का भरोसा बढ़ाने वाले कई कदम उठाये। जस्टिस यशवंत वर्मा कैश कांड उनके लिए एक परीक्षा की तरह था। लोगों के मन में तमाम सवाल उठ रहे थे। सीजेआइ संजीव खन्ना ने न केवल उस मामले को तार्किक परिणति तक पहुंचाया, बल्कि उन्हीं की पहल पर सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीशों ने अपनी संपत्ति का ब्योरा सार्वजनिक कर स्ट्रॉन्ग पॉजिटिव मेसेज दिया।

संदेह दूर किया : इसी तरह, जस्टिस संजीव खन्ना के ही दौर में कलीजियम सिस्टम पर उठ रहे संदेहों को दूर करने का प्रयास भी किया गया था। इस सिस्टम पर भाई-भतीजावाद के आरोप लग रहे थे। ऐसे में जस्टिस खन्ना ने पिछले करीब तीन साल में कलीजियम में जितने भी प्रस्ताव आये थे, उन सभी को सार्वजनिक कर दिया। कौन रिकमेंड हुआ, किस आधार पर हुआ और किनको नियुक्ति मिली- इन सवालों के जवाब मिले तो संदेह के बादल भी छंट गये। करीब तीन साल में 221 नाम भेजे गये थे, जिसमें से केवल 14 किसी जज या पूर्व न्यायाधीश के रिश्तेदार थे।

नये सीजेआइ गवई ने पद संभालने से पहले एक और महत्वपूर्ण बात कही थी। न्यायपालिका और विधायिका में कौन बड़ा - के सवाल पर उन्होंने स्पष्ट किया कि देश में संविधान की सर्वोच्चता है।

संविधान सर्वोच्च : नये सीजेआइ गवई ने पद संभालने से पहले एक और महत्वपूर्ण बात कही थी। न्यायपालिका और विधायिका में कौन बड़ा - के सवाल पर उन्होंने स्पष्ट किया कि देश में संविधान की सर्वोच्चता है। पिछले दिनों चली बहस के संदर्भ में यह बात महत्वपूर्ण है।

लंबित मुकदमों का भार : हालांकि नये सीजेआइ के सामने कई चुनौतियां हैं। न्यायपालिका पर लंबित मुकदमों का बोझ बढ़ता जा रहा है और इसका उन्होंने जिक्र भी किया। देश की अदालतों में पांच करोड़ से ज्यादा केस पेंडिंग हैं। ये आंकड़े न्याय मिलने की रफ्तार को धीमा करते हैं। भरोसा और पारदर्शिता बढ़ाने के साथ न्याय मिलने की रफ्तार में भी तेजी लाने की कोशिश होनी चाहिए।

बड़ा मकसद : लोकतंत्र मजबूत तभी है, जब न्यायपालिका मजबूत हो, जब वह निष्पक्ष होकर बिना किसी डर या लालच के अपना कर्तव्य निभाये और निभाती हुई दिखे। जस्टिस गवई और जस्टिस खन्ना का स्टैंड इसी बड़े मकसद से प्रेरित है। इससे देश की सर्वोच्च अदालत की छवि और चमकदार बनेगी।

अभिमत
आजाद सिपाही

भारत पर हमला हुआ 22 अप्रैल, 2025 को जम्मू और कश्मीर के पहलगाम में 26 भारतीय नागरिक, जिनमें ज्यादातर हिंदू पर्यटक थे, का नरसंहार कर दिया गया। पाकिस्तान स्थित लश्कर-ए-तैयबा के एक सहयोगी संगठन, द रेजिस्टेंस फ्रंट (टीआरएफ) ने इसकी जिम्मेदारी ली। जैसा कि दशकों से होता आया है, इस समूह को पाकिस्तान की इंटर-सर्विसेज इंटेलिजेंस (आइएसआइ) का समर्थन प्राप्त है, लेकिन पिछले हमलों के विपरीत इस बार भारत ने इंतजार नहीं किया।

ऑपरेशन सिंदूर : आधुनिक युद्ध में एक निर्णायक जीत

जॉन स्पेंसर

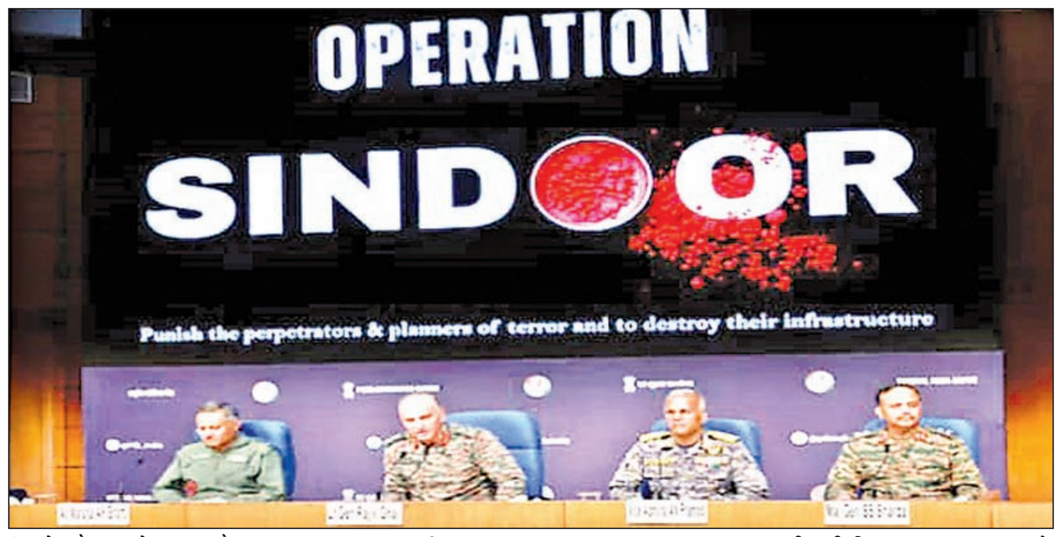

भारत ने ऑपरेशन सिंदूर को पूरी तरह से समाप्त घोषित नहीं किया है। अभी जो मौजूद है, वह ऑपरेशन में एक संवेदनशील ठहराव है - कुछ लोग इसे युद्ध विराम कह सकते हैं, लेकिन सैन्य नेतृत्व ने जानबूझ कर इस शब्द से परहेज किया है। युद्ध लड़ने के दृष्टिकोण से, यह केवल एक विराम नहीं है; यह एक दुर्लभ और स्पष्ट सैन्य जीत के बाद एक रणनीतिक पकड़ है। केवल चार दिनों की सुविचारित सैन्य कार्रवाई के बाद, यह वस्तुनिष्ट रूप से निर्णायक है: भारत ने एक बड़ी जीत हासिल की। ऑपरेशन सिंदूर ने अपने रणनीतिक लक्ष्यों को पूरा करने और उससे आगे निकलने में सफल रहा है- आतंकवादी ढांचे को नष्ट करना, सैन्य श्रेष्ठता का प्रदर्शन करना, निवारक क्षमता बहाल करना और एक नये राष्ट्रीय सुरक्षा सिद्धांत का सामने आना। यह प्रतीकात्मक शक्ति नहीं थी। यह निर्णायक शक्ति थी, जिसे स्पष्ट रूप से प्रयोग में लाया गया था।

भारत पर हमला हुआ 22 अप्रैल, 2025 को जम्मू और कश्मीर के पहलगाम में 26 भारतीय नागरिक, जिनमें ज्यादातर हिंदू पर्यटक थे, का नरसंहार कर दिया गया। पाकिस्तान स्थित लश्कर-ए-तैयबा के एक सहयोगी संगठन, द रेजिस्टेंस फ्रंट (टीआरएफ) ने इसकी जिम्मेदारी ली। जैसा कि दशकों से होता आया है, इस समूह को पाकिस्तान की इंटर-सर्विसेज इंटेलिजेंस (आइएसआइ) का समर्थन प्राप्त है, लेकिन पिछले हमलों के विपरीत, इस बार भारत ने इंतजार नहीं किया। उसने अंतरराष्ट्रीय मध्यस्थता की अपील नहीं की या राजनयिक विरोध पत्र जारी नहीं किया। इसने युद्धक विमान लॉच किये।

भारत ने छह पाकिस्तानी सैन्य हवाई अड्डों और यूएवी समन्वय केंद्रों पर अतिरिक्त हमलों के साथ जवाबी कार्रवाई की।

7 मई को भारत ने ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया, जो एक त्वरिक और सटीक रूप से सुविचारति सैन्य अभियान था। भारतीय वायुसेना ने पाकिस्तान के अंदर नौ आतंकवादी ठिकानों पर हमला किया, जिसमें जैश-ए-मोहम्मद और लश्कर-ए-तैयबा के मुख्यालय और ऑपरेशन हब शामिल थे। संदेश स्पष्ट था पाकिस्तानी धरती से शुरू होने वाले आतंकवादी हमलों को अब युद्ध के कृत्यो के रूप में माना जायेगा।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नये सिद्धांत को स्पष्ट कर दिया : भारत किसी भी परमाणु ब्लैकमेल को बर्दाश्त नहीं करेगा। भारत परमाणु ब्लैकमेल की आड़ में विकसित हो रहे आतंकवादी ठिकानों पर सटीक और निर्णायक हमला करेगा। यह केवल एक जवाबी कार्रवाई से कही अधिक, एक रणनीतिक सिद्धांत का अनावरण था। जैसा कि नरेंद्र मोदी ने कहा, आतंकवाद और बातचीत साथ-साथ नहीं चल सकते। पानी और खून एक साथ नहीं बह सकते।

ऑपरेशन सिंदूर को जानबूझ कर निम्नलिखित चरणों में क्रियान्वित किया गया : 7 मई : पाकिस्तानी क्षेत्र में गहराई नौ सटीक हमले किये। लक्ष्यों में बहावलपुर, मुरीदके, मुजफ्फराबाद और अन्य स्थानों पर स्थित प्रमुख आतंकी प्रशिक्षण शिविर और लॉजिस्टिक्स नॉड शामिल थे।

8 मई : पाकिस्तान ने भारत के पश्चिमी राज्यों में बड़े पैमाने पर बहुत सारे ड्रोनों से जवाबी हमला किया। भारत के बहुस्तरीय वायु रक्षा नेटवर्क- स्वदेशी रूप से निर्मित तथा इजरायली और रूसी प्रणालियों द्वारा संवर्धित ने उनमें से लगभग सभी को निष्प्रभावी कर दिया।

9 मई : भारत ने छह पाकिस्तानी सैन्य हवाई अड्डों और यूएवी समन्वय केंद्रों पर अतिरिक्त हमलों के साथ जवाबी कार्रवाई की।

10 मई : गोलीबारी पर अस्थायी रोक लग गयी। भारत ने इसे युद्धविराम नहीं कहा। भारतीय सेना ने इसे गोलीबारी का ठहराव कहा - एक अर्थपूर्ण लेकिन जानबूझ कर किया गया विकल्प, जिसने स्थिति पर अपने रणनीतिक नियंत्रण को मजबूत किया। यह केवल सामरिक सफलता नहीं थी। यह लाइव फायर के तहत सिद्धांत का निष्पादन था।

प्राप्त रणनीतिक प्रभाव : एक नयी लक्ष्मण रेखा खींची गयी-और लागू की गयी। पाकिस्तान की धरती से होने वाले आतंकी हमलों का अब सैन्य बल से जवाब दिया जाएगा। यह कोई धमकी नहीं है। यह एक मिसाल है।

2. सैन्य श्रेष्ठता का प्रदर्शन

भारत ने पाकिस्तान में किसी भी लक्ष्य पर इच्छानुसार हमला करने की अपनी क्षमता का प्रदर्शन किया- आतंकवादी ठिकाने, ड्रोन समन्वय केंद्र, यहां तक कि एयरबेस भी। इस बीच, पाकिस्तान भारत के अंदर एक भी सुरक्षित क्षेत्र में घुसपैठ करने में असमर्थ रहा। यह समानता नहीं है। यह भारी श्रेष्ठता है। और इसी तरह वास्तविक निवारक क्षमता स्थापित होती है।

बहाल की गयी निवारक क्षमता : भारत ने जोरदार जवाबी कार्रवाई की, लेकिन पूर्ण युद्ध से पहले ही रुक गया। नियंत्रित वृद्धि ने एक स्पष्ट निवारक संकेत भेजा: भारत जवाब देगा और वह गति को नियंत्रित करता है।

प्रतिपादित रणनीतिक स्वायत्तता : भारत ने इस संकट को अंतरराष्ट्रीय मध्यस्थता की मांग किये बगोर इस संकट को संभाला। इसने संप्रभु साधनों का उपयोग करते हुए संप्रभु शर्तों पर सिद्धांत लागू किया। ऑपरेशन सिंदूर का कब्जे या शासन परिवर्तन के बारे में नहीं था। यह विशिष्ट उद्देश्यों के लिए किया गया सीमित युद्ध था। जो आलोचक तर्क देते हैं कि भारत को और आगे जाना चाहिए था, वे मुद्दे को समझ नहीं पाये। रणनीतिक सफलता विनाश के पैमाने के बारे में नहीं है - यह वांछित राजनीतिक प्रभाव प्राप्त करने के बारे में है। भारत बदला लेने के लिए नहीं लड़ रहा था। वो प्रतिरोध के लिए लड़ रहा था। और यह काम कर गया। भारत का संयम कमजोरी नहीं है - यह परिपक्वता है। इसने लागत लगायी, सीमाओं को फिर से परिभाषित किया और वृद्धि प्रभुत्व बनाये रखा। भारत ने सिर्फ.हमले का जवाब नहीं दिया। इसने रणनीतिक समीकरण बदल दिया। एक ऐसे युग में जहां कई आधुनिक युद्ध खुलेआम कब्जे या राजनीतिक भ्रम में बदल जाते हैं, ऑपरेशन सिंदूर इससे अलग है। यह अनुशासित सैन्य रणनीति का प्रदर्शन था: स्पष्ट लक्ष्य, संरेखित तरीके और साधन, और अप्रत्याशित वृद्धि के सामने अनुकूल निष्पादन। भारत ने एक झटके को झेला, अपने उद्देश्य को परिभाषित किया, और उसे प्राप्त किया- यह सब एक सीमित समय सीमा के भीतर।

ऑपरेशन सिंदूर में बल का प्रयोग भारी, लेकिन नियंत्रित था - सटीक, निर्णायक और बिना किसी हिचकिचाहट के आधुनिक युद्ध में इस तरह की स्पष्टता दुर्लभ है। हमेशा के लिए युद्धों और रणनीतिक दिशा के बिना हिंसा के चक्रों से परिभाषित एक युग में सिंदूर अलग है। यह स्पष्ट रूप से परिभाषित लक्ष्यों, मेल खाते तरीकों और साधनों और एक ऐसे देश के साथ सीमित युद्ध का एक मॉडल प्रस्तुत करता है, जिसने कभी इनेशेटिव नहीं त्यागा। 2008 के भारत ने हमलों को झेला और इंतजार किया। यह भारत तुरंत, सटीक और स्पष्टता के साथ जवाबी हमला करता है।

मोदी का सिद्धांत, भारत का बढ़ता घरेलू रक्षा उद्योग और उसके सशस्त्र बलों का पेशेवराना तरीका सभी संकेत इस ओर इशारा करते है कि देश अब युद्ध की तैयारी नहीं कर रहा है। वो अगले युद्ध की तैयारी कर रहा है। ऑपरेशन में रुकावट ऑपरेशन सिंदूर का अंत नहीं है। यह एक विराम है। भारत इनिशिएटिव रखता है। यदि फिर से उकसाया गया, तो वह फिर से प्रहार करेगा। यह निवारण की बहाली है। यह एक नया सिद्धांत सामने आया है। और राज्य-प्रायोजित आतंकवाद के खतरे का सामना कर रहे सभी देशों को इसका अध्ययन करना चाहिए।

ऑपरेशन सिंदूर एक आधुनिक युद्ध था - जो, परमाणु एसक्लेशन के साय में, पूरी दुनिया की नजर इस पर थी, और एक सीमित उद्देश्य के फेमवर्क के तहत लड़ा गया था। और हर महत्वपूर्ण पैमाने पर यह एक रणनीतिक सफलता थी - और एक निर्णायक भारतीय जीत थी।

(लेखक : अर्बन वारफेयर इंस्टीट्यूट के कार्यकारी निदेशक हैं। वे अंडरस्टैंडिंग अर्बन वारफेयर के सह-लेखक हैं।)

कोल्हान की खबरें

ट्रैफिक पुलिस के खिलाफ आजसू का हस्ताक्षर अभियान संपन्न

ट्रैफिक पुलिस को अपने रवैये में सुधार लाना होगा अन्यथा आजसू पार्टी सुधारने का कार्य खुद करेगी : रामचन्द्र सहिस

आजाद सिपाही संवाददाता

जमशेदपुर। ट्रैफिक पुलिस की कार्यशैली और भ्रष्टाचार के खिलाफ आजसू पार्टी के जिलाध्यक्ष कन्हैया सिंह के नेतृत मे एक माह से चल रहे हस्ताक्षर अभियान का समापन किया गया। गुरुवार को साकची गोलचक्कर में हस्ताक्षर अभियान के समापन समारोह में मुख्य अतिथि पार्टी के केंद्रीय प्रधान महासचिव सह पूर्व मंत्री रामचंद्र सहिस शामिल हुए। पूर्व मंत्री ने स्पष्ट शब्दों में कहा ट्रैफिक पुलिस को अपने रवैये में सुधार लाना होगा अन्यथा आजसू पार्टी सुधारने का कार्य खुद करेगी। उन्होंने कहा कि आजसू पार्टी राज्य निर्माण की उपज है और इस राज्य को किसी भी हालत में लूटने नहीं देगी। मुख्य वक्ता संजय मेहता ने ट्रैफिक पुलिस पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा शहर की ट्रैफिक व्यवस्था आम जनता के लिए अभिशाप बन गयी है। उन्होंने कहा कि आजसू पार्टी कानून का सम्मान करती है, लेकिन अगर कानून के नाम पर भ्रष्टाचार को बढ़ावा मिलेगा, तो पार्टी मजबूरन आंदोलन के रास्ते पर चलेगी। पार्टी नेता अमित महतो ने कहा आजसू पार्टी इस आंदोलन को राज्य स्तरीय बनायेगी। एक माह तक चले इस हस्ताक्षर अभियान में जनता से मिले समर्थन ने यह सिद्ध कर दिया ट्रैफिक व्यवस्था में व्यापक भ्रष्टाचार व्याप्त है।वही अन्य नेताओं ने कहा यह आंदोलन खत्म नहीं हुआ है, बल्कि अब और अधिक मजबूती और व्यापकता के साथ आगे बढ़ेगा। इस अवसर पर कन्हैया सिंह, संजय मलाकार, संजय सिंह, अप्पू तिवारी, प्रमोद सिंह, मंगल टुडू, ललन झा, अरुप मल्लिक, मनु महतो, चंदेश्वर पाण्डेय, संगीता कुमारी, मंजू राज, संतोष सिंह, अशोक तिवारी, सोनू सिंह, जितेंद्र यादव, प्रवीण प्रसाद, सौरभ राहुल सिंह, हरी अंथिनी, ललित सिंह, सुधीर सिंह, राहुल प्रसाद, मुद्रीका प्रसाद, मुन्ना कुमार, सुनका सरदार, विजय कुमार सहित बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता और आमजन उपस्थित रहे।

भाजपा की विशाल तिरंगा यात्रा : 'ऑपरेशन सिंदूर' की सफलता और सेना के ऐतिहासिक सफलता पर मना जश्न

आजाद सिपाही संवाददाता

जमशेदपुर। भारतीय सेना की 'ऑपरेशन सिंदूर' में मिली ऐतिहासिक सफलता के उपलक्ष्य में भाजपा जमशेदपुर महानगर और पूर्वी सिंहभूम ग्रामीण इकाई द्वारा संयुक्त रूप से विशाल तिरंगा यात्रा निकाली गयी। गुरुवार को निकली विशाल तिरंगा यात्रा में हजारों हजार की संख्या में शहरवासी, पूर्व सैनिक, भाजपा नेतागण, सामाजिक संगठन, महिलाएं और युवा शामिल हुए। साकची जुबिली पार्क गेट से शुरू हुई तिरंगा यात्रा शहीद चौक (बसंत टॉकीज) तक पूरा क्षेत्र का भ्रमण किया। तिरंगा यात्रा में पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास, पूर्व केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा, सांसद विद्युत वरण महतो, विधायक पूर्णिमा साहू, भाजपा नेता डॉ दिनेशानंद गोस्वामी, नंदजी प्रसाद, सुधांशु ओझा, अभय सिंह, चंडीचरण साव समेत बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारी मौजूद रहे। इस दौरान पूरा क्षेत्र देशभक्ति नारों से गूंज उठे। तिरंगा यात्रा के दौरान सभी ने भारत माता की जय और भारतीय सेना जिंदाबाद के नारे लगाए।यात्रा बसंत टॉकीज स्थित शहीद चौक पहुचने पर सभी ने पहलगाम आतंकी हमले में शहीद हुए निर्दोष लोगों को श्रद्धांजलि अर्पित की। मौके पर पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास ने कहा 'ऑपरेशन सिंदूर' की सफलता पर गर्वित होकर हम सभी तिरंगा यात्रा के माध्यम से अपने वीर सैनिकों की वीरता और अभियान की सफलता का उद्घोष कर रहे हैं। इस अभियान ने आतंक के ठिकानों को ध्वस्त ही नही किया, बल्कि पूरे विश्व को भारत की सैन्य शक्ति और दृढ़ इच्छाशक्ति का भी परिचय दिया है। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान दुनिया ने देखा कि हमारी सेना किस प्रकार देश, ध्वज, निशान, जन और अपनी धरती की रक्षा के लिए शौर्य और वीरता का किस तरह परिचय दे सकती है।

पटमदा की प्रमिला बनी आत्मनिर्भरता और महिला सशक्तिकरण की प्रतीक

आजाद सिपाही संवाददाता

पटमदा। जुगसलाई विधानसभा के बांगुड़दा पंचायत अंतर्गत माकुला ग्राम की रहने वाली प्रमिला सबर जनजातीय महिला सशक्तिकरण की मिसाल बनी। प्रमिला ने वर्ष 2016 में स्वयं सहायता समूह से जुड़ने के बाद धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान और पीएम जनमन योजना के तहत मिले अवसरों का भरपूर लाभ उठाकर आत्मनिर्भरता की ओर एक सफल यात्रा तय की। प्रारंभ में निर्णय लेने में संकोच करने वाली प्रमिला को स्वयं सहायता समूह से जुड़ने के बाद विभिन्न सरकारी योजनाओं की जानकारी मिली। उन्हें उज्ज्वला योजना के तहत मुफ्त गैस कनेक्शन और प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत आवास निर्माण की सुविधा प्राप्त की। समिति से प्राप्त ऋण से अपने घर का निर्माण कराया, जिससे उनके परिवार को एक सुरक्षित आवास उपलब्ध हो सका। समूह से मिले आर्थिक सहयोग से उन्होंने अपनी दोनों बेटियों की शादी की और अब नियमित रूप से ऋण चुका रही हैं। प्रमिला स्वयं भी मजदूरी एवं लघु कार्यों से आय अर्जित कर रही हैं। छोटी आवश्यकताओं के लिए अब बाहरी सहायता की आवश्यकता नहीं पड़ती। धरती आबा अभियान के तहत गांव में ग्राम सभा की सक्रियता, महिला नेतृत्व को बढ़ावा और सामाजिक सहभागिता को मजबूती मिली है। प्रमिला सबर ने इन अवसरों का लाभ उठाकर न केवल स्वयं को सशक्त किया, बल्कि गांव की अन्य महिलाओं को भी प्रेरित किया। उनकी पहल से कई महिलाएं अब स्वयं सहायता समूह से जुड़ चुकी और आत्मनिर्भर बनने की दिशा में आगे बढ़ रही हैं। इससे प्रतीत होता है यदि जनजातीय समुदाय की महिलाओं को सही जानकारी, संसाधन और सहयोग मिले तो वे समाज में नेतृत्व की भूमिका निभाने में सक्षम होंगे।

पप्पू सरदार ने अभिनेत्री माधुरी दीक्षित का जन्मदिन मनाया

आजाद सिपाही संवाददाता

जमशेदपुर। बॉलीवुड अभिनेत्री माधुरी दीक्षित की 58वां जन्मदिन शहर के चर्चित प्रशंसक पप्पू सरदार ने पूरे उत्साह के उत्सव के रूप में मनाया। गुरुवार को उत्सव के दूसरे दिन करनडीह स्थित चेशायर होम में दिव्यांगों के साथ माधुरी के जन्मदिन पर केक कटिंग कर खुशियां मनायी गयी। मौके पर सभी दिव्यांगों को भोजन कराकर उन्हें उपहार भेंट कर बॉलीवुड अभिनेत्री के जन्मदिन की खुशियां साझा कीं। वहीं शाम को साकची स्थित मनोहरचाट दुकान को दुल्हन की तरह सजाया गया। सुबह से ही लगभग 5 हजार लोगों के बीच निशुल्क पेप्सी, आइसक्रीम, केक, बिस्किट, चॉकलेट का वितरण किया गया और शाम को सभी ने चाट का आनंद उठाया। बताया जा रहा है पप्पू सरदार बीते 29 वर्षों से माधुरी दीक्षित का जन्मदिन धूमधाम से मनाते आ रहे हैं। अब उनकी यह भक्ति एक अंतरराष्ट्रीय पहचान बन चुकी है।

रंभा कॉलेज में खुला जेएसओयू का नया स्टडी सेंटर

जमशेदपुर (आजाद सिपाही)। झारखंड राज्य ओपन यूनिवर्सिटी (जेएसओयू) का नया स्टडी सेंटर रंभा कॉलेज ऑफ एजुकेशन में खुल गया है। इस विषय से संबंधित संबद्धता प्रपत्र कॉलेज को प्राप्त हो चुका है। बहुत जल्द इस स्टडी सेंटर का उद्घाटन समारोह आयोजित किया जायेगा। रंभा कॉलेज ऑफ एजुकेशन के अध्यक्ष राम बचन ने कहा कि यह सेंटर राज्य के विद्यार्थियों के लिए वरदान साबित होगा। इसके माध्यम से वैसे लोग भी अपनी शिक्षा पूरी कर पायेंगे, जो किसी कारणवश कॉलेज तक नहीं पहुंच पा रहे हैं। सचिव गौरव बचन ने कहा कि इस सेंटर में विद्यार्थी कम शुल्क में रोजगारपरक शिक्षा प्राप्त कर सकेंगे। आस-पास के ग्रामीण विद्यार्थी इस ओपेन यूनिवर्सिटी का केंद्र खुलने पर कई विषयों में सर्टिफिकेट, डिप्लोमा, पीजी कोर्स कर पायेंगे।

पाटा टोल प्लाजा के पास पाइप लदा ट्रक पलटा, चालक घायल

आजाद सिपाही संवाददाता

जमशेदपुर। सरायकेला- खरसावां जिले के चांडिल थाना अंतर्गत पाटा टोल प्लाजा के पास गुरुवार की शाम टायर फटने से पाइप से लदा एक ट्रक पलट गया। इस घटना में चालक घायल हो गया है। जबकि साथ -साथ चल रहे एक बाइक पर सवार दो युवक बाल-बाल बच गये। जमशेदपुर निवासी बाइक चालक अश्वनी झा ने बताया कि अचानक तेज धमाका हुआ और ट्रक डिवाइडर से टकराते हुए सड़क के बीच पलट गया। उन्होंने बताया कि ट्रक का अगला टायर फटने से ही दुर्घटना हुई। गनीमत है कि ट्रक में लदा पाइप सड़क के दूसरे छोर तक नहीं पहुंचा अन्यथा बड़ा हादसा हो सकता था। घटना के बाद मौके पर पहुंची चांडिल पुलिस ने घायल ट्रक चालक को इलाज के लिए नजदीकी अस्पताल पहुंचाया, जहां पर उसका प्राथमिक उपचार किया गया। ट्रक चालक बिहार निवासी बताया जाता है। उसने बताया कि ट्रक जमशेदपुर की ओर जा रहा था। जहां पर उसे अनलोडिंग करना था।

एसडीएम ने ठोस कचरा निस्तारण संयंत्र के लिए प्रस्तावित साइट का किया निरीक्षण

आजाद सिपाही संवाददाता

मझिआंव। मझिआंव नगर पंचायत अंतर्गत प्रस्तावित सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट प्लांट के लिए आवश्यक साइट का भौतिक निरीक्षण गुरुवार को सदर अनुमंडल पदाधिकारी संजय कुमार ने मझिआंव अंचल अधिकारी प्रमोद कुमार तथा नगर पंचायत के कार्यपालक पदाधिकारी शैलेश कुमार एवं संबंधित पदाधिकारीयों व कर्मियों के साथ किया। उक्त साइट बूढ़ीखांड़ गांव की परिसीमा के अंदर अवस्थित है। इस 5 एकड़ के गैर मजूरुआ खास प्लॉट पर संबंधित कंसल्टेंट से भूमि उपयुक्तता का मंतव्य मिलने पर विभागीय हस्तांतरण हेतु प्रस्ताव भेजा जायेगा। संजय कुमार ने कहा कि आज किसी भी नगर निकाय के लिए ठोस कचरा निष्पादन संयंत्र अत्यंत जरूरी होता है, किंतु कई बार लोग इसे कचरा निस्तारण संयंत्र न समझ कर इसे कचरा डंपिंग साइट समझ लेते हैं और इसी कंफ्यूजन के चक्कर में लोगों को लगता है कि वहां कचरा फेंका जायेगा जिसके चलते कभी-कभी स्थानीय लोग विरोध भी करते हैं, जबकि हकीकत इसका उल्टा होता है। वास्तविकता यह होती है कि वहां बंद बाउंड्री के अंदर कचरे का निस्तारण किया जाता है, इससे न कहीं से दुर्गंध आती है और न ही आम लोगों के स्वास्थ्य के लिए अहितकर होता है, बल्कि उसके आसपास के क्षेत्र में पर्याप्त हरियाली की व्यवस्था की जाती है, फूल पत्तियां लगाए जाते हैं।

नगर पंचायत कार्यालय का किया निरीक्षण : उक्त साइट विजिट से पूर्व उन्होंने मझिआंव नगर पंचायत कार्यालय परिसर का भी निरीक्षण किया। विभिन्न स्टाफ और कर्मियों की उपस्थिति एवं क्रियाकलाप के बारे में जाना, साथ ही शहरी क्षेत्र में नियमित रूप से अतिक्रमण विरोधी अभियान चलाने, सिंगल यूज प्लास्टिक के विरुद्ध सख्त रुख अपनाने तथा नागरिक सुविधाओं के लिए एक हेल्पलाइन नंबर जारी करने के का निर्देश दिया।

डीएवी पब्लिक स्कूल में चार दिवसीय समर कैंप शुरू

भवनाथपुर (आजाद सिपाही)। डीएवी शताब्दी पब्लिक स्कूल भवनाथपुर में गुरुवार को चार दिवसीय समर कैंपभवनाथपुर। डीएवी शताब्दी पब्लिक स्कूल भवनाथपुर में गुरुवार को चार दिवसीय समर कैंप का शुभारंभ हुआ। समर कैंप का उद्घाटन प्राचार्य राजेंद्र सचदेवा एवं कैंप में भाग लेने वाले सभी बच्चों ने दीप प्रज्वलित करके किया। शिक्षिका बुलबुल कुमारी ने आर्ट एंड क्राफ्ट से संबंधित सामग्रियों को लाने के लिए बच्चों को बताया। प्राचार्य राजेंद्र सचदेवा ने बच्चों से कहा कि यह गर्मी की छुट्टियां व्यर्थ समय गंवाने के लिए नहीं होती, बल्कि छुट्टियों में अपने किताबी ज्ञान से हटकर अपने जीवन में काम आने वाली चीजों को सीखने के लिए होती हैं। इस मौके पर शिक्षक गणेश त्रिवेदी, वैभव कुमार, शशिबाला कुमारी, रंजना वर्मा, नेहा पांडेय आदि शिक्षक शिक्षिकाएं उपस्थित थे।

सदस्यता समाप्त कर देशद्रोह का मुकदमा दर्ज हो : आफताब

रंका (आजाद सिपाही)। झामुमो नेता आफताब आलम ने कहा है कि भारतीय सेवा में कर्नल सोफिया कुरैशी के बारे में मध्य प्रदेश के भाजपा के मंत्री विजय शाह के द्वारा आतंकवादियों की बहन कहकर अपमान करने को लेकर आफताब आलम ने विजय शाह की सदस्यता समाप्त कर देशद्रोह का मुकदमा दर्ज करने की मांग की है। उन्होंने कहा है कि कर्नल सोफिया कुरैशी एक देशभक्त भारतीयों की बहन और बेटी है।

कार में ले जा रहे प्रतिबंध दवा के साथ दो धराये, जेल

मेराल (आजाद सिपाही)। एसपी दीपक कुमार पांडे को मिली गुप्त सूचना के आधार पर मेराल पुलिस ने, थाना के पास हाईवे पर चेकिंग अभियान चलाकर प्रतिबंध दवा के साथ गुरुवार को दो व्यक्ति को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। मामले में जेल जाने वालों में धर्मेंद्र सिंह पिता अदरू सिंह जो पलामू जिला के नौडीहा बाजार अंतर्गत शाहपुर गांव का निवासी हैं तथा दया शंभू राम पिता नंदलाल राम पलामू जिला के अंतर्गत विश्रामपुर का रहने वाला है। थाना प्रभारी विष्णु कांत ने बताया कि श्री बंशीधर नगर के तरफ से कर में दवा लोड कर गुमला जिला जाने के क्रम में गुप्त सूचना के आधार पर पकड़ा गया है। कार से प्रतिबंधित दवा, कफ सिरप 120 बोतल का 12 बॉक्स में 1430 बोतल जब्त किया गया है तथा, 18 बॉक्स में 2152 पीस टैबलेट के साथ एक कार जब्त किया गया है। जब्त किया गया कार का नंबर जेएच 03 एएम 1980 है। उक्त मामले में थाना कांड संख्या 105 ऑब्लिक 25 के तहत मामला दर्ज किया गया है। मामला दर्ज करने के बाद अनुसंधान जारी कर दिया गया है।

पानी की बूंद-बूंद को तरस रहे रविदास टोला के ग्रामीण, पीएचडी विभाग बेपरवाह

डंडई (आजाद सिपाही)। डंडई प्रखंड के पचौर गांव के रविदास टोला में सामुदायिक भवन के समीप पीएचडी विभाग के द्वारा लगा हैंडपंप का बोर भरा गया है। जिससे हैंडपंप व जल मीनार दोनों बंद पड़ा हुआ है। इसका आज तक सुधि लेने वाला कोई नहीं है। पीएचईडी विभाग के अधिकारी कान में तेल डाल सोई हुई है। टोला में बूंद बूंद पीने का पानी को लेकर हाहाकार मचा हुआ है। इस समस्या को लेकर कई बार दैनिक अखबार में खबर प्रमुखता से छापी थी। इसके बाद भी पीएचडी विभाग के अधिकारी कान में तेल डाल सोई हुई है।आज तक इसका सुधि लेने कोई अधिकारी नहीं पहुंचे। बजबूरन हमलोगों को इस तपती धूप में पीने का पानी को लेकर दूसरे टोला में भटकना पड़ रहा है।

परीक्षा किसी और विषय का प्रश्न पत्र किसी और विषय के दिये जाने पर परीक्षा रद्द

नीलांबर-पीतांबर विश्वविद्यालय की कार्यशैली से छात्र स्तब्ध

आजाद सिपाही संवाददाता

गढ़वा। नीलांबर-पीतांबर विश्वविद्यालय द्वारा 15 मई को Bsc.(CAPP) के पेपर 5 (उ++) की परीक्षा आयोजित की गयी थी। इस परीक्षा के दौरान संबंधित विषय के प्रश्न पत्र की जगह डीबीएमएस पेपर का प्रश्न पत्र वितरित किया गया। परीक्षार्थियों के विरोध के बाद परीक्षा स्थगित कर दी गई। अभाविप के राज्य विश्वविद्यालय कार्य सह संयोजक मंजुल शुक्ल ने कहा कि यह घटना विश्वविद्यालय प्रशासन की लापरवाही का नतीजा है। परीक्षा विभाग में मनमाने तरीके से अनुभवहीन शिक्षकों को प्रमुख जिम्मेदारियां सौंपी गयी, यह लापरवाही उसी का परिणाम है। कुलपति अविलंब परीक्षा नियंत्रक अजीत सेठ सहित परीक्षा विभाग के ओएसडी गौरव श्रीवास्तव को उनके गैर जिम्मेदाराना कार्य के लिए परीक्षा विभाग से हटाएं। परीक्षा केंद्र गोपीनाथ सिंह महिला महाविद्यालय में बनाया गया था।

जीएन कॉन्वेंट स्कूल के विद्यार्थियों का 10वीं बोर्ड परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन रहा

Adarsh Raj 88%

Riya Kumari 86%

hutosh Kr. Abhish 86%

Satyam Kr. Sharm 83%

Saurya Raj 83%

परीक्षा परिणाम विद्यालय की मेहनत, अनुशासन व सतत गुणवत्ता शिक्षा की देन हैः निदेशक

आजाद सिपाही संवाददाता

गढ़वा। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड(सीबीएसई) नयी दिल्ली द्वारा जारी 10वीं कक्षा का परीक्षा परिणाम में जीएन कान्वेंट स्कूल के छात्र- छात्राओं ने उत्कृष्ट स्थान प्राप्त कर विद्यालय परिवार में खुशी का माहौल देखा गया। सभी 150 विद्यार्थी प्रथम श्रेणी से पायी सफलता। जीएन कॉन्वेंट स्कूल के विद्यार्थियों ने दसवीं कक्षा में शानदार प्रदर्शन कर स्कूल व जिले का नाम रौशन किया। इस वर्ष बोर्ड परीक्षा परिणाम में स्कूल के आदर्श राज ने सर्वाधिक अंक 88% लाकर स्कूल में अपना स्थान बनाया उसने इंग्लिश में 75, हिंदी में 88, मैथ में 86,साइंस 94, सोशल साइंस 95, और आईटी में 91% अंक अर्जित किया वहीं आशुतोष कुमार अभिषेक ने 86% अंक लाकर स्कूल में दूसरे स्थान पर रहे उसने सर्वाधिक हिंदी में 91% तथा सोशल साइंस में 95%अंक प्राप्त किया। रिया कुमारी 86% अंक के साथ अंग्रेजी में 94% हिन्दी में 90,मैथ 74साइंस 88, सोशल साइंस 83 और आईटी में 91% अंक प्राप्त की। शौर्य राज 83%, सत्यम कुमार 83%, आदित्य प्रकाश 83, प्रियांशु कुमार गुप्ता 81%, साक्षी कुमारी 80%,निक्की यादव 80% तथा आयुष राज ने 80% अंक प्राप्त कर स्कूल टॉपर रहें। वहीं 150 विद्यार्थियों ने प्रथम श्रेणी, विषयवार 81 विद्यार्थियों ने डिस्टिंक्शन अंक लाए। इस मौके पर अभिभावकों ने संतोष व्यक्त करते हुए विद्यालय प्रबंधन को बधाई दी। विद्यालय के निदेशक सह शिक्षाविद मदन प्रसाद केशरी, प्राचार्य चंद्रभूषण सिन्हा, उपप्राचार्य बीके ठाकुर ने इस शानदार उपलब्धि पर सभी विद्यार्थियों, शिक्षकों और अभिभावकों को बधाई देते हुए कहा कि यह परिणाम विद्यालय की मेहनत, अनुशासन और सतत गुणवत्ता की भावना को दर्शाता है। उन्होंने विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की मंगलकामना भी की। इस अवसर पर विद्यालय के शिक्षक संतोष प्रसाद, वीरेंद्र गुप्ता, नीरा, कृष्णा, मुकेश, नीलम, रागिनी, शिवानी, ऋषभ, सुनीता, जूनियर विंग के इंचार्ज खुर्शीद आलम, सरिता सहित अन्य उपस्थित थीं।

एसडीएम ने दुलदुलवा मध्य विद्यालय जाकर बच्चों को पढ़ाया

- बच्चों के बीच करवाई निबंध प्रतियोगिता, अपने हाथों से वितरित किए स्कूल बैग
- मिड-डे-मील में बच्चों के साथ एसडीएम ने किया भोजन
- 'शराब के दुष्प्रभाव' विषय पर हुयी निबंध प्रतियोगिता में दो छात्रों को किया गया पुरस्कृत

आजाद सिपाही संवाददाता

गढ़वा। सदर एसडीएम संजय कुमार ने गुरुवार को मध्य विद्यालय दुलदुलवा का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने शिक्षकों तथा छात्रों की उपस्थिति, ड्रॉप आउट की स्थिति, आधारभूत साधनों की उपलब्धता आदि के बारे में जानकारी लेते हुये प्रधानाध्यापक एवं शिक्षकों को शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने की दिशा में ईमानदारी से काम करने तथा नियमित कक्षायें चलाने का निदेश दिया।

बच्चों को नैतिक शिक्षा का पाठ पढ़ाया : सदर एसडीएम संजय कुमार के साथ प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी रम्भा चौबे और विद्यालय के शिक्षक मौजूद थे। इस दौरान एसडीएम ने कक्षा आठवीं और कक्षा सातवीं के बच्चों को नैतिक शिक्षा का पाठ पढ़ाते हुए अच्छा नागरिक बनने के लिए प्रेरित किया।

शराब के दुष्प्रभाव पर बच्चों से निबंध लिखवाया गया : संजय कुमार ने कक्षा आठवीं और सातवीं के बच्चों को एक साथ बैठकर 'शराब के दुष्प्रभाव' विषय पर निबंध लिखने को कहा गया, सभी बच्चों ने 100 शब्दों के अंदर शराब और अन्य नशे के दुष्प्रभावों के बारे में लिखा। सर्वश्रेष्ठ दो निबंधों को नकद राशि देकर एसडीम ने बच्चों को पुरस्कृत किया।

गांव की साक्षरता दर बढ़ाने की जरूरत : वर्ष 2011 के जनगणना आंकड़ों के अनुसार 2011 में दुलदुलवा गांव में कुल 910 परिवार थे, लगभग 5000 की तत्कालीन जनसंख्या की साक्षरता दर 61.80 प्रतिशत है। जो कि राज्य की साक्षरता दर यानि 66.41 प्रतिशत से पांच प्रतिशत कम है। गांव की महिला साक्षरता लगभग 50% हैं। जानकारी के अनुसार अब तक गांव के ज्यादातर परिवार अवैध देशी शराब निर्माण में लगे रहे हैं, जिससे बच्चों की शिक्षा में बिल्कुल प्रभाव पड़ा है, विद्यालयों में छात्रों की उपस्थिति बढ़ाने पर जोर दिया जा रहा है। अब शराब निर्माण के कारोबार में रोक लगने से प्रभावी रोक लगने से यहां की साक्षरता दर बेहतर होने की उम्मीद है। संजय कुमार ने न केवल प्रधानाध्यापक और शिक्षकों को बल्कि गांव के अभिभावकों से भी अपील की कि वे बच्चों की उपस्थिति बढ़ाने पर जोर दें

350 में से 250 बच्चे अनुपस्थित मिले : एसडीएम की इस विजट में लगभग 70% बच्चे अनुपस्थित पाए गए। प्राप्त जानकारी के अनुसार विद्यालय में 350 छात्र-छात्राएं नामांकित हैं, किंतु मौके पर 100 छात्र-छात्राएं उपस्थित मिले। इनमें से ज्यादातर छात्र-छात्राओं को एसडीएम के भ्रमण के मद्देनजर गांव से तात्कालिक रूप से बुला लिया गया था। शिक्षकों को निर्देश दिया गया कि वे बच्चों के पठन पाठन में गुणवत्तापूर्ण योगदान दें, ताकि बच्चे कम से कम अनुपस्थित रहें। संजय कुमार ने उन बच्चों को गले लगाते हुए कहा कि वे अनाथ नहीं है उनकी देखभाल की चिंता करने के लिए बहुत लोग हैं, वे पढ़ाई करें उन्हें किसी प्रकार की कमी नहीं आने दी जायेगी।

प्रपत्र VI 'क'

समाहर्त्ता या समुचित सरकार

उपायुक्त का कार्यालय, चतरा

(भू–अर्जन शाखा)

प्रारंभिक अधिसूचना

(अधिनियम–30/2013 की धारा–11(1) के अधीन)

ज्ञापांक:–1122/भू0अ0 दिनांक:–10.05.2025

चूंकि समाहर्त्ता, चतरा को यह प्रतीत होता है कि ग्राम–**बेलहर**, थाना नं0–**54** थाना–**पत्थलगड्डा**, अंचल–**पत्थलगड्डा**, जिला–चतरा में भूमि सार्वजनिक प्रयोजन, यथा परियोजना **Widening & Strengthening to 2 lane of Duwari to Role Road (MDR-99)निर्माण हेतु** अपेक्षित है। प्रभावित परिवारों के पुनर्वासन एवं पुनर्व्यवस्थापन के प्रयोजनार्थ अपर समाहर्त्ता अथवा नियम 2(1) (ख) के तहत् नियुक्त पदाधिकारी प्रशासक के रूप में नियुक्त किए गए है। अतएव अधिसूचित किया जाता है कि ग्राम–**बेलहर**, थाना–**पत्थलगड्डा**, थाना नं0–**54**, अंचल–**पत्थलगड्डा**, जिला–**चतरा** में उपर्युक्त कथित परियोजना के लिए कमोवेश **3.0307** ए0 यानि–1.22650 हेक्टेयर मानक माप का भूखंड, जिसका विस्तृत विवरण निम्नलिखित है, अर्जनाधीन है,

क्र0 सं0	खाता सं0	सर्वे भूखंड सं0	स्वामित्व का प्रकार	भूमि का प्रकार	अर्जन के अधीन क्षेत्रफल (एकड़ में)	हितबद्ध व्यक्ति का नाम व पता	सीमा संरचना उ0	द0	पू0	प0
151	131	1561	–	–	0.0012	राजेन्द्र राम वो सतेन्द्र राम पिता– भोखन राम	शीबन प्रजापति	भुनेश्वर प्रजापति	नीज	पक्की सड़क
152	131	1561	–	–	0.0014	बन्शी रजक पिता– बाढ़ो रजक	मोहन प्रजापति	जितेन्द्र दांगी	दशरथ दांगी	पक्की सड़क
153	131	1561	–	–	0.0022	नरेश रजक वो सुरेश रजक पिता– भोखन रजक	भानेश्वर महतो	शीबन प्रजापति	दशरथ प्रजापति	पक्की सड़क
154	131	1561	–	–	0.0108	पंकज रजक पिता– बिजय रजक	जयराम दांगी	मोहन प्रजापति	नीज	पक्की सड़क
155	131	1561	–	–	0.0042	बन्शी रजक पिता– बाढ़ो	लोकनाथ दांगी	भनेश्वर दांगी	नीज	पक्की सड़क
156	131	1561	–	–	0.0048	रेवा रजक पिता– पेमन बैठा	बिशेश्वर दांगी	जयराम दांगी	नीज	पक्की सड़क
157	131	1561	–	–	0.0015	नरेश रजक वो सुरेश रजक पिता– भीखन रजक	लोकनाथ दांगी	हरीश दांगी	पक्की सड़क	नीज
158	131	1561	–	–	0.0036	महेन्द्र रजक पिता– भोखन रजक	हरीलाल दांगी	जयराम दांगी	पक्की सड़क	नीज
159	131	1561	–	–	0.0697	रेवा रजक पिता– पेमन बैठा	प्रसाद महतो	लोकनाथ दांगी	पक्की सड़क	नीज
160	131	1561	–	–	0.0022	बन्शी रजक वो डेगन रजक पिता– बाढ़ो रजक	संजय कुमार	हरीलाल दांगी	पक्की सड़क	बालक दांगी
161	131	1561	–	–	0.0125	जगदेव साव पिता– पल्लु साव	मिथुन अग्रवाल	प्रसाद महतो	पक्की सड़क	दिपेन्द्र नाथ दांगी
162	-	546	–	–	0.0019	बन्शी रजक पिता– बाढ़ो रजक	नरक्कु महतो	मिथिलेश कुमार	पक्की सड़क	जालेश्वर दांगी
163	-	545	–	–	0.001	नागेश्वर दांगी पिता– चरन महतो	देवलाल महतो	समलाल महतो	पक्की सड़क	जालो दांगी
164	-	545	–	–	0.0968	सुगन्ती देवी पति– रामचन्द्र दांगी	मोहन महतो	नरक्कु दांगी	पक्की सड़क	जालो दांगी
165	-	545	–	–	0.0015	बन्शी रजक पिता– बाढ़ो रजक	जालो दांगी	दिनेश्वर दांगी	पक्की सड़क	जालो दांगी
166	-	1570	–	–	0.0462	धनंजय सिंह वगै0 वो बिन्देश्वरी सिंह वगै0 वो सुदर्शन सिंह पिता– माधो सिंह	–	मोहन महतो	पक्की सड़क	नीज
167	-	544	–	–	0.0016	ललु सिंह वगै0 पिता– अरबिन्द सिंह वो शीबु सिंह पिता– बिमल सिंह	मलू दांगी	लोकनाथ दांगी	अजय दांगी	पक्की सड़क
168	-	541	–	–	0.0016	बिन्देश्वरी सिंह पिता– बसंती सिंह	राधेश्याम दांगी	बिशेश्वर दांगी	केदार दांगी	पक्की सड़क
169	-	544	–	–	0.0016	बिन्देश्वरी सिंह पिता– बसंती सिंह	राधेश्याम दांगी	बिशेश्वर दांगी	केदार दांगी	पक्की सड़क
170	-	541	–	–	0.0026	बिन्देश्वरी सिंह वगै0 पिता– बसंती सिंह	हिरालाल दांगी	मलू दांगी	माधोश्याम दांगी	पक्की सड़क
171	-	542	–	–	0.0026	बिन्देश्वरी सिंह वगै0 पिता– बसंती सिंह	हिरालाल दांगी	मलू दांगी	माधोश्याम दांगी	पक्की सड़क
172	-	543	–	–	0.0026	बिन्देश्वरी सिंह वगै0 पिता– बसंती सिंह	हिरालाल दांगी	मलू दांगी	माधोश्याम दांगी	पक्की सड़क
				कुल	3.0307					

संरचना का विवरणी

क्र0	खाता सं0	सर्वे भूखंड सं0	स्वामित्व का प्रकार	संरचना	संरचना का स्वरूप	हितबद्ध व्यक्ति का नाम व पता	सीमा संरचना उ0	द0	पू0	प0
173	61 61 67	908 909 910	रैयती	बाउण्ड्री	-	पंकज कुमार सिंह पिता– ईश्वरी सिंह	अर्जुन दांगी	बरवाडीह सिमाना	पक्की सड़क	सुरेन्द्र दांगी
174	64	911	रैयती	मिट्टी मकान	-	भुनेश्वर भुईयां वगै0 पिता– मतु भुईयां	केदार दांगी	बरवाडीह सिमाना	राजेसन्दर दांगी	पक्की सड़क
175	79 68	920 916	रैयती	मिट्टी मकान	-	अजीत कुमार सिंह वगै0 पिता– रामलखन सिंह	धनंजय दांगी	प्रमोद राणा	हेमलाल दांगी	पक्की सड़क
176	16	928	रैयती	पक्का मकान	-	वकील दांगी पिता– सूरत महतो	अर्जुन महतो	केदार दांगी	हरलाल दांगी	पक्की सड़क
177	16	929	रैयती	पक्का मकान	-	हीरा लाल भुईयां पिता– विदेशी भुईयां	गंदौरी दांगी	धनंजय दांगी	प्रकाश दांगी	पक्की सड़क
178	16	929	रैयती	पक्का मकान	-	मनोज भुईयां पिता– गेंदो भुईयां	सुरेन्द्र दांगी	अर्जुन दांगी	टिंकु महतो	पक्की सड़क
179	16	929	रैयती	पक्का मकान	-	अमृत भुईयां पिता– महेश भुईयां	दिनेश्वर भुईयां	प्रमोद राणा	टिकेश्वर दांगी	पक्की सड़क
180	15 18 18	944 945 946	रैयती	पक्का मकान	-	बिकास भुईयां वो संजय भुईयां पिता– नागेश्वर भुईयां	चुरामन दांगी	अर्जुन दांगी	पक्की सड़क	बरवाडीह सिमाना
181	-	947 948	–	पक्का मकान	-	झरी भुईयां वो चरका भुईयां पिता– एतो भुईयां	प्रमोद गुप्ता	गंदोरी दांगी	पक्की सड़क	बरवाडीह सिमाना
182	-	949 950	–	पक्का मकान	-	भुनेश्वर भुईयां पिता– मोती भुईयां	भीम कुमार दांगी	चुरामन दांगी	पक्की सड़क	सुरेन्द्र दांगी
183	-	951 952 953	–	पक्का मकान	-	भुनेश्वर भुईयां पिता– मोती भुईयां	दीपेन्द्र नाथ दांगी	चुरामन दांगी	पक्का सड़क	बरवाडीह सिमाना
184	-	954	–	पक्का मकान	-	बैजु दांगी पिता– पूरण महतो	भीम कुमार दांगी	सुरेन्द्र दांगी	पक्की सड़क	बरवाडीह सिमाना
185	-	954	–	पक्का मकान	-	बासुदेव भुईयां पिता– सुखन भुईयां	दीपेन्द्र नाथ दांगी	दीपेन्द्र नाथ दांगी	सड़क	बरवाडीह सिमाना
186	-	955	–	पक्का मकान	-	विजय दांगी पिता– प्रयाग महतो	सुरेन्द्र दांगी	भीम कुमार दांगी	पक्की सड़क	बरवाडीह सिमाना
187	-	955	–	पक्का मकान	-	दशरथ दांगी वगै0 पिता– जोधी महतो	महावीर महतो	दिनेश्वर महतो	रामजीत महतो	पक्की सड़क
189	128	956	गै0 आम	पक्का मकान	-	चलितर सोनी पिता– तुलसी सोनी	परमेश्वर दांगी	दर्शन महतो	निटेश्वर महतो	पक्की सड़क
190	99	958 1004	रैयती	पक्का मकान	-	जदगीश राणा पिता– सरयु राणा	नाला	रामेश्वर महतो	नाला	नीज
191	01	925	रैयती	पक्का मकान	-	निरंजन सिंह पिता– राधो सिंह	मुसाफिर दांगी	नाला	नीज	पक्की सड़क
192	-	926	–	पक्का मकान	-	सुमेर सिंह पिता–रामनारायण सिंह वो नीरज सिंह पिता– राधो सिंह	–	–	–	–
193	99	1004	रैयती	पकामकान	-	बालेश्वर दांगी पिता– गणेश	हरीश महतो	परमेश्वर	नीज	सड़क
194	99	1004	रैयती	पक्का मकान	-	विशेश्वर दांगी पिता– लालो महतो	मुसाफिर दांगी	नाला	नीज	पक्की सड़क
195	68	1005	रैयती	पक्का मकान	-	कामख्या सिंह पिता– राजु सिंह	झमन दांगी	हरीश दांगी	मुसाफिर दांगी	पक्की सड़क
196	25	622	रैयती	पक्का मकान	-	बिनोद सिंह पिता– रिधो सिंह वो अजीत सिंह वगै0 पिता– लखन सिंह वो शम्भु सिंह पिता– छेदी सिंह	त्रिभुवन दांगी	झालु महतो	सड़क	बिरोचन महतो
197	37	1178	रैयती	पक्का मकान	-	आदित्य दांगी पिता– जागेश्वर दांगी	बैजु यादव	शकुंतला देवी	सड़क	केशो महतो
198	-	11, 771, 178	–	पक्का मकान	-	अजित सिंह वगै0 वो बिनोद सिंह पिता– रिधो सिंह	मंजु देवी	नीज	पक्की सड़क	नीज
199	-	1182	–	मिट्टी मकान	-	सुरेश दांगी पिता– लिलो दांगी	गुलाब चंद दांगी	झमन दांगी	नीज मकान	पक्की सड़क
200	-	1198	–	पक्का मकान	-	बिरेन्द्र ठाकुर पिता– चमारी ठाकुर	बोनी महतो	रामेश्वर दांगी	नीज	पक्की सड़क
201	-	1200, 1201	–	मिट्टी मकान	-	गिराज महतो पिता– कोमल महतो	रामदेव महतो	प्रदीप दांगी	गुरूचरण दांगी	पक्की सड़क
202	-	621	–	पक्का मकान	-	सुदर्शन सिंह पिता– मादो सिंह	बिरोचन गिरी	कामेश्वर दांगी	बिरोचन गिरी	पक्की सड़क
203	1	619	रैयती	पक्का मकान	-	बिन्देश्वरी सिंह पिता– बसंती सिंह	राजु दांगी वगै0	कच्ची रास्ता	सड़क	मंटु साव
204	1	616	रैयती	पक्का मकान	-	जानकी दांगी वो दिनेश्वर दांगी पिता– जगरनाथ दांगी	प्रमंड गिरी	प्रकाश गिरी	नीज	पक्की सड़क
205	147	1235	रैयती	पक्का मकान	-	लालो महतो पिता–............	राजेश दांगी	इन्द्रदेव दांगी	नीज	देवनर दांगी
206	147	1235	रैयती	पक्का मकान	-	तिलेश्वर महतो पिता– धनु महतो वो वासुदेव दांगी वो सेवाली दांगी पिता– पेमा महतो	गंदौरी गिरी	रासदेव महतो	सड़क	नीज
207	101	1292	रैयती	पक्का मकान	-	राजकुमार दांगी पिता– चेतो महतो	राजेश दांगी	अरूण दांगी	पक्की सड़क	नीज
208	05	608	रैयती	पक्का मकान	-	जनार्दन दांगी पिता– अम्बिका महतो	जवाहर साव	गोवर्धन महतो	झालु महतो	पक्की सड़क
209	99	606	रैयती	पक्का मकान	-	मानकी महतो पिता– पेमा महतो	पचकोड़ी दांगी	भोला महतो	पचकोड़ी दांगी	पक्की सड़क
210	99	606	रैयती	पक्का मकान	-	सुदर्शन सिंह पिता– मादो सिंह	अशोक दांगी	जवाहर साव	नीज	पक्की सड़क
211	01	605	रैयती	पक्का मकान	-	राजकुमार दांगी पिता– चेतो महतो	राजु दांगी	अशोक दांगी	जयराम दांगी	पक्की सड़क
212	-	600	–	मकान	-	सुनीता देवी पति– रंजीत सिंह	मिथलेश केशरी	विकास दांगी	सड़क	नीज
213	32	573	रैयती	मकान	-	चरण यादव पिता– नेमा महतो	राम प्रसाद	कमलेश दांगी	सड़क	संजय दांगी
214	47	555	रैयती	मकान	-	पुरन यादव पिता–नेमा यादव	बिनोद प्रसाद कुशवाहा	सुरेन्द्र कुशवाहा	सड़क	संजय दांगी
215	47	555	रैयती	मकान	-	सुगन्ती देवी पति– रामचन्द्र दांगी	अशोक कु0 दांगी	बिनोद कुशवाहा	पक्की सड़क	कैमल राम
216	32	554	रैयती	बाउण्ड्री	-	रेवा रजक वगै0 वो रघु रजक वगै0 नरेश रजक वगै0 पिता– भीखन रजक	चन्द्रदेव दांगी	दिपेन्द्र दांगी	सड़क	अजय राणा
217	131	1560	रैयती	पक्का मकान	-	रेवा रजक पिता– पेमन बैठा	हरीश दांगी	अशोक कु0 दांगी	सड़क	बिशेश्वर दांगी
218	131	5161	रैयती	पक्का मकान	-	रघु राम पिता– बाढ़ो रजक	जय प्रकाश नारायण	सहदेव दांगी	सहदेव दांगी	पक्की सड़क
219	131	1561	रैयती	बाउण्ड्री	-	पंकज रजक पिता– बिजय रजक	जयराम दांगी	मोहन प्रजापति	नीज	पक्की सड़क
220	128	552	गै0खास, परती कदीम	मकान	-	रघु राम पिता– बाढ़ो रजक वो पंकज रजक पिता– बिजय	समलाल दांगी	पिपेन्द्र नाथ दांगी	सड़क	नीज
221	25	622	रैयती	कुआं	-	अर्जुन दांगी पिता– तेजो महतो	घनश्याम दांगी	दशरथ दांगी	डालो दांगी	पक्की सड़क

वृक्ष की विवरणी

क्र0	खाता सं0	सर्वे भूखंड सं0	स्वामित्व का प्रकार	वृक्ष	वृक्ष का स्वरूप	हितबद्ध व्यक्ति का नाम व पता	सीमा संरचना उ0	द0	पू0	प0
222	-	546	रैयती	कठर पेड़	–	बंशी रजक पिता– बाढ़ो रजक	नरकु दांगी	मिथिलेश कुमार	पक्की सड़क	जालेश्वर दांगी

यह अधिसूचना भू–अर्जन, पुनर्वासन और पुनर्व्यवस्थापन मे उचित प्रतिकर एवं पारदर्शिता अधिकार अधिनियम, 2013 (अधिनियम संख्या 30/2013). की धारा–11(1) के उपबंधों के अधीन सभी संबंधित व्यक्तियों के लिए जारी की जाती है।

भूमि की योजना का निरीक्षण जिला भू–अर्जन पदाधिकरी, चतरा के कार्यालय में किसी कार्य दिवस की कार्यावधि में किया जा सकेगा। झारखण्ड सरकार/समाहर्त्ता–सह–समुचित सरकार उक्त अधिनियम की धारा 12 में यथाउपबंधित एवं यथाविनिर्दिष्ट कार्यों के समुचित निष्पादन हेतु अपेक्षित किसी भूमि का सर्वेक्षण एवं उसकी प्रविष्टि करने किसी भूमि के किसी स्तर को मापने के लिए, अवभूमि खोदने या भू–वेधन–छिद्र करने सहित सभी अन्य कार्यों के संचालन करने हेतु जिला भू–अर्जन पदाधिकारी, चतरा और उनके कर्मचारी कानूनगो/अमीन/ संबंधित को प्राधिकृत करती है।

अधिनियम की धारा 11(4) के अधीन कोई जिला समाहर्त्ता के पूर्विक अनुमोदन के बिना इस अधिसूचना के प्रकाशन की तिथि से प्रारंभिक अधिसूचना में विनिर्दिष्ट भूमि का कोई अंतरण यथा क्रय/विक्रय नहीं करेगा या ऐसा कोई अंतरण नहीं करवाएगा या ऐसी भूमि पर कोई अवभार नहीं उत्पन्न करेगा। अधिनियम की धारा 15 के अधीन यथाउपबंधित इस अधिसूचना के प्रकाशन की तिथि से साठ (60) दिनों के अंतर्गत भू–अर्जन की बाबत किसी प्रकार की अपत्तियां हितबद्ध व्यक्ति द्वारा जिला भू–अर्जन पदाधिकारी, चतरा के समक्ष दर्ज की जा सकेगी।

उपायुक्त,
चतरा।

PR 352471 (Land Reforms) 25-26 (D)

आइटीआइ कर्रा में ऑनलाइन प्रशिक्षण के लिए 13 जून तक आवेदन कर सकते हैं अभ्यर्थी

खूंटी। कर्रा प्रखंड की सदर पंचायत के कर्रा-बेड़ो रोड स्थित श्रम नियोजन प्रशिक्षण एवं कौशल विकास विभाग द्वारा औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (एलडब्लूई) कर्रा में सत्र 2025-26 और 2027 में नामांकन के लिए 20 मई से 13 जून तक अभ्यर्थी ऑनलाइन आवेदन भर सकते हैं। संस्थान में इलेक्ट्रिशियन के लिए रिक्त सीटों की संख्या 20 है, जिसके प्रशिक्षण की अवधि दो वर्ष है। आवेदक की शैक्षणिक योग्यता मैट्रिक और उससे अधिक होना चाहिए। इलेक्ट्रॉनिक अप्लायंसेज मैकेनिक कंज्यूमर एंड इलेक्ट्रॉनिक अप लाइसेंस रिक्त सीटों की संख्या 24 है, प्रशिक्षण दो वर्ष का होगा। मेंशन बिल्डिंग कंस्ट्रक्टर रिच एजुकेशन क्या है 48 है और प्रशिक्षण की अवधि एक वर्ष है। फिजियोथैरेपी टेक्नीशियन रिक्त की संख्या 48 है तथा इसकी अवधि एक बर्ष है। वेल्डर के लिए 40 रिक्त सीट हैं, जिसकी प्रशिक्षण अवधि एक वर्ष है। कर्रा प्रखंड के स्थानीय छात्र-छात्राओं को नामांकन में प्राथमिकता दी जायेगी।

अशोक ओसीपी में एसके सिंह को दी गयी विदाई

पिपरवार (आजाद सिपाही)। सीसीएल पिपरवार कोयलांचल क्षेत्र के अशोक ओसीपी के खान प्रबंधक एसके सिंह को पुरनाडीह परियोजना पदाधिकारी बनाए जाने पर गुरुवार को अशोक ओसीपी परियोजना कार्यालय में एक भव्य विदाई सह सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। अपने विदाई भाषण में एसके सिंह ने अशोक ओसीपी में बिताये अपने कार्यकाल को यादगार बताते हुए कहा कि यहां के सहयोगियों और कर्मचारियों के सहयोग व समर्थन ने उन्हें हमेशा प्रेरित किया। उन्होंने सभी का आभार व्यक्त करते हुए पुरनाडीह परियोजना में भी इसी समर्पण भाव से कार्य करने की प्रतिबद्धता जतायी। इस अवसर पर परियोजना से जुड़े कई वरिष्ठ अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे, जिनमें धीर प्रताप,राजेश कुमार सिंह, मिथिलेश कुमार, मोहनलाल सिंह, किशन अवस्थी, अखिल पांडेय, मनोहर टमटा, अजेश भंडारी, सदानंद टोप्पो, दिनेश, तथा आरपी मिश्रा प्रमुख रूप से शामिल रहे।

नेताजी सुभाषचंद्र बोस आवासीय विद्यालय खूंटी में समर कैंप का आयोजन

खुद पर भरोसा रखें और शिक्षा को हथियार बनायें : राजश्री अपर्णा

आजाद सिपाही संवाददाता

खूंटी। नेताजी सुभाषचंद्र बोस आवासीय विद्यालय, खूंटी में गुरुवार को समर कैंप का आयोजन किया गया। यह कैंप बच्चों के सर्वांगीण विकास और आत्मविश्वास को बढ़ाने के उद्देश्य से आयोजित किया गया। कार्यक्रम में जिले के कई गणमान्य अतिथि उपस्थित थे, जिन्होंने बच्चों के साथ संवाद किया और उन्हें प्रेरणा दी। इस अवसर पर जिला विधिक सेवा प्राधिकार की सचिव राजश्री अपर्णा कुजूर, जिला बाल संरक्षण पदाधिकारी मो अल्ताफ, सहयोग विलेज संस्था के राम सुरेश राय, अश्विनी मिश्रा और दीनानाथ विशेष रूप से मौजूद रहे। कार्यक्रम की शुरूआत बच्चों द्वारा प्रस्तुत स्वागत गान से हुई। रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियों और तीरंदाजी का प्रदर्शन हुआ, जिसमें

बच्चों ने अपने कौशल और उत्साह का परिचय दिया। कार्यक्रम में बच्चों द्वारा बनायी गयी आकर्षक पेंटिंग्स अतिथियों को उपहार स्वरूप भेंट की गईं। राजश्री अपर्णा कुजूर ने ने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि आप सभी बच्चों की आंखों में जो चमक है, वह इस बात की गवाही देती है कि आप अपने जीवन में बहुत आगे जा सकते हैं। यह विद्यालय आपके जैसे बच्चों के लिए एक नई शुरूआत है। जीवन में मुश्किलें आती हैं, लेकिन उन्हें पार करके ही सफलता मिलती है। आप खुद पर भरोसा रखें और शिक्षा को अपना सबसे बड़ा हथियार बनाएं। कोई भी परिस्थिति आपकी उड़ान को रोक नहीं सकती, अगर आपके इरादे मजबूत हों। उन्होंने कहा कि विधिक सेवा प्राधिकार बच्चों के अधिकारों की रक्षा के लिए सदैव तत्पर है और उन्हें हर संभव सहायता दी जाएगी। जिला बाल संरक्षण पदाधिकारी अल्ताफ ने भी बच्चों की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार के आयोजन न सिर्फ बच्चों की प्रतिभा को सामने लाते हैं, बल्कि उन्हें आत्मनिर्भर बनने की दिशा में प्रेरित करते हैं। विद्यालय के प्राचार्य ने अतिथियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन बच्चों में आत्मबल, रचनात्मकता और सामाजिक जुड़ाव की भावना का विकास करते हैं। उन्होंने कहा कि नेताजी सुभाषचंद्र बोस आवासीय विद्यालय, खूंटी सरकार द्वारा संचालित एक विशेष विद्यालय है, जो अनाथ, एकल अभिभावक वाले, नक्सल प्रभावित क्षेत्रों से आए, और बाल श्रम से मुक्त कराए गए बच्चों के लिए एक सुरक्षित और संरक्षित वातावरण प्रदान करता है। यह विद्यालय इन बच्चों को एक नया जीवन और भविष्य देता है।

रैयत विस्थापित मोर्चा ने नये परियोजना पदाधिकारी से की मुलाकात

खलारी (आजाद सिपाही)। रैयत विस्थापित मोर्चा एनके एरिया के प्रतिनिधिमंडल ने गुरुवार को पुरनाडीह के नए परियोजना पदाधिकारी संजय कुमार सिंह से मुलाकात किया। प्रतिनिधि मंडल ने सबसे पहले नए परियोजना पदाधिकारी का बुके देकर स्वागत किया। साथ पुरनाडीह परियोजना पदाधिकारी बनने के लिए बधाई दी। साथ ही पुरनाडीह परियोजना क्षेत्र के रैयत विस्थापित की समस्या से अवगत कराया। परियोजना पदाधिकारी को रैयत विस्थापित की नौकरी मुआवजा, पुनर्वास, रोजगार सहित गांव में मूलभूत सुविधा उपलब्ध कराने का आग्रह किया। परियोजना पदाधिकारी ने भी मोर्चा को आश्वासन दिया कि खदान विस्तारीकरण में सभी ग्रामीण सहयोग करे तो निश्चित रूप से सभी रैयत विस्थापित को उनका हक अधिकार एव मूलभूत सुविधाएं मुहैया कराने में प्रबंधन हमेशा तत्पर रहेगा। प्रबंधन ग्रामीणो की समस्याओं के समाधान के प्रति हमेशा प्रयत्नशील रहेगा। इस मौके पर मोर्चा के एरिया अध्यक्ष बिगन सिंह भोगता, नरेश गंझु, विनय खलखो, रामलखन गंझू आदि उपस्थित थे

बड़ा मुरी में फांसी लगा कर आत्महत्या की

मुरी (आजाद सिपाही)। बड़ा मुरी निवासी सुधीर मुंडा उम्र 42 वर्ष पिता स्वर्गीय ठाकुरदास मुंडा ने पेड़ में फांसी लगाकर आत्महत्या कर लियौ। घटना के संबंध में उनकी पत्नी और उनके परिवार वालों से पूछताछ में पता चला कि घरेलू परेशानी को लेकर उसने आत्महत्या कर ली। मृतक कुछ समय से परेशान चल रहा था। इस संबंध में मृतक की पत्नी के द्वारा आवेदन दिया गया है। मुरी ओपी पुलिस मामला की जांच कर रही है। मृतक हिंडाल्को में काम करता था।

डीटीओ ने विकास योजना का किया निरीक्षण

ईचागढ़ (आजाद सिपाही)। प्रखंड क्षेत्र के टीकर पंचायत के विभिन्न गांव में मनरेगा के तहत हो रहे कार्य का जिला परिवहन पदाधिकारी गिरिजा शंकर महतो ने गुरुवार को औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने लाभुकों से बात कर वस्तु स्थिति के बारे जानकारी लिया और लंबित कार्यों को ससमय पुरा करने हेतु संबंधित कर्मी को दिशा निर्देश दिया। वहीं डीटीओ गिरजा शंकर महतो ने बताया कि उपायुक्त के निदेर्शानुसार गुरुवार को ईचागढ़ प्रखंड क्षेत्र में विभिन्न विकास योजना का निरीक्षण किया गया।

विधानसभा की आवास समिति ने किया खूंटी का दौरा, अधिकारियों को दिये निर्देश

आजाद सिपाही संवाददाता

खूंटी। झारखंड विधानसभा की आवास समिति ने गुरुवार को खूंटी जिले का दौरा किया। इस अवसर पर समिति के सभापति विधायक दशरथ गगराई और सदस्य समीर कुमार मोहंती ने परिसदन भवन, खूंटी के सभागार में विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ बैठक की। बैठक में उपायुक्त लोकेश मिश्रा और पुलिस अधीक्षक अमन कुमार ने समिति के सदस्यों का पुष्प गुच्छ एवं पौधा भेंट कर स्वागत किया। बैठक में विद्युत, शिक्षा, स्वास्थ्य, भवन निर्माण, ग्रामीण विकास, पथ निर्माण, जल संसाधन, कृषि एवं पशुपालन, कल्याण, नगर पंचायत, उत्पाद, परिवहन, वन, राजस्व एवं भूमि सुधार, खनन सहित अन्य विभागों के कार्यों की विस्तृत समीक्षा की गई। समीक्षा के क्रम में सभापति द्वारा विद्युत विभाग को उन टोलों में विद्युतीकरण सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया, जहां अब तक यह कार्य लंबित है। कल्याण विभाग को साइकिल वितरण योजना में तीव्रता लाने का निर्देश दिया गया। भवन निर्माण विभाग को सरकारी भवनों की मरम्मती कार्य समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण रूप से पूरा करने को कहा गया। नगर पंचायत क्षेत्र में प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के लाभुकों को समय पर लाभ पहुंचाने तथा लंबित आवासों के निर्माण को शीघ्र पूर्ण करने का निर्देश दिया गया। शिक्षा विभाग को निमार्णाधीन विद्यालय भवनों का कार्य समय पर पूरा करने एवं अतिरिक्त क्लास रूम निर्माण को लेकर विभाग को पत्राचार करने को कहा गया। स्वास्थ्य विभाग को निमार्णाधीन उप स्वास्थ्य केंद्रों को शीघ्र पूर्ण कर चालू करने के लिए दिए गए दिशा-निर्देश। समीक्षा बैठक में समिति ने सभी विभागों को कार्यों की गुणवत्ता एवं समय सीमा का विशेष ध्यान रखने का निर्देश दिया। बैठक में मुख्य रूप से उप विकास आयुक्त, अनुमंडल पदाधिकारी, अपर समाहर्ता, सिविल सर्जन, विभिन्न विभागों के पदाधिकारी, कार्यपालक अभियंता समेत अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित थे।

बैशाख संक्रांति पर शिव पूजा का आयोजन

धधकती अंगारों पर चलकर शिवजी को खुश करने का हुआ अनोखा रिवाज

आजाद सिपाही संवाददाता

ईचागढ़। सरायकेला-खरसावां जिला के ईचागढ़ प्रखंड क्षेत्र के कुटाम गांव में प्राचीन काल से ही बैशाख संक्रांति को शिव पूजा सामुहिक रूप से किया जाता है। वहीं इस वर्ष भी गुरूवार को पाट भक्ता देवेन्द्र गोप को लकड़ी का पटरा में लोहे का नुकिले कील लगाकर कांटीयों के ऊपर लेटाकर तालाब से शिव मंदिर लाया गया। पुजारी शिवराम तिवारी ने विधि विधान से शिव मंदिर में पूजा अर्चना किया। वहीं गाजे बाजे के साथ पाट भक्ता को मंदिर लाने के बाद सैकड़ों महिला पुरुष धधकती अंगारे पर चलकर शिव भक्ति का परिचय दिया। रात को रंगारंग कार्यक्रम व दो दलों के बीच छऊ नृत्य का आयोजन किया गया। वहीं पूजा समिति के गणपति गोप ने बताया कि काली घटा, दूर्गा घट, गणेश व शिव घट तालाब से लाया जाता है और मंदिर में प्रवेश कराया जाता है। उन्होंने कहा कि आज पाट भक्त को लोहे का नुकिले कील पर लेटाकर मंदिर लाया गया एवं एक सप्ताह तक कठोर व्रत रखकर ग्रामीण धधकती अंगारों पर चलकर भगवान शिव को प्रसन्न करने का प्रयास किया। उन्होंने कहा कि लोहे का नुकिला कील पर लेटकर एक किलोमीटर दूर से मंदिर आने के बाद भी घाव नहीं होता और धधकती अंगारों पर चलने से पैरों में न छाले पड़ते हैं और न घाव होता है। उन्होंने कहा कि यह भगवान शिवजी का ही चमत्कार हैं। मौके पर बीरबल गोप, दयाल सिंह मुण्डा, संतोष प्रामाणिक, छुटु प्रामाणिक, शशधर गोप, नंदलाल सिंह मुंडा, नव किशोर सिंह मुंडा सहित सैकड़ों ग्रामीण उपस्थित थे।

संत माइकल +2 स्कूल मुरी के दसवीं और बारहवीं के टॉपर्स को सम्मानित किया गया

मुरी (आजाद सिपाही)। सीबीएसई बोर्ड परीक्षा के कक्षा दसवीं और बारहवीं का परिणाम दिनांक 13/05/25 को घोषित हुआ। जिसमें संत माईकल + 2 स्कूल का रिजल्ट शत प्रतिशत रहा। शुक्रवार को सभी टॉपर बच्चों को पुष्प गुच्छ देकर तथा मिठाई खिला कर विद्यालय प्रांगण में सम्मानित किया गया। इस खुशी के मौके पर बच्चे, अभिभावकगण तथा शिक्षक कर्मी उपस्थित हुए। सभी ने एक साथ सफलता की खुशियां मनायी। विद्यालय के निर्देशक राकेश कुमार ने खुशी जाहिर करते हुए सभी शिक्षकों एवं विद्धार्थियों को बधाई दी। उन्होंने ये भी कहा कि ये परिणाम विद्यार्थियों की कड़ी मेहनत का ही फल है। इस मौके पर विद्यालय के शिक्षक और शिक्षकाएं मनीषा सिंह, ममता गोस्वामी, रमेश गौराई, वंदना कुमारी, किशोर कुमार, वि. वेंकट राव, अजय चिक बराईक, राहुल कुमार मिलन, प्रीति लता मुंडू इत्यादि उपस्थित थे।

खूंटी में सिलाई मशीन के लिए 218 महिला लाभुकों की सूची का अनुमोदन

खूंटी (आजाद सिपाही)। समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में गुरुवार को उपायुक्त लोकेश मिश्रा की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई। बैठक का उद्देश्य जनजातीय क्षेत्रीय योजना अंतर्गत स्वीकृत सिलाई मशीन वितरण योजना के तहत जेएसएलपीएस द्वारा गठित महिला स्वयं सहायता समूह के अधीन अनुसूचित जनजाति की महिला लाभुकों की प्रस्तावित सूची का अनुमोदन करना था। बैठक में खूंटी लोकसभा क्षेत्र के सांसद प्रतिनिधि पांड्या मुण्डा, खूंटी विधानसभा क्षेत्र के विधायक प्रतिनिधि डिक्सन पूर्ति, तोरपा विधानसभा क्षेत्र के विधायक प्रतिनिधि राहुल केसरी सहित अन्य जनप्रतिनिधि, उप विकास आयुक्त, अनुमंडल पदाधिकारी, परियोजना निदेशक (आईटीडीए) एवं संबंधित विभागों के पदाधिकारीगण उपस्थित रहे। उपस्थित सदस्यों की सम्मति से 218 महिला लाभुकों की सूची को अनुमोदित किया गया। इसके अंतर्गत इन लाभुकों को सिलाई मशीन प्रदान कर स्वरोजगार के लिए प्रोत्साहित किया जायेगा, जिससे उनके आर्थिक सशक्तकिरण को बल मिलेगा।

पिपरवार के बाल विकास विद्यालय में स्कूल बैग और पाठ्य सामग्री का वितरण

पिपरवार। सीसीएल पिपरवार एरिया प्रबंधन के द्वारा सीएसआर योजना के तहत ग्रामीण क्षेत्र के स्कूलों में शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए लगातार पाठ्य सामग्री का वितरण किया जा रहा है। इसी क्रम में गुरुवार को पिपरवार एरिया प्रबंधन के द्वारा बचरा उत्तरी पंचायत के बाल विकास विद्यालय के प्रांगण में कार्यक्रम आयोजित कर स्कूल के बच्चों के बीच स्कूल बैग और पाठ्य सामग्री का वितरण किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में झारखंड प्रदेश महिला कांग्रेस की अध्यक्ष सह बचरा उत्तरी पंचायत की मुखिया गुंजन कुमारी सिंह और विशिष्ट अतिथि में पिपरवार एरिया के सीएसआर पदाधिकारी उज्ज्वल कुमार मौजूद थे। इस मौके पर झारखंड प्रदेश महिला कांग्रेस की अध्यक्ष गुंजन कुमारी सिंह, सीएसआर पदाधिकारी उज्जवल कुमार, स्कूल के प्रधानाध्यापक देवेंद्र कुमार, शिक्षक चंदू कुमार, जसवीर कौर, सुषमा देवी, गुड़िया देवी, गोल्डी शर्मा सहित स्कूल के सभी शिक्षक बच्चों एवं काफी संख्या में अभिभावक भी मौजूद थे।

डकरा के नये परियोजना पदाधिकारी ने लिया पदभार

खलारी (आजाद सिपाही)। डकरा परियोजना कार्यालय में गुरुवार को नए परियोजना पदाधिकारी संजीव कुमार ने योगदान दिया। वहीं पूर्व परियोजना पदाधिकारी अनिल कुमार सिंह ने उन्हें कार्यभार सौंपा। इस अवसर नये परियोजना पदाधिकारी संजीव कुमार के स्वागत के साथ पूर्व परियोजना पदाधिकारी अनिल कुमार सिंह को भावभीनी विदाई दी गयी। अनिल कुमार सिंह का स्वागत संजीव कुमार के द्वारा बुके देकर किया गया। मौके पर उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने अनिल कुमार के कार्यकाल एवं अनुभवों को साझा करते हुए उन्हें हमेशा याद रखने की बात कही। वहीं अनिल कुमार ने सभी कर्मचारियों को परियोजना के सफल संचालन में सहयोग देने के लिए सराहना करते हुए धन्यवाद दिया। इस मौके पर खान प्रबंधक अशोक कुमार, पिरीदास, प्रकाश गेहलोत, एमडी तनवीर, अरुण मीणा, उदय, प्रभाकर, तामसील अहमद, अतुल कटिहार, मंजर हुसैन, संजय सिन्हा, आनंद राज, नवनीत, देवपाल, अशोक, मनोज, मयूर, मेरी रोज एक्का, गुड़िया देवी और अन्य कर्मचारी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री स्वास्थ्य सहायता योजना के तहत 125 लाभुकों का चयन

खूंटी (आजाद सिपाही)। मुख्यमंत्री स्वास्थ्य सहायता योजना अंतर्गत उपायुक्त लोकेश मिश्रा ने गुरुवार को समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की। बैठक में अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, पिछड़ा वर्ग सहित अन्य समुदायों के अनुशंसा प्राप्त 125 पात्र लाभुकों का समिति द्वारा अनुमोदन किया गया। बैठक में निर्णय लिया गया कि इन सभी लाभुकों को टीबी, कैंसर सहित अन्य गंभीर बीमारियों के इलाज के लिए सरकार की ओर से 25 हजार रुपये तक की आर्थिक सहायता राशि प्रदान की जायेगी। उपायुक्त ने कहा कि मुख्यमंत्री स्वास्थ्य सहायता योजना के माध्यम से जरूरतमंद मरीजों को राहत पहुंचाना राज्य सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल है। बैठक में खूंटी लोकसभा क्षेत्र के सांसद प्रतिनिधि पंड्या मुंडा, खूंटी विधानसभा क्षेत्र के विधायक प्रतिनिधि डिक्सन पूर्ति, तोरपा विधानसभा क्षेत्र के विधायक प्रतिनिधि राहुल कुमार केसरी सहित अन्य जनप्रतिनिधि, उप विकास आयुक्त, अनुमंडल पदाधिकारी, परियोजना निदेशक (आईटीडीए), जिला कल्याण पदाधिकारी और संबंधित विभागों के पदाधिकारी उपस्थित थे।

सीआइएसएफ ने तीन टन कोयले के साथ छह मोटरसाइकिल को किया जब्त

खलारी (आजाद सिपाही)। सीआईएसएफ कमांडेंट कमलेश चौधरी के निर्देश पर गुरुवार की सुबह सीसीएल की डकरा रेलवे साइडिंग के निकट कोल रेड कर कोयला चोरी कार्य में लगे छह मोटरसाइकिल और करीब तीन टन कोयला को जब्त किया गया। सभी मोटरसाइकिल को खलारी थाना के सुपुर्द कर दिया गया। वहीं बरामद कोयले को सीसीएल के हवाले कर दिया गया। सीआईएसएफ जवानों के द्वारा कॉल रेट किये जाने के दौरान सभी कोयला ले जाने वाले लोग मौके से भाग निकले। सीआईएसफ को सूचना मिली थी कि डकरा रेलवे साइडिंग के निकट से पिछले कई दिनों से काफी मात्रा में स्लाइडिंग से कोयला चोरी कर ले जाया जा रहा है। इस कोयला चोरी रोकने को लेकर कमांडेंट के निर्देश में छापेमारी टीम का गठन किया गया। जिसके द्वारा छापेमारी कर सफलता पायी गयी। इस अभियान में इंस्पेक्टर डीके पांडे, एचसी /सीटी दिनेश कुमार, सीआईडी सूरज कुमार ठाकुर, वेलमुरूगन और सीसीएलके सुरक्षा जवान मौजूद थे।

परिवार के बिना समाज की परिकल्पना अधूरी: सकलदीप

खूंटी (आजाद सिपाही)। मुरहू स्थित श्योर सक्सेस कोचिंग सेंटर में गुरुवार को विश्व परिवार दिवस मनाया गया। इस अवसर पर छात्र-छात्राओं को परिवार का महत्व समझाते हुए संस्थान के शिक्षक सह निदेशक सकलदीप भगत ने कहा कि परिवार आपका आत्मविश्वास बढ़ाता है और बिना शर्त प्यार प्रदान करता है। यह ताकत के एक दृढ़ स्तंभ के रूप में कार्य करता है, जिससे आप अपना सर्वश्रेष्ठ हासिल कर पाते हैं। एक परिवार प्यार, सम्मान, विश्वास, आशा, देखभाल और अच्छे व्यवहार जैसे मूल्य सिखाता है। ये मूल्य व्यक्तिगत विकास के लिए अभिन्न अंग हैं। हमें यह याद रखना चाहिए कि हमारे जीवन में घर और परिवार की क्या अहमियत है हमारा परिवार ही हमें प्रेरित करता है। परिवार के बिना प्रत्येक इंसान इस दुनिया में अकेला है उनका अस्तित्व नहीं है। उन्होंने कहानियों के जरिए ये बताया कि समाज की परिकल्पना परिवार के बिना अधूरी है, ऐसे में परिवार लोगों को एक दूसरे के साथ जोड़े रखता है अथवा हर गम और खुशी के मौके पर एक दूसरे के साथ खड़ा रहता है। इस दौरान छात्रों को परिवार के सभी सदस्यों की भूमिका, सभी सदस्यो की अहमियत और महत्ता बताकर बच्चों को जागरूक करने का प्रयास किया। मौके पर शिक्षिका सावित्री आऔर रिया मौजूद थे।

डीएवी पब्लिक स्कूल कल्याणपुर और सीसीएल प्रबंधन के बीच हुआ एमओयू

18 मई से विस्थापित ग्रामीणों के बच्चों का शुरू होगा नामांकन

आजाद सिपाही संवाददाता

पिपरवार। सीसीएल पिपरवार अवार्ड क्षेत्र के डीएवी पब्लिक स्कूल कल्याणपुर चालु होने की सभी प्रक्रिया पुरी कर ली गई है। सीसीएल प्रबधंन और डीएवी संस्था के बीच एमओयू एग्रीमेन्ट हो चुका है। डीएवी पब्लिक स्कूल कल्याणपुर मे नये प्राचार्या के रूप मे डॉ अभिलाषा सिंह की नियुक्ति हो चुकी है। गुरुवार को डीएवी पब्लिक स्कूल कल्याणपुर की प्राचार्या डॉ अभिलाषा सिंह और डीएवी पब्लिक स्कूल बचरा की प्राचार्या डॉक्टर आर चौधरी ने

पिपरवार क्षेत्र के महाप्रबंधक संजीव कुमार से मुलाकात कर सीसीएल प्रबधंन और डीएवी संस्था के बीच हुए एमओयू एग्रीमेंट की कॉपी सौंपा। इस संबंध में स्कूल प्रबंधन की ओर से बताया गया सीसीएल प्रबधंन और डीएवी संस्था के बीच एमओयू एग्रीमेंट होने के बाद अब सोमवार 18 मई से डीएवी पब्लिक स्कूल कल्याणपुर मे नामांकन प्रक्रिया शुरू हो जायेगा। स्कूल में कक्षा बाल वाटिका से लेकर कक्षा पांचवी तक के बच्चों का नामांकन शुरू किया जायेगा। अभिभावक अब अपने बच्चों का नामांकन करा सकते हैं। ज्ञात होगी पिपरवार कोयलांचल क्षेत्र के विस्थापित ग्रामीणों की वर्षों से लंबित मांग अब पूरी हो जायेगी। कल्याणपुर डीएवी स्कूल खोलने की सारी कागजी प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। ज्ञात हो कि वर्ष 2015 में भारत के तत्कालीन कोयला मंत्री पीयूष गोयल के द्वारा कल्याणपुर में डीएवी स्कूल का उद्घाटन किया गया था, लेकिन करीब 10 वर्ष बीत जाने के बावजूद स्कूल शुरू नहीं हो सका था। वर्तमान पिपरवार क्षेत्र के महाप्रबंधक संजीव कुमार के अथक प्रयास के बाद अब स्कूल चालू होने वाला है। इससे पिपरवार क्षेत्र के विस्थापित ग्रामीणों में खुशी की लहर देखी जा रही है।

मानसिक स्वास्थ्य पर टेलीमानस टीम ने आयोजित किया जागरूकता कार्यक्रम

खूंटी (आजाद सिपाही)। मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने और लोगों को सही समय पर सहायता प्राप्त करने के लिए टेलीमानस, झारखंड की टीम द्वारा गुरुवार को ग्राम सभा में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान टेलीमानस टीम में शामिल झिमली, मनीषा, मयंक, ओमेगा और निशि ने टेलीमानस के बारे में जानकारी देते हुए बताया गया कि ग्रामीण किन मानसिक स्वास्थ्य स्थितियों में टेलीमानस हेल्पलाइन पर कॉल कर सकते हैं। और कौन सी ऐसी समस्याएं हैं, जिनका समाधान करने की जरूरत है। ग्राम प्रधान सह जिला परिषद सदस्य सुशील सांगा ने भी अपने विचार व्यक्त करते हुए ग्रामीणों को मानसिक स्वास्थ्य को लेकर सजग रहने की सलाह दी। कार्यक्रम में ग्रामीणों ने सक्रिय भागीदारी निभाई और मानसिक स्वास्थ्य से संबंधित विभिन्न शंकाओं और उसके समाधान पूछे। मौके पर कुछ ग्रामीणों द्वारा टेलीमानस हेल्पलाइन पर प्रदर्शन कॉल भी किए गये। इसके अलावा आदिम जाति सेवा मंडल प्लस टू उच्च विद्यालय, डुमरदगा में भी टेलीमानस टीम द्वारा जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर विद्यालय के छात्रों और शिक्षकों को मानसिक स्वास्थ्य और टेलीमानस हेल्पलाइन के उपयोग के बारेमें जानकारी दी गयी।

छठ घाट निर्माण कार्य में अनियमितता जिप अध्यक्ष का काम रोकने का निर्देश

मोरो तलाब में आठ लाख की लागत से नये छठ घाट और सात लाख की लागत से हो रहा नाली का निर्माण

आजाद सिपाही संवाददाता

इटकी। जिला परिषद (जिप) अध्यक्ष निर्मला भगत ने गुरुवार को प्रखंड के मोरो गांव में 15वें वित आयोग के बजट से हो रहे छठ घाट निर्माण कार्य का जायजा लिया। इस दौरान संवेदक की ओर से बरती जा रही भारी अनियमितता की जांच करने के बाद जिला अभियंता गुप्तेश्वर राम को निर्माण कार्य को तत्काल रोकने का निर्देश दिया है। बतातें चलें कि मोरो तलाब में करीब आठ लाख रुपये की लागत से नये छठ घाट और सात लाख रुपये की लागत से नाली का निर्माण कराया जाना है। विभाग ने निविदा के आधार पर संवेदक परवेज आलम को निर्माण कार्य की जिम्मेदारी सौंपी है। पर सवेंदक आलम ने नये छठघाट का निर्माण ना कर पुराने घाट की सिढ़ियों की मरम्मती कर कार्य की लिपापोती कर रहा था। इसकी शिकायत जिप सदस्य रीणा देवी ने उप विकास आयुक्त को लिखित देकर की थी। इसी के आलोक में डीडीसी ने विभाग के जिला अभियंता गुप्तेश्वर राम को जांच का आदेश जारी किया था। इस दिन जिला परिषद अध्यक्ष निर्मला भगत जिला अभियंता सहित कई अधिकारियों की टीम के साथ मोरो गांव पहुंची थीं। जांच के क्रम में छठ घाट निर्माण कार्य में भारी अनियमितता देख जिप अध्यक्ष निर्मला भगत नाराज हो गयी और तत्काल काम रोकने को कहा। इस दौरान जनता के पैसे का दुरुपयोग होते देख जिला अभियंता के बीच नोक झोक भी हो गई। ग्रामीण आरोप लगा रहे थे कि जिला अभियंता और संवेदक की मिली भगत से छठघाट के निर्माण कार्य में अनियमितता बरती जा रही है। कार्य का संवेदक द्वारा शिलन्यास भी नहीं किया गया है।

जांच में शामिल जिप सदस्य रीणा देवी, एई अनील टोप्पो, जेइ सहित अन्य लोग।

बिछड़े पति-पत्नी का पुनर्मिलन कराना हम सभी का उद्देश्य: ममता श्रीवास्तव

अधिवक्ता मध्यस्थ और दोनों पक्षों के अधिवक्ताओं ने सुलझाया पारिवारिक विवाद

आजाद सिपाही संवाददाता

अनगड़ा। रांची मध्यस्थता केंद्र में गुरुवार को प्री-लिटिगेशन वाद संख्या 166/2025 को अधिवक्ता मध्यस्थ ममता श्रीवास्तव एवं प्रथम पक्ष के अधिवक्ता विजय कुमार पांडे एवं द्वितीय पक्ष के अधिवक्ता स्जया जयसवाल के संयुक्त प्रयास से सुलझा लिया गया। यह प्री-लिटिगेशन रांची जिला विधिक सेवा प्राधिकार में लंबित था। डालसा सचिव रवि कुमार भास्कर के निर्देश पर इसे मध्यस्थता के लिए अधिवक्ता मध्यस्थ ममता श्रीवास्तव को सौंपा गया। उक्त वाद में पत्नी आरती केरकेट्टा ने अपने पति लाखो केरकेट्टा पर वाद दायर किया था। दोनों पति-पत्नी पिछले कई वर्षों से अलग रह रहे थे। दोनों का 10 साल का एक बेटा भी है, जो पांचवीं कक्षा में पढ़ाई कर रहा है। अधिवक्ता मध्यस्थ ममता श्रीवास्तव एवं दोनों पक्षों के अधिवक्ताओं द्वारा समझाने पर पति-पत्नी फिर से एक साथ रहने को राजी हो गए। दोनों ने पहले के मन-मुटाव को भूलकर हंसी-खुशी जीवन यापन करने की बात कही। पति ने पत्नी को मान-सम्मान देने के साथ ही पत्नी एवं बच्चे के सभी खर्चों को वहन करने की बात कही। डालसा सचिव रवि कुमार भास्कर ने दोनों पक्षों को शुभकामनाएं दी और भविष्य में कलह एवं वाद दायर न करने की सलाह भी दी।

नगड़ी में 28-29 मई को आयोजित होगा मंडा पूजा

पिस्कानगड़ी (आजाद सिपाही)। ऐतिहासिक मंडा पूजा को सफल बनाने को लेकर नगडी प्रखंड के प्राचीन राधा कृष्ण मंदिर में ग्रामीणों की बैठक हुई। इस दौरान सामूहिक रूप से प्रार्थना पत्र भगवान श्री कृष्ण के श्री चरणों में सौंपा कर एवं भजन गाते हुए डगर बाजाकर मंडा पूजा के सफलती की कामना की गयी। इससे पहले पंडित पंकज पांडेय ने मंडा पूजा को सफल बनाने के लिए पूजा अर्चन कराया। मौके पर उपस्थित नगडी मंडा पूजा समिति के संरक्षक तपेश्वर केसरी ने कहा कि क्षेत्र का ऐतिहासिक मंडा पूजा 28 और 29 मई को धार्मिक रीति रिवाज के साथ धूमधाम से आयोजित किया जाएगा। जिसमें 28 मई को फुल खुंदी और 29 मई को झूलन होगा। इसमें नगड़ी देवरी नारो साहेर पंचायत के विभिन्न गावों के सैकड़ों युवा भोक्ता के रूप में श्राद्धपूर्वक भाग लेंगे। इस मौके पर समाजिक कार्यकर्ता केदार महतो, शंकर चौधरी, चुडामनी महतो, रामजीवन केसरी, परमानंद केसरी, राम कुमार केसरी, रघुनंदन महतो, दिनेश केसरी, बालकरन महतो, विनोद चौधरी, आदित्य केसरी, मनीष कुमार केसरी और अर्जुन नायक आदि उपस्थित थे।

जेएससीए चुनाव : 'द टीम' के प्रत्याशियों ने अपनी प्राथमिकताएं और विजन प्रस्तुत किया

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। आगामी 18 मई को होने वाले झारखंड स्टेट क्रिकेट एसोसिएशन (जेएससीए) प्रबंधन समिति के चुनाव को लेकर 'द टीम' के सभी प्रत्याशियों ने शुक्रवार को रांची प्रेस क्लब में आयोजित प्रेस वार्ता के दौरान अपनी प्राथमिकताएं और विजन मीडिया के समक्ष प्रस्तुत किया। प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए अध्यक्ष पद के उम्मीदवार अजय नाथ शाहदेव ने कहा कि जेएससीए में पारदर्शिता लाना और मीडिया से सकारात्मक संवाद स्थापित करना हमारी प्राथमिकता है। इसी कड़ी में पहलीबार जेएससीए चुनाव में पहलीबार द टीम की ओर से प्रेस कांफ्रेंस किया गया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि उनकी टीम का मूल उद्देश्य क्रिकेट के विकास को गति देना और बेहतर क्रिकेटिंग इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार करना है। इसके लिए हाल ही में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले चुके शाहबाज नदीम और सौरव तिवारी को भी टीम में शामिल किया गया है, ताकि युवा खिलाड़ियों को अनुभवी मार्गदर्शन मिल सके।

महिला क्रिकेट को मिलेगा समान महत्व : शाहदेव ने यह भी कहा कि द टीम राज्य में महिला क्रिकेट को भी बराबरी का मंच देने के लिए प्रतिबद्ध है। उनका लक्ष्य है कि झारखंड से भी टेस्ट स्तर के खिलाड़ी तैयार हों और रणजी ट्रॉफी जैसी प्रतियोगिताओं में राज्य का प्रदर्शन उल्लेखनीय हो।

गांव-गांव से प्रतिभा तलाशने का संकल्प : उपाध्यक्ष पद के उम्मीदवार संजय पांडेय ने कहा कि वे झारखंड के गांवों और कस्बों से उभरती प्रतिभाओं को खोजकर उन्हें उच्च स्तरीय सुविधाएं उपलब्ध कराना चाहते हैं। उन्होंने भरोसा दिलाया कि क्रिकेट को जमीनी स्तर से मजबूत करने के लिए टीम एकजुट होकर कार्य करेगी।

राज्य में शुरू होगी टी 20 लीग: सचिव पद के उम्मीदवार और पूर्व अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर सौरव तिवारी ने कहा कि उनकी योजना झारखंड में एक प्रोफेशनल टी20 लीग शुरू करने की है, जिससे स्थानीय खिलाड़ियों को एक्सपोजर और अनुभव दोनों मिलेगा। इसके अलावा राज्य को चार या पांच जोनों में बांटकर सभी क्षेत्रों में अभ्यास के लिए अच्छे मैदान विकसित किये जायेंगे।

सुदूर जिलों तक पहुंचेगी खेल सुविधा : सहसचिव पद के प्रत्याशी और पूर्व टेस्ट क्रिकेटर शाहबाज नदीम ने कहा कि फिलहाल सिर्फ कुछ ही जिलों में क्रिकेट की मूलभूत सुविधाएं मौजूद हैं। द टीम का उद्देश्य है कि इन सुविधाओं को राज्य के दूरदराज इलाकों तक भी पहुंचाया जाए, जिससे हर क्षेत्र से खिलाड़ी उभरकर सामने आयें। प्रेस वार्ता में द टीम के अन्य उम्मीदवार संजय जैन, मिहिर प्रीतेश टोपनो, रमेश कुमार (मैनेजिंग कमेटी के प्रत्याशी) और श्रीराम पूरी (डिस्ट्रिक्ट प्रतिनिधि पद के प्रत्याशी) भी उपस्थित थे।

टीएसी में झारखंड की सभी जनजातीय समूहों का प्रतिनिधित्व जरूरी : बंधु तिर्की

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के कार्यकारी अध्यक्ष बंधु तिर्की ने कहा है कि झारखंड में आदिवासियों की आवश्यकताओं और जमीनी जरूरतों के मद्देनजर जनजातीय परामर्शदात्री परिषद (टीएसी) में आधारभूत बदलाव जरूरी है। उन्होंने कहा कि झारखंड में 33 जनजातियां रहती हैं, जिसमें से कुछेक विलुप्त श्रेणी की जनजातियां भी शामिल हैं।

प्रत्येक जनजातीय समूह का प्रतिनिधित्व जरूरी : तिर्की ने कहा कि टीएसी की मजबूती के लिये यह बहुत जरूरी है कि इसमें प्रत्येक जनजातीय समूह का एक-एक सदस्य अनिवार्य रूप से शामिल हो। उन्होंने कहा कि इससे जनजातीय कल्याण के मामलों पर सलाह देने में मदद मिलेगी।

टीएसी के निर्णयों का व्यापक प्रभाव सुनिश्चित हो : तिर्की ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से अपील की कि पांचवी अनुसूची के संवैधानिक प्रावधानों के उचित कार्यान्वयन को सुनिश्चित करने के लिये टीएसी के निर्णयों का व्यापक प्रभाव सुनिश्चित हो। उन्होंने कहा कि इससे पारंपरिक जनजातीय भूमि और संसाधनों के लिये कानूनी संरक्षण को मजबूत करने और झारखंड में सीएनटी और एसपीटी एक्ट से आच्छादित जमीन की सुरक्षा में मदद मिलेगी।

आदिवासियों के हितों की रक्षा के लिये जरूरी : तिर्की ने कहा कि टीएसी को विस्तार दिया जाये और इसे उस स्थिति में परिवर्तित किया जाये कि वह विशेषकर आदिवासियों से सम्बंधित समस्त मामलों पर न केवल प्रभावी निर्णय लेकर उसके कार्यान्वयन का रास्ता खोले बल्कि समय के अनुसार अपने आप को और भी प्रभावशाली रूप में प्रस्तुत कर सके।

बेंती में वन पर्यावरण मेला समिति का गठन सोहन मुंडा अध्यक्ष और इमा देवी बनीं सचिव

आजाद सिपाही संवाददाता

अनगड़ा। विश्व पर्यावरण दिवस पर प्रखंड के बेंती पैना पहाड़ में प्रति वर्ष पांच जून को लगने वाले ऐतिहासिक वन पर्यावरण मेला के सफल आयोजन को लेकर गुरुवार को ग्रामीणों की बैठक हुई। ग्राम वन प्रबंधन एवं संरक्षण समिति बेंती के अध्यक्ष प्रो सत्यदेव मुंडा की देखरेख में आयोजित बैठक में सर्वसम्मति से एक संचालन समिति का गठन किया गया। जिसके अध्यक्ष सोहन मुंडा, उपाध्यक्ष लालजी बेदिया, अरुण मुंडा, सचिव इमा देवी, सुनीता देवी, राजेंद्र मुंडा, कोषाध्यक्ष विजय मुंडा, बालकराम मुंडा, सलाहकार कमलाकांत मुंडा, मानेश्वर मुंडा, सुकरा मुंडा, बनू बेदिया, अजय करमाली, गणेश भोगता, अजय आर्या, सालिकराम एवं मंगल मुंडा बनाये गये। इस बार के मेले का थीम 'मानव जीवन के लिए जंगल जरूरी क्यों' है। बताते चलें कि ग्राम वन प्रबंधन संरक्षण समिति बेंती की ओर से पिछले कई वर्षों से जंगलों के पुनर्वास को लेकर 589 एकड़ में फैले ठूंठ पहाड़ पर खेती की तरह पौधारोपण एवं देखरेख कर वृहद जंगल एवं अभ्यारण तैयार किया गया है। जहां विभिन्न प्रकार के औषधीय जड़ी-बूटियां एवं वन्य प्राणी हाथी, भालू ,मोर, तीतर असकल, बंदर के साथ विलुप्त हो रही जंगली पशु-पक्षी देखने को मिलते हैं। इसी उपलक्ष्य में प्रति वर्ष पांच जून को विश्व पर्यावरण दिवस पर पैना पहाड़ में पर्यावरण मेला लगाया जाता है। बैठक में बीरबल करमाली, रोशन विद्या, रवि मुंडा, कार्तिक मुंडा, सुमित मुंडा, अमृत विद्या, राजकुमार मुंडा, करण करमाली, गणेश भोक्ता, मनोज मुंडा, सरल पान, सोम मुंडा, राजेंद्र मुंडा, सुनीता देवी, गांधीया करमाली, सलुवा करमाली आदि मौजूद थे।

कंडरिया राजकीयकृत स्कूल में पीने के पानी का टोटा, बच्चे हो रहे परेशान

दूर गांव से सिर पर पानी ढोकर लाने को रसोइया मजबूर

आजाद सिपाही संवाददाता

बेड़ो। सरकारी विद्यालयों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा एवं बच्चों का ठहराव सुनिश्चित करने के उद्देश्य से सरकार की ओर से तरह-तरह की योजनाएं चलायी जा रही है। पर व्यवस्था में खामियों के कारण सरकार की योजना फलीभूत होती नजर नहीं आ रही है। इसका प्रत्यक्ष उदाहरण प्रखंड के पहाड़ कंडरिया गांव स्थित राजकीयकृत उत्क्रमित मध्य विद्यालय में देखने को मिल रहा है। जहां पीने के पानी की व्यवस्था नहीं होने के कारण स्कूल के नौनिहालों को पानी के लिए इधर-उधर भटकना पड़ता है। पानी की किल्लत से बच्चे, शिक्षक एवं मध्याह्न भोजन बनाने वाली रसोईया को प्रतिदिनि परेशानियों का सामना करना पड़ता है। सबसे अधिक परेशानी स्कूल की रसोईयों को होती है। स्कूल में मध्याह्न भोजन का खाना बनाने वाली रसोईया बाना देवी और यशोदा देवी को गांव के बस्ती से प्रतिदिन सिर पर पानी ढो कर बार-बार लाना पड़ता है। जबकि विद्यालय प्रबंधन द्वारा विभाग एवं पेयजलापूर्ति विभाग के अधिकारियों को अवगत कराने के बावजूद समस्या का समाधान नहीं किया गया। बतातें चलें कि विद्यालय में कुल 77 छात्र-छात्राएं पढ़ते हैं। विद्यालय में 60 से 65 बच्चों का प्रतिदिन मध्याह्न भोजन बनता है। जिसके लिए पानी की जरूरत होती है। पर उक्त स्कूल में रसोइयों और बच्चों की पीड़ा सुनने वाला कोई जनप्रतिनिधि या प्रखंड का अधिकारी स्कूल नहीं पहुंचा। सब कुछ कागज पर ही दुरुस्त चल रहा है, लेकिन जमीनी हकीकत कुछ और ही है। स्कूली बच्चों एवं रसोइयों ने जिम्मेदारों से स्कूल परिसर में पानी की व्यवस्था करने की मांग की है। वहीं, पता चला है कि स्कूल के समीप बोरिंग करने वाली गाड़ी रात के अंधेरे में आधे अधूरे बोरिंग कर वहां से भाग गयी है। ग्रामीणों का कहना है कि यहां पर एक डीप बोरिंग की जरूरत है। तभी पानी की समस्या का समाझान होगा।

कंडरिया गांव स्थित राजकीयकृत उत्क्रमित मध्य विद्यालय में पानी लाने जाती रसोइया।

सनातनियों की एकता में ही बल है : रामप्रसाद

आजाद सिपाही संवाददाता

लापुंग। महुगाव पंचायत के टांगरकेला में गुरुवार को विहिप ग्राम संगठन का गठन कैलाश साहू की अध्यक्षता में की गयी। इसमें सभी लोगों ने गांव में सनातनी धर्म संस्कृति की रक्षा के लिए एकजुटता पर जोर दिया। इस अवसर पर विहिप लापुंग प्रखंड के कार्यकारी अध्यक्ष रामप्रसाद साहू ने कहा कि संगठन में शक्ति है। लोग अपनी दिनचर्या के बाद अपनी धर्म संस्कृति की रक्षा के लिए सप्ताह में एक दिन एक घंटा एकजुट होकर सामूहिक चर्चा करे। कहा कि दुर्भाग्य की बात है कि टांगरकेला गांव में एक भी देवालय एवं देवी गुड़ी नहीं है। यहां पर पहान भी नहीं है। साल में आषाढ़ एवं सावन महीने में ग्राम देवी की पूजा होनी चाहिए, जो नहीं की जाती है। पूजा-पाठ के लिए यहां के लोग चार किमी दूर नरसिंहपुर (कामदारा) जाते है। तीन वर्ष पहले महावीर मंदिर की नींव सनातनियों ने डाली थी। उसे बनाने का निर्णय लिया गया। सभी सनातनी धर्मावलंबियों ने एक स्वर में विहिप ग्राम संगठन और दुर्गावाहिनी का गठन किया। टांगरकेला विहिप अध्यक्ष कैलाश साहू, उपाध्यक्ष वीरेंद्र साहू, सचिव बसंत साहू, कोषाध्यक्ष सतीश कुमार साहू, संरक्षक कलश साहू और कुशल साहू को सर्व सम्मति से चुना गया। साथ ही दुर्गा वाहिनी का गठन किया गया। जिसकी अध्यक्ष सविता कुमारी, सचिव अनामिका कुमारी, कोषाध्यक्ष शमीर्ला देवी को बनाया गया। बैठक में दर्जनों महिला -पुरुष के अलावे विहिप लापुंग उपाध्यक्ष किश्वर साहू उपस्थित थे।

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
भवन निर्माण विभाग,भवन प्रमंडल, कोडरमा
Email id :-eebcdkoderma-jhr@nic.in

आवश्यक सूचना

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि इस कार्यालय द्वारा निकाली गई अतिअल्पकालीन निविदा सूचना संख्या–43/2024–25 जिसका पी.आर. संख्या–348130 Building (24-25)#D है के ग्रुप संख्या–02,06,07 एवं 09 को अपरिहार्य कारण से रदद् किया जाता है।

कार्यपालक अभियंता,
भवन प्रमंडल, कोडरमा
PR 352535 Building(25-26)#D

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
भवन निर्माण विभाग,भवन प्रमंडल,कोडरमा।
Email id :-eebcdkoderma-jhr@nic. in

आवश्यक सूचना

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि इस कार्यालय द्वारा निकाली गई अतिअल्पकालीन निविदा सूचना संख्या–04/2025–26 जिसका पी.आर. संख्या–351021 Building (25-26):D है को अपरिहार्य कारण से रदद् किया जाता है।

कार्यपालक अभियंता,
भवन प्रमंडल,कोडरमा।
PR 352532 Building (25-26)D

Annexure1
OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER
MINOR IRRIGATION DIVISION, KODERMA

e-Procurement portal
Two Envelope system
Tender Reference No. WRD/MID/KODERMA/B.D.M.M.S.L.I - 01/2025-26 Date :- 15.05.2025

1.	Name of the work	Construction of Mukhyamantri solar energy powered lift irrigation scheme at Basdih , Village-Basdih,Panchayat-Chopnadih, Block-Markacho, Dist-Koderma
2.	Estimated Cost (Rs.)	Rs. 1,17,64,300.00
3.	Cost of Tender Document (Rs.)	Rs. 10,000.00
4.	Earnest Money Deposit (Rs.)	Rs. 2,35,300.00
5.	Time of Completion	335 Days
6.	Mode of Submission of tender	Online through www.jharkhandtenders.gov.in
7.	Date of Publication of Tender on website (http://jharkhandtenders.gov.in)	26.05.2025 03:00 PM
8.	Last Date/Time for downloading of bidding documents and Submission of Tender on Website	09.06.2025 05:00 PM
9.	Submission of Tender Fee and EMD	09.06.2025 05:00 PM
10.	Technical Bid Opening Date	11.06.2025 03:00 PM
11.	Officer Inviting Bids	Executive Engineer, Minor Irrigation Division, Koderma
12.	Contact number & Email ID of e-procurement officer	9939193214 eemidkod-cemr-jhr@nic.in

Note :- (1) Only e-Tenders will be accepted.
(2) Published Estimated Cost may Increase or Decrease.
(3) Work will be awarded to those bidders (specially MNRE approved channel partners/MNRE approved manufacturers/ MNRE approved PV system integrators/ A registered manufacturers/ Company/ Firm/ Corporation in India (including MSME of Jharkhand) of at least one of the major sub system namely pumps or PV System electronics (confirming to National/ International Standards)/ any other agencies having experience of installation and commissioning of such solar powered irrigation schemes). Empanelled Indigenous Manufacturers of 10 HP pumps (AC Surface Motor Pumps) in the department with all accessories for off-grid standalone SPV water pumping systems can also take part in the bid for executing the whole work of the bid. However those bidders who have not yet registered in Water Resources Department can also submit their bid provided they will have to get themselves registered in Water Resources Department within two months from the date of allotment of work.

Further details can be seen on website http://jharkhandtenders.gov.in

Executive Engineer,
Minor Irrigation Division,
Koderma
PR 352542 (Minor Irrigation)25-26*D

संत पीटर उच्च विद्यालय टोंगो में बाल परिषद चुनाव सह शपथ ग्रहण

चैनपुर (आजाद सिपाही)। संत पीटर उच्च विद्यालय टोंगो में गुरुवार को बाल परिषद के चुनाव के लिए, मतदान किया गया। जिसमें प्रधानमंत्री के पद लिए सुमित मिंज ने 111 वोट ला कर प्रथम स्थान प्राप्त किये। वही सहायक प्रधानमंत्री के पद के लिए सचिन सिंह ने कुल 99 वोट ला कर विजय हुए। विजता घोषणा के बाद कुल 15 विभाग मंत्रिमंडल का घोषणा किया गया। तत्पश्चात सभी मत्रिमंडल के सदस्यों को विद्यालय के प्रधानाध्यापक फा तेज कुमार बाखला और शिक्षक प्रतिनिधि शिक्षक थदेयुस तिर्की की अध्यक्षता में शपथ दिलायी गयी। वोटिंग के लिए बैलेट पेपर का प्रयोग किया गया, जैसे पंचायत चुनाव किया जाता है ऐसा कराने का मुख्य उद्देश्य बच्चो को वोटिंग की प्रक्रिया को जानने और उनको वोटिंग के प्रति जागरूक करना था। इस लिए पोलिंग ऑफिसर के रूप में बच्चों को ही तैयार किया था। जिसको बच्चों ने उत्सुकतापूर्वक निभाया। वही वोट देने वाले बच्चो ने भी उत्साहपूर्ण मतदान किया। मौके पर मुख्य रूप से विद्यालय के प्रधानाध्यापक फा तेज कु. बाखला फा. रोहित कुजुर, शिक्षक थदेयुस तिकी, रैमेजिएस कुजूर, आशा लकड़ा, अतुल मिज, बरनाबस टोप्पो, शिक्षिका शशि शारदा टोप्पो, अनल एक्का, अरविंद बेक, अंकिता मिंज सहित विद्यालय के सभी विद्यार्थी उपास्थित थे।

डगडगीया खरसाला के आदिम जनजाति के लोग बीडीओ से मिले, सड़क समस्या की दी जानकारी

घाघरा (आजाद सिपाही)। थाना क्षेत्र के डगडगीया खरसाला के आदिम जनजाति गुरुवार को घाघरा प्रखंड कार्यालय पहुंचे और प्रमुख सविता देवी से मिल अपनी समस्याओं को रखा जिसके बाद प्रमुख के नेतृत्व में सभी बीडीओ दिनेश कुमार से कार्यालय में मिले। इस दौरान लोगों ने बीडीओ को आवेदन देते हुए आने–जाने के लिए सड़क नहीं होने की जानकारी दी और बनवाने का आग्रह किया है। सोमा असुर ने बताया कि गांव में लगभग 30 से 40 आदिम जनजाति परिवार के लोग रहते है। गांव से आदर आने के लिए लगभग 5 किलोमीटर तक सड़क नहीं है। रास्ता नहीं होने के कारण आने–जाने में काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है। खासकर बरसात के दिनों में आने में परेशानी होती है। किसी का यदि तबीयत खराब हो जाए तो उसे अस्पताल तक लाना हम लोगों के लिए नामुमकिन है। साथ ही लोगों ने सड़क के साथ–साथ बिजली का भी मांग किया है। जिस पर बीडियो ने त्वरित संज्ञान लेते हुए सहायक अभियंता सत्येंद्र उरांव व कनीय अभियंता पंकज साहू को तुरंत स्थल निरीक्षण के लिए जाने का निर्देश दिया और रिपोर्ट जमा करने का निर्देश दिया ताकि जिला को रिपोर्ट भेजा जा सके। इस मौके पर मुख्य रूप से प्रमुख सविता देवी, सोमा असुर, लालदेव असुर, धनबीर असुर, सोमारी असुराईन, फुलदेव असुर, अनिल असुर, विष्णु असुर, बुद्धेश्वर असुर और रवि असुर सहित कई लोग मौजूद थे।

घाघरा पंचायत समिति की बैठक

घाघरा (आजाद सिपाही)। प्रखंड कार्यालय के सभागार में गुरुवार को पंचायत समिति की बैठक प्रमुख सविता देवी की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में सभी विभाग के पदाधिकारी मौजूद रहे। इस दौरान थाना से आए एसआई उपेंद्र पाठक को निर्देश देते हुए कहा कि आए दिन घाघरा प्रखंड में सड़क दुर्घटना का ग्राफ बढ़ रहा है। इसका मुख्य कारण सड़कों के किनारे शराब की बिक्री, ड्रग्स, गांजा और नाबालिग का गाड़ी चलाना इन सभी पर पुलिस जांच कर करवाई करे ताकि सड़क दुर्घटना को रोका जा सके। पीएचडी विभाग के कनीय अभियंता को निर्देश देते हुए कहा की गर्मी को देखते हुए प्रखंड क्षेत्र के गांव में जो भी खराब पड़े चापाकल है उन सभी को जल्द से जल्द मरम्मत कराये ताकि लोगों को आसानी पानी मिल सके। पंचायत समिति सदस्यों ने कहा कि सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में डॉक्टर हमेशा अनुपस्थित रहते हैं और डॉक्टरों का व्यवहार भी कुशल नहीं है। सांप काटने और कुत्ता काटने जैसे घटना पर तुरंत डॉक्टर के द्वारा रेफर कर दिया जाता है, जबकि दवा स्वास्थ्य केंद्र में उपलब्ध है। प्रखंड आयुर्वेदिक चिकित्सा केंद्र में आयुर्वेद की दवा नहीं होने पर उपायुक्त से दवा उपलब्ध कराने का आग्रह करने की बात कही गयी। सरकारी स्कूलों में शिक्षा का स्तर बिल्कुल ही खराब है घाघरा प्रखंड के 27 स्कूल सिर्फ एक शिक्षक पर निर्भर है ऐसे में शिक्षा के स्तर को बढ़ा पाना काफी मुश्किल है। इन सभी समस्याओं पर जल्द पहल करने का आग्रह भी किया गया। इस मौके पर मुख्य रूप से प्रमुख सबिता देवी, बीडिओ दिनेश कुमार, उप प्रमुख शिवा देवी, बीपीओ बेबी कुमारी, शंकर साहू, सतीश बंसल, सत्येंद्र उरांव, विपिन साहू, पंकज साहू, सीमा देवी, रामरीत उरांव सहित कई लोग मौजूद थे।

10वीं की परीक्षा में बसिया के उर्सुलाइन स्कूल कोनबीर नवाटोली में माही बनी स्कूल टॉपर

गुमला (आजाद सिपाही)। बसिया के उर्सुलाइन इंग्लिश मीडियम स्कूल कोनबीर नवाटोली की छात्राओं ने सीबीएसई 10वीं की परीक्षा में बेहतर रिजल्ट किया। इस विद्यालय से कुल 24 छात्राओं ने सफल होने का गौरव प्राप्त किया। पूरे विद्यालय में माही परवीन टॉपर बनी। वह इस परीक्षा में 80 प्रतिशत अंक लाकर शीर्ष पर रहीं। वहीं प्रिंसी कुमारी व शोभा कोंगाड़ी ने 79 प्रतिशत अंक लाकर स्कूल में सेकंड टॉपर का स्थान प्राप्त किया। स्कूल में तीसरे नंबर पर साक्षी गुप्ता रही। जिन्होंने 76 प्रतिशत मार्क प्राप्त किया। अनुश्री बाला ने 72 प्रतिशत अंक लाकर स्कूल के चौथे पायदान पर अपना कब्जा बनाए रखा। सफल 24 छात्राओं में 16 छात्राओं ने 60 प्रतिशत तक अंक प्राप्त किये। वहीं 7 छात्राओं ने 50 प्रतिशत तक अंक मिले। इस अवसर पर स्कूल टॉपर माही परवीन बसिया के किनदिरकेला की रहने वाली हैं। उनकी मां शमा परवीन ने कहा कि यह हमारे परिवार के लिए खुशी का अवसर है। माही के टॉपर होने से घर में उत्सव सा माहौल है। पिता तैयब खान ने माही के उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। परिवार के सदस्य एक दुसरे को मिठाई खिलाकर खुशियां बांट रहे हैं।

70 साल से रह रहे ग्रामीणों को दबंगों ने गांव से खदेड़ा

पीड़ितों ने सुरसांग थाना में शिकायत दर्ज करायी

आजाद सिपाही संवाददाता

रायडीह। भले ही हम संविधान, कायदे और कानून की बात करें लेकिन आज भी असली राज दबंगों का चलता है। जिले के रायडीह प्रखंड के सुरसांग थाना क्षेत्र में कोब्जा पंचायत स्थित है। इस पंचायत के अंतर्गत आता है टेड़हाचुवां गांव। इस गांव में 70 साल से रह रहे ग्रामीणों को गांव के ही दबंगों द्वारा जबरन गांव से खदेड़ दिये जाने की सूचना मिल रही है। इस मामले को लेकर गुरुवार को अपराह्न 3 बजे अशुन्ती कुमारी, मंगन देवी और नवीन देवी ने सुरसांग थाना पहुंचकर शिकायत भी दर्ज करायी है। उन्होंने बताया कि वे अपने-अपने परिवार के साथ वर्षों से वहां मकान बनाकर रह रहे हैं। अब अबुवा आवास योजना के तहत नया मकान बनवा रहे हैं। कुछ काम हो भी चुका है।

इसी दौरान गांव के छोटे तुरी और जतरु तुरी ने निर्माण कार्य रुकवा दिया। दोनों ने धमकी दी कि जबरन निर्माण किया तो ईंट से सिर फोड़कर जान से मार देंगे। पीड़ितों ने बताया कि छोटे तुरी पहले भी इसी जमीन विवाद में रितभंजन तुरी की हत्या कर चुका है। वह जेल की सजा काटकर बाहर आया है।

ग्रामीणों ने आपसी समझौते के लिए कोब्जा पंचायत के मुखिया को सूचना दी थी। मुखिया ने समझौता कराने की कोशिश की लेकिन छोटे तुरी और जतरु तुरी ने मानने से इनकार कर दिया। सुरसांग थाना और रायडीह अंचल कार्यालय के सीओ व कर्मचारियों ने भी समझौता कराने की कोशिश की पर कोई असर नहीं हुआ। दोनों अब भी धमकी दे रहे हैं और लोगों को गांव से भगाने की कोशिश कर रहे है। ग्रामीण डरे सहमे हुए है।

गुमला स्थापना दिवस की तैयारी को लेकर बैठक

गुमला (आजाद सिपाही)। आगामी 18 मई 2025 को आयोजित गुमला स्थापना दिवस के अवसर पर कार्यक्रमों की तैयारियों को लेकर गुरुवार को समाहरणालय स्थित सभाकक्ष में उपायुक्त कर्ण सत्यार्थी की अध्यक्षता में एक विशेष बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में स्थापना दिवस के विभिन्न प्रस्तावित कार्यक्रमों पर विस्तार से चर्चा की गई तथा उपायुक्त द्वारा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गये। स्थापना दिवस के दिन जिले के सभी शहीद स्मारकों पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि दी जायेगी। समाहरणालय स्थित परिषद भवन में गुमला के इतिहास एवं सांस्कृतिक विरासत पर आधारित एक परिचय समारोह का आयोजन किया जायेगा। इस अवसर पर गुमला की ऐतिहासिक स्मृतियों, विरासत और प्रमुख उपलब्धियों को संजोने के उद्देश्य से एक फोटो गैलरी के विमोचन की योजना बनायी गयी है।

तीन माह का राशन देने का फैसला स्वागत योग्य : रमेश कुमार चीनी

गुमला (आजाद सिपाही)। झारखंड सरकार ने मानसून के पहले गरीबों को तीन माह का राशन एक साथ देने का निर्णय लिया है। निर्णय के अनुसार गरीबों को माह जून, जुलाई और अगस्त का राशन एक साथ दिया जायेगा। कांग्रेस के प्रदेश सचिव रमेश कुमार चीनी ने इस फैसले की सराहना की है। उन्होंने कहा कि यह फैसला मॉनसून और बारिश की आशंका को देखते हुए लिया गया है। सरकार का उद्देश्य है कि आपदा के समय भी कोई गरीब भूखा न सोये। सरकार ने आपूर्ति श्रृंखला को मजबूत करने और हर प्रकार की आपदा से निपटने के लिए पूरी तैयारी की है। निश्चित सरकार गरीबों के हित में काम कर रही है। इससे लाभुकों को लाभ होगा और उन्हें सरलता के साथ तीन माह का राशन एक साथ उपलब्ध हो सकेगा।

राजकीय कृत उत्क्रमित मध्य विद्यालय बाल संसद का गठन, दी कर्तव्य की जानकारी

बिशुनपुर (आजाद सिपाही)। झारखंड शिक्षा परियोजना निदेशक के निर्देशानुसार राजकीय कृत उत्क्रमित मध्य विद्यालय सातो में बाल संसद का गठन किया गया। सर्वप्रथम बच्चों के बीच बाल संसद के कार्यों और गठन की प्रक्रिया पर जानकारी दी गयी जिसके बाद छात्राओं को लोकतंत्र के महत्व को समझने व विद्यालय प्रबंधन में अपनी भागीदारी निभाने के लिए बाल संसद का गठन प्रत्यक्ष मतदान से कराया गया। जहां प्रधानमंत्री पद के लिए अंजना कुमारी एवं उप प्रधानमंत्री के लिए अनुज उरांव का चयन किया गया। वहीं सूचना प्रसारण मंत्री निखिल उरांव एवं मनीषा कुमारी सुरक्षा न्याय मंत्री आर्यन उरांव और अमर मुनि वित्त मंत्री दीपिका कुमारी एवं उप मंत्री आजाद लोहार सांस्कृतिक मंत्री शासिका कुमारी उप संस्कृत मंत्री नितेश उरांव खेल मंत्री के लिए अमरजीत लोहार उप खेल मंत्री खुशबू कुमारी का चयन किया गया। बाल संसद के चयनित सभी 11 सदस्यों को विद्यालय की प्रधानाध्यापक राजेश बैठा ने उनके अधिकार व कर्तव्य का बोध कराया। उन्होंने बताया कि बाल संसद का गठन बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए किया जाता है। इसमें विद्यालय के शिक्षकों का सहयोग आवश्यक है। बाल संसद गठन से बच्चों में नेतृत्व क्षमता का विकास होता है किसी समस्या के निराकरण या अन्य विषयों पर निर्णय लेने की क्षमता बढ़ती है। इस अवसर पर शिक्षक बिंदेश्वर भगत अरुण कुमार नाथ सत्येंद्र लकड़ा सुशांति केरकेट्टा एवं विद्यालय प्रबंध समिति के अध्यक्ष मीरा देवी उपाध्यक्ष हरिश्चंद्र भगत उपस्थित थे।

बिजली चोरी के आरोप में पांच लोगों पर प्राथमिकी

सिसई (आजाद सिपाही)। विद्युत विभाग के द्वारा औचक छापेमारी के दौरान प्रखंड क्षेत्र के पांच लोगों पर अवैध बिजली चोरी करने को लेकर सहायक अभियंता हरि उरांव ने सिसई थाना में नामजद प्राथमिकी दर्ज करायी है। आवेदन में कहा है कि वरीय अधिकारियों के निर्देश पर छापेमारी दल गठित कर सिसई के डाड़हा, मेन रोड और भदौली क्षेत्र में छापेमारी की गयी। छापेमारी के दौरान पांच लोगों को अवैध हुकिंग और बाइपास कर बिजली चोरी करते पकड़ा गया। पकड़े गये लोगों में ड़ाडहा गांव के पिंकी देवी के उपर 13107 रुपये, ड़ाडहा निवासी जगदीश साहु पर 10922 रुपये, ड़ाडहा निवासी अजय साहु पर 10922 रुपये, भदौली गांव निवासी अरकितानंद देवघरिया पर 34952 रुपये और भदौली की रंजनी देवी पर पहले से बकाया राशि 37267 रुपये और 21845 रुपये का जुर्माना लगाया है।

आंगनबाड़ी केंद्र में ऑपरेटर की मनमर्जी से महिलाएं परेशान

आजाद सिपाही संवाददाता

बिशुनपुर। अपर समाहर्ता गुमला के निर्देशानुसार इन दीनों प्रखंड मुख्यालय स्थित आंगनबाड़ी केंद्र में आंगनबाड़ी केंद्र के लाभुकों का आधार अध्यतन कैंप का आयोजन 13 मई से 17 मई तक किया गया है, जहां आंगनबाड़ी केंद्र से जुड़े तमाम लाभार्थी महिलाओं का आधार में मोबाइल लिंक किया जाना है। इस कार्य के लिए प्रशासन के द्वारा कैंप में पांच ऑपरेटर की उपस्थिति सुनिश्चित की गयी है ताकि सुदूरवर्ती क्षेत्र से आने वाले लाभार्थी महिलाएं आसानी से अपने आधार में मोबाइल लिंक कर सके और आंगनबाड़ी केंद्रो में पोषाहार के लाभुकों का सत्यापन हो सके। जिसके लिए ऑपरेटर कैलाश भगत सुनील उरांव उमेश कुमार वर्मा पवन भगत बलींदर भगत आदि को लगाया गया है परंतु उनके मनमर्जी के कारण महिलाएं परेशान हैं। गुरुवार को निरासी बोरांग घाघरा बनालात आदि सुदरवर्ती क्षेत्र के लगभग 100 महिलए छोटे-छोटे बच्चे लेकर मोबाइल लिंक कराने सुबह 9 बजे ही पहुंचे थे परंतु दिन के 2 तक आंगनबाड़ी केंद्र के कैंप में ऑपरेटर नदारत थे जिस कारण उन्हें बेरे घर लौटना पड़ा। जिसकी सूचना जिला परिषद सदस्य पवन उरांव को हुई तो उन्होंने उक्त ऑपरेटर को फोन कर अनुपस्थित रहने का कारण पूछा जिस पर उन्होंने साफ कह दिया कि हम लोगों का पोस्ट ऑफिस में किसी चीज का ट्रेनिंग चल रहा है। जिस पर पवन उरांव ने उक्त लोगों को फटकार लगाते हुए कहा कि जब आप लोगों को कैंप में उपस्थित नहीं होना था तो इतनी भारी संख्या में लाभार्थियों को आप लोगों ने किस लिए बुलाया है। हालांकि इतनी बात होने के बाद ऑपरेटर फोन काट दिया। इधर महिला पर्यवेक्षक शकुंतला देवी ने बताया कि हम लोगों के द्वारा भी फोन करने पर उक्त लोगों के द्वारा फोन रिसीव नहीं किया जाता है जिससे हमारे केंद से जुड़ी महिलाएं परेशान है।

परसापानी में सहायिका चयन को स्थगित करने की मांग, सौंपा ज्ञापन

बिशुनपुर (आजाद सिपाही)। प्रखंड के अति सुदूरवर्ती परसा पानी गांव के आदिम जनजाति ग्रामीण काफी संख्या में गुरुवार को आंगनबाड़ी केंद्र पहुंचकर बुधवार को हुए सहायिका चयन को 15 दिन के लिए स्थगित करने का मांग पत्र सीडीपीओ के नाम महिला पर्यवेक्षक को सौंपा है। ग्रामीणों का कहना है कि हमारे गांव में भी पढ़ी–लिखी बहू है परंतु वह बाहर है। हम लोगों को प्रकिया की जानकारी नहीं थी विभाग के द्वारा गांव में पढ़ी–लिखी बहू नहीं मिलने पर दूसरे गांव हेसराग की एक महिला चयन बुधवार को कर दिया गया है। हम लोगों का मांग है कि हमारे गांव से जो पढ़े–लिखे लोग है उन्हें हम गांव बुलायेंगे और चयन उन्ही का होना चाहिए ताकि गांव में आंगनबाड़ी केंद्र का बेहतर संचालन हो सके। मामले की जानकारी जिला परिषद सदस्य पवन उरांव को मिली तो उन्होंने भी महिला पर्यवेक्षक से आग्रह करते हुए कहा कि अगर गांव में ही पढ़ी–लिखी बहु बहु है तो चयन में प्राथमिकता विभाग उनको दे ना की दूसरे गांव के लोगों को।

भुईंहरी जमीन से अवैध कब्जा हटाने और दोषियों पर कार्रवाई की मांग

आजाद सिपाही संवाददाता

सिसई। सिसई थाना क्षेत्र के लकेया गांव निवासी चामू उरांव ने अपने भूमिहरी जमीन पर हो रहे अवैध कब्जा हटाने और जाति सुचक गाली गलौज करने का आरोप लगाते हुए बुधवार को गुमला एसपी को आवेदन देकर जमीन से अवैध कब्जा हटाने और दोषियों के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई करने की गुहार लगायी है। अपने आवेदन में चामू उरांव ने कहा कि लकेया के कुम्हार मोड़ पर स्थित नेशनल हाइवे रोड के किनारे पर मेरा 1.59 एकड़ भुईंहरी जमीन है। जिस पर सिसई के मेन रोड निवासी इस्लाम अंसारी उर्फ टिंकू के द्वारा अवैध रूप से कब्जा करने के नियत से मेरे जमीन पर पिलर खड़ा कर बाउंड्री कराया जा रहा है। मैं जब बाउंड्री का विरोध करने पहुंचा तो टिंकू अंसारी के द्वारा मुझे जाति सूचक गाली गलौज करते हुए मुझे उक्त जमीन से धक्का मारकर बाहर कर दिया और कहने लगा कि दुबारा इस जमीन पर कदम रखेगा रे कोल तो तुमको इसी जमीन पर मारके गाड़ देंगे। इस पर चामू उरांव ने अपने समाज के अगुआ लोगों को जानकारी दी गयी। मामले की गंभीरता को देखते हुए समाज के लोगों ने बैठक कर चामु को उक्त घटना की जानकारी प्रशासन को देने, प्रशासन से जमीन पर हो रहे अवैध कब्जा हटाने और आरोपी पर कानूनी कार्रवाई की मांग की है।

कुडुख विद्यालय में नौवीं के छात्र-छात्राओं का रहा बेहतर प्रदर्शन

सिसई (आजाद सिपाही)। गुमला झारखंड अधिविद् परिषद, रांची द्वारा कक्षा नौवीं का रिजल्ट प्रकाशित किया गया। प्रस्तावित कुडुख विद्यालय शिवनाथपुर सिसई के छात्र छात्राओं ने बेहतर प्रदर्शन किये। कक्षा नौवीं के मनिषा उरांव स्कूल टॉपर रही अपने परिवार और पूरे विद्यालय को गौरवान्वित की प्रस्तावित कुडुख विद्यालय शिवनाथपुर सिसई पिछले 17 वर्षों से शत प्रतिशत रिजल्ट दे रहा है शिक्षा के साथ साथ अन्य गतिविधियों की जानकारी भी दी जाती है, कक्षा नौवीं में उत्तीर्ण होने वाले सभी छात्र छात्राओं को प्रधानाध्यापक द्वारा मनोबल बढ़ाते हुए आगे भविष्य में और भी अच्छा प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया गया। विद्यालय के प्रधानाध्यापक सुकरु उरांव ने सभी छात्र छात्राओं को बधाई और शुभकामनाएं दी गयी एवं आदिवासी सहयोग समिति गुमला की ओर से शिक्षा समिति एवं छात्र छात्राओं को ढेर सारी शुभकामनाएं एवं बधाई दी गयी।

खेल की खबर

इंस्टीट्यूट ऑफ लीगल स्टडी इंट्रा कॉलेज शतरंज चैंपियनशिप शुरू

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। गुरुवार को तीन दिवसीय 'इंट्रा कॉलेज शतरंज चैंपियनशिप' की शुरूआत इंस्टीट्यूट ऑफ लीगल स्टडी, रांची में हुई। इस टूनामेंट का उद्घाटन प्रोफेसर निशिकांत प्रसाद ने पहली चला चढ़कर किया। इस टूर्नामेंट में सेमेस्टर 2, 4, 6, 8 और 10 के कुल 32 छात्र -छात्राएं भाग ले रहे हैं। यह प्रतियोगिता 5 राउंड की है। हर राउंड का समय 30 मिनट निर्धारित है। पांचों राउंड में सबसे अधिक अंक लाने वाला प्रतियोगी प्रथम स्थान प्राप्त करेगा। इस अवसर पर सभी प्रतियोगी उपस्थित रहे। यह प्रतियोगिता स्पोर्ट्स इंचार्ज डॉ मोहम्मद जाकिर, सचिन और आर्यन के देख रेख में खेला जा रहा है।

कार्यालय अंचल अधिकारी, कोडरमा

(प्रेस विज्ञप्ति)

''सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मौजा– गुमो, थाना नं0– 12 अन्तर्गत खाता सं0– 220, प्लॉट सं0– 6211, 5925 एवं 5989 गैरमजरुआ खास खाते की भूमि है। इस भूमि पर जो भी व्यक्ति निर्माण कार्य कर रहे हैं या घर–मकान बनाकर निवास कर रहे हैं, तो वे अंचल कार्यालय, कोडरमा में संबंधित भूमि का राजस्व कागजात प्रस्तुत करें। अन्यथा बाध्य होकर विधि सम्मत कार्रवाई की जाएगी।''

अंचल अधिकारी,
कोडरमा।

PR.NO.352529 District(25-26):D

झारखण्ड लोक सेवा आयोग
सर्कुलर रोड, राँची

प्रेस विज्ञप्ति

विज्ञप्ति संख्या–.................................. दिनांक ....

झारखण्ड लोक सेवा आयोग, राँची के लिए बाह्य स्रोत से वाहन उपलब्ध कराने हेतु इच्छुक आपूर्तिकर्त्ता के लिए आवेदन पत्र आमंत्रण के लिए पुनर्निविदा सूचना।

राज्य सरकार के संकल्प संख्या 2316/वि0 दिनांक 04.10.2024 के क्रम में झारखण्ड लोक सेवा आयोग, राँची के लिए बाह्य स्रोत से वाहनों की आपूर्ति किये जाने हेतु इच्छुक आपूर्तिकर्त्ताओं का चयन कर वाहन का दर निर्धारण किया जाना है। अतः ऐसे इच्छुक आपूर्तिकर्त्ता, जो झारखण्ड लोक सेवा आयोग, राँची द्वारा निर्धारित शर्त्तों के अन्तर्गत वाहन उपलब्ध कराने में सहमत हैं, से आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाते हैं। आवेदन पत्र जमा करने की अन्तिम तिथि दिनांक–**06.06.2025** को अपराह्न **05:00** बजे है। आवेदन पत्र का प्रारूप एवं शर्तें तथा अन्य विवरण झारखण्ड लोक सेवा आयोग, राँची के आधिकारिक वेबसाईट **www.jpsc.gov.in** से डाउनलोड किये जा सकते हैं।

ह0/–
उप सचिव (सामान्य),
झारखण्ड लोक सेवा आयोग, राँची

PR 352516 (Jharkhand Public Service Commission)25-26*D

उपायुक्त-सह-जिला दण्डाधिकारी का कार्यालय, रामगढ़।
(जिला खेल शाखा)

दूरभाष : .... Email ID : dsoramgarh48@gmail.com

प्रेस विज्ञप्ति

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि निदेशक, खेलकूद एवं युवाकार्य निदेशालय, झारखण्ड राँची के पत्रांक 133 दिनांक 14.05.2025 के द्वारा रामगढ़ जिला के वैसे खिलाड़ी एवं उनके प्रशिक्षक, जिन्होने **दिनांक 01.04.2024** के बाद अन्तर्राष्ट्रीय/भारतीय ओलम्पिक संघ से मान्यता प्राप्त खेलो के विभिन्न अन्तराष्ट्रीय/राष्ट्रीय खेल प्रतियोगिताओं आदि में पदक प्राप्त किये हो तथा विभागीय संकल्प संख्या–03 दिनांक 11.03.2023 में उल्लेखित प्रावधानों के तहत् नकद पुरस्कार राशि (सम्मान राशि) प्राप्त करने की आहर्त्ता (Eligibility) धारित करते हों, जिन्हे अभी तक नकद पुरस्कार राशि प्राप्त नहीं हो सकी है, उनसे **''नकद पुरस्कार राशि (सम्मान राशि)''** हेतु विहित् प्रपत्र में आवेदन जिला खेल कार्यालय, रामगढ़ में आवेदन आमंत्रित किया गया है। योग्य खिलाड़ियों को उनकी उपलब्धि के लिए विभागीय संकल्प संख्या–03 दिनांक 11.03.2023 के अनुसार नकद पुरस्कार राशि देय होगा।

जिले के योग्य खिलाड़ी/प्रशिक्षक ''नकद पुरस्कार/सम्मान राशि'' हेतु अपना आवेदन विहित् प्रपत्र में पूर्ण रूप से भरकर अनिवार्य रूप से **दिनांक 31.05.2025 के अप0 05:00 बजे** तक जिला खेल कार्यालय, समाहरणालय, भवन A- Block, द्वितीय तल कमरा सं0–303 छत्तरमाण्डू, रामगढ़ में जमा करेंगे। आवेदन का प्रपत्र एवं सम्मान राशि संबंधी विभागीय संकल्प संख्या–03 दिनांक 11.03.2023 की प्रति निदेशालय के वेबसाईट–https://sports.jharkhand.gov.in एवं https://ramgarh.nic.in से डाउनलोड किया जा सकता है।

ह0/–
जिला खेल पदाधिकारी,
रामगढ़।

PR.NO.352550 District(25-26):D

भाजपा महानगर और ग्रामीण जिला ने निकाली भव्य शौर्य तिरंगा यात्रा

प्रधानमंत्री और भारत के वीर जवानों के साथ पूरा देश खड़ा है: ढुल्लू महतो

भारत की सामरिक शक्ति का अब पूरी दुनिया लोहा मान रही : शत्रुघ्न महतो

ऑपरेशन सिंदूर से भारतीय सेना ने सभी देशवासियों का सीना चौड़ा कर दिया : राज सिन्हा

मोदी जी के रहते भारत पर जो बुरी निगाहें रखेगा उसे ऐसा ही मुहतोड़ जवाब मिलेगा : रागिनी

आजाद सिपाही संवाददाता

धनबाद। भाजपा महानगर एवं ग्रामी जिला के संयुक्त तत्वावधान में गुरुवार को कंबाइंड बिल्डिंग से शहीद रणधीर वर्मा चौक तक भव्य तिरंगा यात्रा निकाली गयी। जिसमें सांसद ढुल्लू महतो, विधायक राज सिन्हा, झरिया विधायक रागिनी सिंह, बाघमारा विधायक शत्रुघ्न महतो, भाजपा प्रदेश मंत्री सरोज सिंह, महानगर अध्यक्ष सरवन राय, ग्रामीण जिला अध्यक्ष घनश्याम ग्रोवर, अखिल भारतीय पूर्व सैनिक संगठन के रविंद्र कुमार सिंह, अध्यक्ष रामनाथ मिश्रा, उपाध्यक्ष राजकिशोर सिंह, बालमुकुंद शर्मा, देवेंद्र कुमार सिंह, विजन कांति मुखर्जी और निर्मला सिंह आदि शामिल हुए। इनके अलावा चेंबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष चेतन गोयंका, सचिव अजय नारायण लाल, बिनोद गुप्ता, विकास कंधवे के साथ हजारों लोग एवं पार्टी कार्यकर्ता हाथों में तिरंगा लिए भारत माता की जय, वंदे मातरम और पाकिस्तान मुर्दाबाद के नारे लगाते चल रहे थे। इसमें बड़ी संख्या में महिलाएं भी शामिल हुईं। तिरंगा यात्रा विभिन्न मार्गों से होते हुए शहिद रणधीर वर्मा चौक पहुंचकर सभा में तब्दील हो गया। इस अवसर पर सांसद ढुल्लू महतो ने कहा कि आज पूरा राष्ट्र प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में साथ खड़ा है। जबकि ऐसी परिस्थिति में भी कांग्रेस दोहरी राजनीति कर रही है। राहुल गांधी देश और सरकार के हर कदम में चलने का केवल दंभ भर रहे हैं, जबकि कांग्रेसी नेता जयराम रमेश, पवन खेड़ा, सुप्रिया त्रिनेत्र जैसे नेता लगातार भारतीय सेना की क्षमता पर प्रश्न कर देश का अपमान कर रहे हैं। पाकिस्तान और आतंकियों के खिलाफ ऑपरेशन सिंदूर की प्रचंड सफलता के साथ हमारे वीर सैनिकों के सम्मान, उनकी वीरता, बलिदान और राष्ट्रभक्ति का प्रतीक 'एक राष्ट्र एक तिरंगा' यही हमारी पहचान है। आतंकवाद के खिलाफ पाकिस्तान में घुसकर उसकी हेकड़ी भारत के वीर जवानों ने निकाल की। उनकी वीरता को सलाम करते हैं। वहीं, विधायक राज सिन्हा ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर से भारतीय सेना ने सभी देशवासियों का सीना चौड़ा कर दिया है। मोदी जी के नेतृत्व में यह नया भारत है, जो शब्दों से नहीं नीतियों से जवाब देता है। यह मोदी जी का भारत है जहां हम हर सिपाही के साथ खड़े हैं। कहा कि आज भारत सुरक्षित हाथों में है। वहीं, विधायक रागिनी सिंह ने कहा कि मोदी जी जैसे नेतृत्व क्षमता के रहते भारत पर जो बुरी निगाहें रखेगा उसे ऐसा ही मुहतोड़ जवाब मिलेगा। विधायक शत्रुघ्न महतो ने कहा कि भारत की सामरिक शक्ति का अब पूरी दुनिया लोहा मान रही है। दुश्मन को इसी भाषा में जवाब मिलेगा। भारत से जो भी टकराएगा उसका यही हश्र होगा। जबकि महानगर अध्यक्ष सरवन राय ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर की सफलता ने पूरे भारतवासियों को नई ऊर्जा प्रदान की है। इनके अलावा तारा देवी, घनश्याम ग्रोवर, रमेश राही, सत्येंद्र कुमार, अखिल भारतीय पूर्व सैनिक संगठन के रविंद्र कुमार सिंह, अध्यक्ष रामनाथ मिश्रा, वरिष्ठ उपाध्यक्ष राज किशोर सिंह, बालमुकुंद शर्मा, देवेंद्र कुमार सिंह, विजय कांति मुखर्जी, दिनेश मोदक और अशोक कुमार यादव आदि ने भी अपने-अपने विचार रखे। इस मौके पर मानस प्रसून, धनेश्वर महतो, बलदेव महतो, नीताई राजवार, पंकज सिन्हा उर्फ कुमार अमित, मनोज मिश्रा, महेश पासवान, वीरेंद्र हांसदा, अनिल कुमार, निर्मला सिंह, ज्ञान रंजन सिन्हा, रूपेश सिन्हा, फूल जोशी, धर्निधर मंडल, मोहन कुंभकार, शेखर सिंह, नरेंद्र त्रिवेदी, अभिमन्यु कुमार, अभाविप के प्रदेश सह मंत्री अंशु तिवारी, नीरज निखिल हरगोविंद पाठक, भाजपा युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष नित्यानंद मंडल, अभय जायसवाल, रीता यादव, अभिमन्यु कुमार, सोनी सिंह गीता सिंह, रुमकी गुप्ता, शिल्पी घोष, गीता सिंह, मौसम सिंह, काजल नाग, कृष्णा हाजरा, डी के सिंह, और पुष्पा राय आदि उपस्थित थे।

तिरंगा यात्रा को संबोधित करते विधायक राज सिन्हा।

बिजली चोरी करते पकड़े गये 70 लोगों पर केस दर्ज, 13 लाख का लगा जुर्माना

धनबाद (आजाद सिपाही)। जेबीवीएनएल की टीम ने धनबाद और चास सर्किल में बिजली चोरी के खिलाफ अभियान चलाया। इस दौरान 646 स्थानों पर छापामारी कर 70 लोगों को चोरी से बिजली का इस्तेमाल करते पकड़ा गया। टीम ने संबंधित थाने में उनके खिलाफ केस दर्ज कराते हुए 13 लाख 89 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया है। जेबीवीएनएल धनबाद सर्किल के अधीक्षण अभियंता एसके कश्यप ने बताया कि धनबाद सर्किल में 354 जगहों पर छापामारी कर 31 लोगों को पकड़ा गया। उनपर सात लाख 52 हजार रुपये जुर्माना लगाया गया। जबकि बोकारो के चास सर्किल में 293 स्थानों पर छापामारी कर 39 लोगों पर बिजली चोरी की प्राथमिकी दर्ज कराते हुए छह लाख 37 हजार रुपये का जुर्माना लगाया गया है।

जवानों की सलामती के लिए अखिल भारतीय मारवाड़ी महिला ने किया हनुमान चालीसा पाठ

कतरास (आजाद सिपाही)। अखिल भारतीय मारवाड़ी महिला सम्मेलन की अगुवाई में भारत के वीर जवानों की सुरक्षा एवं सलामती को लेकर गुरुवार को सामूहिक हनुमान चालीसा पाठ एवं हवन किया गया। आचार्य द्वारा पूजा अर्चना के बाद सामूहिक रूप से सभी महिलाओं ने हवन कुंड में आहूति दी। इसके बाद हनुमान चालीसा का पाठ किया गया। मारवाड़ी महिला सम्मेलन की अध्यक्ष रीतू अग्रवाल ने कहा कि भारत के वीर जवानों द्वारा सालों भर देश की सीमाओं पर लगातार अपने पराक्रम का परचम लहरा रहे हैं। उनके अदम्य साहस, कर्तव्य निष्ठावान, सेवा तो सदैव ही सराहनीय है। आज हम सब ने मिलकर उनकी ओर से उनके परिजनों की सलामती के लिए हवन और हनुमान चालीसा का पाठ आयोजन किया है, ताकि ईश्वर की शक्ति हमेशा उनके साथ बनी रहे। इस मौके पर प्रियंका चौधरी, मीना अग्रवाल, अनिता खंडेलवाल, सरोज अग्रवाल, सुनीता अग्रवाल, मीतू अग्रवाल, मंजू पटवारी, चंद्रावती देवी, दीप्ति गुप्ता, सुषमा गुप्ता आदि उपस्थित थीं।

कतरास कॉलेज में दो वर्षों बाद खुला पुस्तकालय

कतरास (आजाद सिपाही)। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) के प्रयास से विगत दो वर्षों से बंद कतरास कॉलेज का लाइब्रेरी गुरुवार को खुल गया। इसका लाभ कतरास कॉलेज के छात्रों को मिलेगा। वहीं, लाइब्रेरी खुलवाने को लेकर अभाविप के अध्यक्ष सिंटू मुखर्जी का आंदोलन रंग लाया। छात्रों ने बताया कि वर्तमान समय में प्रतियोगी परीक्षाओं एवं उच्च शिक्षा के लिए अद्यतन अध्ययन सामग्री की अत्यंत आवश्यकता है। सिंटू मुखर्जी ने कहा कि अभाविप हमेशा छात्रहित में कार्य करता है। पुस्तकालय शिक्षा का मूल आधार है और इसे दो साल तक बंद रखना छात्रों के साथ अन्याय थ। इस मौके पर उपाध्यक्ष बिपिन पांडे, आलोक कुमार दा, तुषार कुमार, कुमकुम बाला, सुमन कुमारी, सीमा कुमारी और सोनी कुमारी आदि उपस्थित थे।

कथारा पुलिस ने फरार वारंटी के घर चिपकाया इश्तिहार

कथारा/बेरमो (आजाद सिपाही)। रामगढ़ महिला थाना और कथारा ओपी पुलिस टीम ने फरार आरोपित झिरकी पंचायत के रिजवी मुहल्ला निवासी मो अजमल अंसारी के विरुद्ध न्यायालय की ओर से निर्गत इश्तेहार पर को चिपकाया। इस दौरान कथारा ओपी के सअनि केएन पाठक सहित अन्य पुलिस कर्मी मौजूद थे। पुलिस ने आरोपी के भाई एवं पिता की उपस्थिति में घर के दरवाजे पर इश्तेहार चिपकाया। महिला थाना के सअनि जुलयाना धान एवं सअनि नागेश्वर प्रसाद मेहता ने बताया कि आरोपी के विरुद्ध रामगढ़ महिला थाना में भादवि की धारा 376, 417 और 323 के तहत मामला दर्ज है। पुलिस उसे पकड़ने के लिए लगातार छापामारी कर रही है।

किताब, ड्रेस, जूते, स्कूल बैग खरीदने में नहीं चलेगी निजी स्कूलों की मनमानी

धनबाद (आजाद सिपाही)। जिले के कोई भी निजी स्कूल विशेष दुकान से बच्चों के लिए किताब, ड्रेस, जूते, बैग आदि खरीदने का दबाव अभिभावकों पर नहीं बना सकता। स्कूल कैंपस में भी किताब नहीं बेच सकते। किताबों की अधिकतम खुदरा मूल्य (एमआरपी) की जांच करना आवश्यक है। कुछ निजी स्कूल द्वारा बिना एमआरपी छापे किताबें की बिक्री करना नियमों का घोर उल्लंघन है। ऐसे सभी निजी स्कूलों को नियमों का पालन करने और व्यवस्था दुरुस्त करने के लिए दो सप्ताह का समय दें। इसके बाद नियमों का उल्लंघन करने वाले निजी स्कूलों की मान्यता रद्द करने की अनुशंसा करें। उक्त निर्देश डीसी माधवी मिश्रा ने दी। वे गुरुवार को जिला स्तरीय शुल्क समिति की बैठक की अध्यक्षता करते हुए जिला शिक्षा पदाधिकारी और जिला शिक्षा अधीक्षक को बोल रही थीं। उन्होंने कहा कि जनप्रतिनिधियों ने भी निजी स्कूलों की मनमानी से संबंधित विभिन्न शिकायतें की है। कहा कि किताबों की एमआरपी की सत्यता जानने के लिए ऑनलाइन जांच करें। गलती से की गई गलती को सुधारने के लिए निजी विद्यालयों को समय दिया जा सकता है, लेकिन जानबूझकर ऐसा करने वाले और किताब, ड्रेस, जुते, स्कूल बैग खरीदने में अपना एकाधिकार रखने वाले निजी स्कूलों के विरुद्ध जिला प्रशासन कड़ी कार्रवाई करेगा। उन्होंने कहा कि बच्चों को अच्छे स्कूल में पढ़ना अभिभावकों के लिए किसी चुनौती से कम नहीं है। निजी स्कूल द्वारा विभिन्न तरह की फीस लेना, नियम विरुद्ध अप्रत्याशित रूप से फीस में बढ़ोतरी करना इत्यादि अभिभावकों की जेब के साथ-साथ बच्चों पर भी दबाव बनाता है। वहीं, धनबाद के सांसद ढुल्लू महतो ने स्कूल बसों की जांच करने का आग्रह किया। कहा कि कई निजी स्कूल रिजेक्टेड बस चलाते हैं। साथ ही बस, वैन एवं ऑटो ड्राइवर, स्कूल के गार्ड का चरित्र प्रमाण पत्र की जांच करने का भी अनुरोध किया। जबकि विधायक राज सिन्हा ने निजी स्कूलों में बीपीएल ऐडमिशन में नियमों का पालन नहीं करने, विशेष मुद्रक की ऊंची कीमत देकर किताब खरीदने, स्कूल बैग का वजन सहित अन्य मनमानी से अवगत कराया।

ट्रक से टकराने के बाद कंटेनर में लागी आग, 20 फ्रीज जलकर राख

एनएच-19 कुलगो टोल प्लाजा के समीप हुआ हादसा

- लोगों ने की डुमरी अनुमंडल में भी अग्निशमन वाहन की व्यवस्था करने की मांग

आजाद सिपाही संवाददाता

डुमरी/बेरमो। डुमरी थाना क्षेत्र के एनएच-19 कुलगो टोल प्लाजा के समीप गुरुवार की सुबह ट्रक से टकराने के बाद रेफ्रिजरेटर (फ्रीज) लदे कंटेनर ट्रक में भीषण आग लग गयी। जब तक दमकल के इंजन मौके पर पहुंचते तब तक आधा कंटेनर जल चुका था। जिस कारण कंटेनर में लदे फ्रीज में से 20 जलकर राख हो चुके थे। हालांकि स्थानीय ग्रामीणों की सक्रियता से कुछ फ्रीज को जलने से बचा लिया गया। इस घटना के बाद कंटेनर चालक मौके पर ही वाहन छोड़कर वहां से फरार हो गया। जानकारी के मुताबिक इस दिन एक कंटेनर तेज रफ्तार में जा रहा था। तभी एनएच-19 कुलगो टोल प्लाजा के समीप सड़क पर खड़े एक ट्रक को पीछे से टक्कर मार दिया। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कंटेनर का केबीन पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया और कुछ देर के बाद धुआं निकलने लगा। देखते ही देखते कंटेनर से आग की लपटे उठने लगी और धीरे-धीरे पूरे वाहन को अपनी चपेट में ले लिया। यह देख वहां मौजूद स्थानीय लोगों ने अपने स्तर पर आग को बुझाने की कोशिश की, लेकिन कामयाब नहीं हो सके। इसी बीच गिरिडीह के अग्निशमन विभाग को सूचना दी गयी। आरोप है कि काफी देर बाद वहां से दमकल के इंजन मौके पर पहुंचे, तबतक आधआ कंटेनर और उसमें लगा रेफ्रिजरेटर जल चुका था। इसके बाद अग्निशमव विभाग के कर्मियों ने आग पर काबू पाया। वहीं लोगों का कहना है कि डुमरी अनुमंडल में एक अग्निशमन वाहन की व्यवस्था रहती तो आज इस घटना को तुरंत रोका जा सकता था और वाहन में रखें सामान को सुरक्षित निकाला जा सकता था। लोगों ने मांग की कि अनुमंडल क्षेत्र में अविलंब एक अग्निशमन वाहन की व्यवस्था की जाए। वहीं, आजसू नेता पिंटू कुमार ने जिला प्रशासन से डुमरी अनुमंडल में एक अग्निशमन वाहन की उपलब्धता सुनिश्चित करने की मांग जिला प्रशासन से की है। दूसरी ओर, वाहन में लगी आग बुझाने में स्थानीय लोगों के साथ ही प्रधान अग्निशामक रमेश तिवारी एवं अग्नि वाहन चालक अशोक कुमार दास ने भी काफी मशक्कत की।

प्रपत्र VI 'क'
समाहर्त्ता या समुचित सरकार
उपायुक्त का कार्यालय, चतरा
(भू–अर्जन शाखा)

प्रारंभिक अधिसूचना
(अधिनियम–30/2013 की धारा–11(1) के अधीन)
ज्ञापांक:–1121/भू0अ0दिनांक:–10.05.2025

चूंकि समाहर्त्ता, चतरा को यह प्रतीत होता है कि ग्राम–**बरवाडीह**, थाना नं0–**56** थाना–**पत्थलगड्डा**, अंचल–**पत्थलगड्डा**, जिला–**चतरा** में भूमि सार्वजनिक प्रयोजन, यथा **परियोजना Widening & Strengthening to 2 lane of Duwari to Role Road (MDR-99) निर्माण हेतु** अपेक्षित है। प्रभावित परिवारों के पुनर्वासन एवं पुनर्व्यवस्थापन के प्रयोजनार्थ अपर समाहर्त्ता अथवा नियम 2(1) (ख) के तहत् नियुक्त पदाधिकारी प्रशासक के रुप में नियुक्त किए गए है। अतएव अधिसूचित किया जाता है कि ग्राम–**बरवाडीह**,थाना–**पत्थलगड्डा**, थाना नं0–**56**, अंचल–**पत्थलगड्डा**, जिला–**चतरा** में उपर्युक्त कथित परियोजना के लिए कमोबेश **0.65456** एकड़ यानि **0.264896** हेक्टेयर मानक माप का भूखंड, जिसका विस्तृत विवरण निम्नलिखित है, अर्जनाधीन है,

क्र0 सं0	खाता सं0	सर्वे भूखंड सं0	स्वामित्व का प्रकार	भूमि का प्रकार	अर्जन के अधीन क्षेत्रफल (एकड़ में)	हितबद्ध व्यक्ति का नाम व पता	सीमा संरचना			
							उ0	द0	पू0	प0
01	-	246	–	–	0.0033	बिनय सिंह पिता– वकील सिंह	नीज	पक्की सड़क	नीज मकान	पी0सी0सी0 रास्ता
02	26 2	247	रैयती	टांड़ II	0.0024	बिनय सिंह पिता– वकील सिंह	बिमल सिंह	पक्की सड़क	बिमल सिंह	नीज
03	55	277	रैयती	टांड़ II	0.0015	सत्य भामा देवी पति– बिमल सिंह	नीज	पक्की सड़क	प्रमेश्वर दांगी	बिनय सिंहु
04	55	278	रैयती	टांड़ II	0.0015	सत्य भामा देवी पति– बिमल सिंह	नीज	पक्की सड़क	प्रमेश्वर दांगी	बिनय सिंह
05	55	278	रैयती	टांड़ II	0.0010	प्रमेश्वर दांगी वगै0 पिता– बढ़न महतो	नीज	पक्की सड़क	ओम गंझू	नीज
06	-	289	–	–	0.0042	प्रमेश्वर दांगी वगै0 पिता– बढ़न महतो	नीज	पक्की सड़क	ओम गंझू	नीज
07	-	289	–	–	0.0020	ओम गंझू पिता– कमील गंझू	दांगी	पक्की सड़क	बजरंगी राम	प्रमेश्वर दांगी
08	-	289	–	–	0.0020	तालेश्वर दांगी पिता– दुखन महतो	उत्तम दांगी	पक्की सड़क	अशोक राम	ओम गंझू
09	-	289	–	–	0.0020	सुधा देवी पति– अशोक राणा	उत्तम दांगी	पक्की सड़क	बजरंगी राम	तोलेश्वर दांगी
10	-	289	–	–	0.0012	चिन्ता देवी पति– संजय राम	पोखर	पक्की सड़क	पी0सी0सी0 रास्ता	अशोक राम
11	-	816	–	–	0.0031	लक्ष्मी शरन तिवारी वो बासुदेव तिवारी पिता– गोर्वधन तिवारी	पक्की सड़क	थाना बाउण्ड्री	तापेश्वर साव	सिमाना दुम्बी
12	-	816	–	–	0.0017	उपेन्द्र साव पिता– तापेश्वर साव	पक्की सड़क	थाना बाउण्ड्री	गोसई	लक्ष्मी नारायण तिवारी
13	-	813	–	–	0.0084	सरयु गोसाई पिता–............	पक्की सड़क	बालो साव	समताल दांगी	उपेन्द्र साव
14	-	812	–	–	0.0040	समलाल दांगी पिता– पच्चु महतो	पक्की सड़क	बालो साव	केदार दांगी	गोसाई
15	-	812	–	–	0.0040	केदार दांगी पिता– पच्चु महतो	पक्की सड़क	बनवारी साव	वंशी प्रजापति	समलाल दांगी
16	-	810	–	–	0.0040	वंशी प्रजापति वगै0 पिता– बढ़न प्रजापति	पक्की सड़क	बनवारी साव	हरी प्रजापति	केदार दांगी
17	-	804	–	–	0.0040	वंशी प्रजापति वगै0 पिता– बढ़न प्रजापति	पक्की सड़क	बनवारी साव	हरी प्रजापति	केदार दांगी
18	-	804	–	–	0.0040	हरी प्रजापति वगै0 पिता– बढ़न प्रजापति	पक्की सड़क	नीज	नन्दलाल प्रजापति	वंशी प्रजापति
19	-	804	–	–	0.0048	नन्दलाल प्रजापति पिता– लखन प्रजापति	पक्की सड़क	नीज	नन्दलाल साव	हरी प्रजापति
20	-	804	–	–	0.0018	मंदीर	पक्की सड़क	नीज	पी0सी0सी0 रास्ता	नन्दलाल प्रजापति
21	-	802	–	–	0.0072	रामचन्द्र दांगी पिता– मुरत महतो वो सतरूधन दांगी पिता– मुरत महतो	पक्की सड़क	नीज	लखन दांगी	पी0सी0सी0 रास्ता
22	-	802	–	–	0.0025	लखन दांगी पति– रेवा महतो	पक्की सड़क	रामचन्द्र दांगी	राजेन्द्र दांगी	रामचन्द्र दांगी
23	-	801	–	–	0.0048	राजेन्द्र दांगी पिता– लोकन महतो	पक्की सड़क	नीज	गोपाल दांगी	लखन दांगी
24	-	801	–	–	0.0036	गोपाल दांगी पिता– बढ़न महतो	पक्की सड़क	नीज	प्रेम दांगी	राजेन्द्र दांगी
25	-	801	–	–	0.0024	प्रेम दांगी पिता– बढ़न महतो	पक्की सड़क	नीज	पुरण महतो	गोपाल दांगी
26	-	800	–	–	0.0072	पुरन महतो पिता– अकल महतो	पक्की सड़क	नीज	तालेश्वर दांगी	प्रेम दांगी
27	-	800	–	–	0.0033	बालेश्वर दांगी पिता– लालो महतो	पक्की सड़क	नीज	दुली महतो	पुरण महतो
28	-	800	–	–	0.0030	दुल महतो पिता– कमल महतो	पक्की सड़क	नीज	सुबोध दांगी	तालेश्वर दांगी
29	-	800	–	–	0.0032	सुबोध दांगी पिता– मुनी महतो	पक्की सड़क	नीज	दुलारचन्द्र दांगी	दुली महतो
30	-	630	–	–	0.0030	दुलारचन्द दांगी पिता–............	पक्की सड़क	पुरण महतो	तापेश्वर दांगी	सुबोध दांगी
31	-	630	–	–	0.0031	तापेश्वर दांगी पिता– लेखा महतो	पक्की सड़क	पुरण महतो	दशरथ दांगी	दुलारचन्द दांगी
32	-	630	–	–	0.0056	दशरथ दांगी पिता– बढ़न महतो	पक्की सड़क	दुली महतो	सुग्रीव दांगी	तापेश्वर दांगी
33	-	630	–	–	0.0010	सुग्रीव दांगी पिता– हरीचन्द दांगी	पक्की सड़क	पुरण महतो	दिपेन्द्र दांगी	दशरथ दांगी
34	34	628	रैयती	टांड़ II	0.0033	राजेन्द्र दांगी पिता– मिरन दांगी	पक्की सड़क	नीज	जितेन्द्र दांगी	सुग्रीव दांगी
35	34	628	रैयती	टांड़ II	0.0092	जितेन्द्र दांगी पिता– धरम महतो	पक्की सड़क	प्रेम दांगी	भीखारी दांगी	राजेन्द्र दांगी
36	34	628	रैयती	टांड़ II	0.0060	भीखारी दांगी पिता– कैल महतो	पक्की सड़क	रोहन महतो	रामेश्वर दांगी	जितेन्द्र दांगी
37	-	287	–	–	0.0048	बालेश्वर दांगी वो रामेश्वर दांगी पिता– दुखन महतो	जागेश्वर दागी	पक्की सड़क	महेन्द्र दांगी	पी0सी0सी0 रास्ता
38	-	290	–	–	0.0023	महेन्द्र दांगी पिता– चुतरी महतो	नागो दांगी	पक्की सड़क	बिनोद दांगी	तालेश्वर दांगी
39	-	290	–	–	0.0020	बिनोद दांगी पिता– नान्दो महतो	नारो दांगी	पक्की सड़क	कृष्ण दांगी	महेन्द्र दांगी
40	-	290	–	–	0.0050	कृष्ण दांगी पिता– कैल महतो	नीज	पक्की सड़क	पनु ठाकुर	बिनोद दांगी
41	34	628	रैयती	टांड़ II	0.0092	जितेन्द्र दागी पिता– धरम महतो	पक्की सड़क	प्रेम दांगी	भीखारी दांगी	राजेन्द्र दांगी
42	34	628	रैयती	टांड़ II	0.0060	भीखारी दांगी पिता– कैल महतो	पक्की सड़क	रोहन महतो	रामेश्वर दांगी	जितेन्द्र दांगी
43	-	287	–	–	0.0048	बालेश्वर दांगी वो रामेश्वर दांगी पिता– दुखन महतो	जागेश्वर दांगी	पक्की सड़क	महेन्द्र दांगी	पी0सी0सी0 रास्ता
44	-	290	–	–	0.0023	महेन्द्र दांगी पिता– चुतरी महतो	नागो दांगी	पक्की सड़क	बिनोद दांगी	तालेश्वर दांगी
45	-	290	–	–	0.0020	बिनोद दांगी पिता– नान्दो महतो	नारो दांगी	पक्की सड़क	कृष्ण दांगी	महेन्द्र दांगी
46	-	290	–	–	0.0050	कृष्ण दांगी पिता– कैल महतो	नीज	पक्की सड़क	पनु ठाकुर	बिनोद दांगी
47	-	230	–	–	0.0056	संजय दांगी पिता– कैल महतो	नीज	पक्की सड़क	पनु ठाकुर	कृष्ण दांगी
48	-	2092 2091	–	–	0.0028	पनु ठाकुर पिता– कनी ठाकुर	नीज	पक्की सड़क	उपेन्द्र ठाकुर	संजय दांगी
49	-	293	–	–	0.0049	सुरेश साव पिता– मंत्री साव	चन्दर ठाकुर	पक्की सड़क	रामबिलास दांगी	उपेन्द्र ठाकुर
50	-	292	–	–	0.0034	उपेन्द्र ठाकुर पिता– शेखा ठाकुर	नीज	पक्की सड़क	सुरेश साव	पनु ठाकुर
51	-	294	–	–	0.0048	रामविलास दांगी पिता– चतुर गुन दांगी	नीज	पक्की सड़क	रामजतन दांगी	सुरेश साव
52	-	294	–	–	0.0048	रामजतन दांगी पिता– नन्द किशोर दांगी	नीज	पक्की सड़क	अरूण दांगी	रामविलास दांगी
53	-	535	–	–	0.0054	अकल दांगी पिता– रोहन महतो	नीज	पक्की सड़क	रामेश्वर महतो	रामजतन दांगी
54	-	535	–	–	0.0084	रामेश्वर महतो पिता– दोदी महतो	नीज	पक्की सड़क	चेतलाल यादव	अरूण दांगी
55	-	536	–	–	0.0042	चेतलाल यादव वो जठी यादव पिता–............	नीज	पक्की सड़क	पुरण महतो	रामेश्वर महतो
56	-	539	–	–	0.0051	पुरन महतो पिता– कमल महतो	नीज	पक्की सड़क	नागेश्वर दांगी	चेतलाल यादव
57	17	540	रैयती	टांड़ II	0.0061	नागेश्वर दांगी पिता– भीखा महतो	नीज	पक्की सड़क	कृष्ण दांगी	पुरण दांगी
58	-	541	–	–	0.0045	कृष्ण दांगी पिता– चोवा महतो	नीज	पक्की सड़क	मिथलेश दांगी	नागेश्वर दांगी
59	-	542	–	–	0.0062	मिथलेश दांगी पिता– बोधा महतो	नीज	पक्की सड़क	तिरथ दांगी	कृष्ण दांगी
60	-	627	–	–	0.0022	रामदेव ठाकुर पिता– बुधन महतो	नीज	पुरण महतो	गुड्डु ठाकुर	रामदेव ठाकुर
61	-	627	–	–	0.0022	गुडू ठाकुर पिता– बुधन ठाकुर	पक्की सड़क	पुरण महतो	नरेश साव	रामदेव ठाकुर
62	-	627	–	–	0.0066	नरेश साव पिता– फागुनी लाल	पक्की सड़क	पुरण महतो	शिबन दांगी	गुड्डु ठाकुर
63	-	627	–	–	0.0012	शिबन दांगी पिता–झमन दांगी	पक्की सड़क	पुरण महतो	सुबास नामक	नरेश ठाकुर
64	12	624	रैयती	धान खेत II	0.0069	सुबास नायक पिता– बिरसा मुण्डा	पक्की सड़क	महेन्द्र दांगी	पुरण साव	शीबन दांगी
65	-	623	–	–	0.0042	पुरन साव पिता– रेवा साव	पक्की सड़क	जागदेव साव	जागदेव साव	सुबास नामक
66	-	623	–	–	0.0042	जागदेव साव पिता– सुधू साव	पक्की सड़क	नीज	सरयु दांगी	पुरण साव
67	17	622	रैयती	टांड़ II	0.0057	सरयु दांगी पिता– मुरत महतो	पक्की सड़क	नीज	मनोहर दांगी	जागदेव साव
68	17	622	रैयती	टांड़ II	0.0034	मनोहर दांगी पिता– मुरत महतो	पक्की सड़क	नीज	सतरूधन दांगी	सरयु दांगी
69	17	622	रैयती	टांड़ II	0.0024	सतरूधन दांगी पिता– मुरत महतो	पक्की सड़क	नीज	महेश दांगी	मनोहर दांगी
70	17	622	रैयती	टांड़ II	0.0042	महेश दांगी पिता– बालो महतो	पक्की सड़क	नीज	राजेश दांगी	सतरूधन दांगी
71	17	622	रैयती	टांड़ II	0.0042	राजेश दांगी पिता– बालो महतो	पक्की सड़क	नीज	नीज	महेश दांगी
72	17	543	रैयती	टांड़ II	0.0018	तिरथ दांगी पिता– बंधन महतो	नीज	पक्की सड़क	संजय दांगी	मिथलेश दांगी
73	-	544	–	–	0.0012	संजय दांगी पिता– भुनेश्वर महतो	नीज	पक्की सड़क	रोहन महतो	तिरथ महतो
74	-	544	–	–	0.0013	रोहन महतो पिता– लाटी महतो	नीज	पक्की सड़क	महावीर प्रजापति	संजय दांगी
75	-	546 553	–	–	0.0012	महावीर प्रजापति पिता– मिरन प्रजापति	नीज	पक्की सड़क	लखन दांगी	रोहन महतो
76	-	554	–	–	0.0017	लखन दांगी पिता– रेवा महतो	विजय दांगी	पक्की सड़क	आमो गंझू	महावीर प्रजापति
77	-	566	–	–	0.0034	आमो गंझू पिता– कपील गंझू	पनु राणा	पक्की सड़क	धरमेन्द्र राणा	लखन दांगी
78	-	565	–	–	0.0012	धरमेन्द्र राणा पिता– पनु राणा	नीज	पक्की सड़क	रामेश्वर महतो	आमो गंझू
79	-	667	–	–	0.0011	रामेश्वर महतो पिता– अकल महतो	बिनोद राणा	पक्की सड़क	महेन्द्र दांगी	धरमेन्द्र राणा
80	-	668	–	–	0.0011	रामेश्वर महतो पिता– अकल महतो	बिनोद राणा	पक्की सड़क	महेन्द्र दांगी	धरमेन्द्र राणा

लगातार प्रकाशित...............

उपायुक्त,

चतरा

PR 352455 (Land Reforms)25-26*D

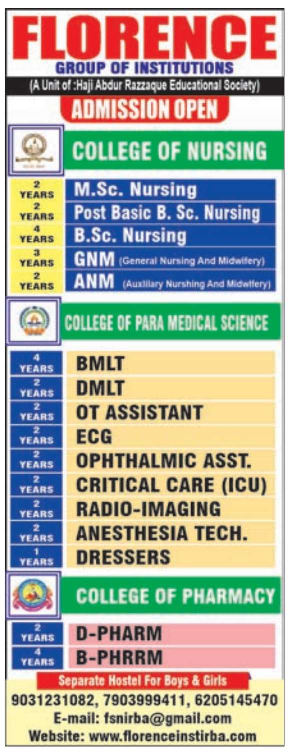

जमुनिया राज्यकृत उत्क्रमित उच्च विद्यालय, देवघर का मामला

मध्याह्न भोजन खाने से 24 से अधिक बच्चे बीमार

आजाद सिपाही संवाददाता

देवघर। देवघर जिले के मोहनपुर प्रखंड अंतर्गत जमुनिया राज्यकृत उत्क्रमित उच्च विद्यालय में मध्यान्ह भोजन (मिड-डे मील) खाने के बाद अचानक दो दर्जन से अधिक छात्र-छात्राएं बीमार पड़ गये। यह घटना बुधवार दोपहर की है, जब छात्र नियमित रूप से स्कूल में परोसे गये भोजन का सेवन कर रहे थे। भोजन करने के कुछ समय बाद ही कई बच्चों को पेट दर्द, उल्टी, चक्कर आना और कमजोरी जैसे लक्षण महसूस होने लगे। जैसे ही विद्यालय प्रशासन को स्थिति की गंभीरता का अहसास हुआ, तुरंत 108 एंबुलेंस सेवा की मदद ली गयी और सभी प्रभावित बच्चों को देवघर सदर अस्पताल भेजा गया। कुल 26 बच्चों को प्राथमिक उपचार के लिए भर्ती किया गया, जहां चिकित्सकों की टीम ने त्वरित इलाज शुरू किया।

देवघर सदर अस्पताल के उपाधीक्षक डॉ प्रभात रंजन ने जानकारी दी कि सभी बच्चों की हालत अब स्थिर है और कोई भी बच्चा फिलहाल गंभीर स्थिति में नहीं है। डॉक्टर रंजन के अनुसार, बच्चों को आवश्यक दवाइयां दी गयी हैं और अस्पताल में विशेष निगरानी में रखा गया है। अगले 24 घंटे बच्चों की सेहत के लिए अहम होंगे, लेकिन फिलहाल चिंता की बात नहीं है।

स्वास्थ्य विभाग की टीम ने विद्यालय जाकर जांच शुरू कर दी है। भोजन के सैंपल एकत्र कर लिये गये हैं और उन्हें लैब में परीक्षण के लिए भेजा गया है। प्रारंभिक जांच में भोजन की गुणवत्ता पर सवाल उठाये जा रहे हैं। संदेह है कि भोजन में किसी तरह की मिलावट या खराबी हो सकती है, जिससे यह घटना हुई।

इस घटना के बाद जिला शिक्षा पदाधिकारी ने विद्यालय में मध्यान्ह भोजन के संचालन की प्रक्रिया की गहन समीक्षा के आदेश दिये हैं। साथ ही, सभी सरकारी विद्यालयों में दिए जा रहे भोजन की गुणवत्ता की जांच के लिए विशेष टीमों का गठन किया गया है। प्रशासन ने आश्वासन दिया है कि दोषी पाये जाने वाले किसी भी व्यक्ति या संस्था पर कड़ी कार्रवाई की जायेगी।

घटना के बाद बच्चों के अभिभावकों में भारी चिंता का माहौल बना हुआ है। कई अभिभावकों ने विद्यालय प्रबंधन पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए कठोर कार्रवाई की मांग की है। वहीं विद्यालय प्रशासन ने सफाई दी है कि भोजन का स्रोत नियमित सप्लायर है और आज तक इस तरह की कोई शिकायत नहीं मिली थी।

इधर डीइओ देवघर विनोद कुमार ने बताया कि मामला संज्ञान में आया है फूड प्वाइजनिंग जैसी कोई बात नहीं है। पहले एक दो बच्चे को उल्टी आयी, प्रिकॉशन के तौर पर बच्चों को इलाज के लिए देवघर सदर अस्पताल में लाया गया। हालांकि मिड डे मील में छिपकली गिरने की कोई बात सामने नहीं आयी है यह एक अफवाह हो सकती है, इसके अलावा इसकी जांच पूरी तरह से की जायेगी।

नैयाडीह आदिवासी टोला में जल संकट

मधुपुर (आजाद सिपाही)। मधुपुर का सुदूर गांव आदिवासी टोला नैयाडीह के ग्रामीण भीषण जल संकट से जूझ रहे हैं। यह गांव मधुपुर गिरिडीह के सीमावर्ती क्षेत्र में अवस्थित है। जंगल क्षेत्र में यह गांव है। नैयाडीह टोला में दो सरकारी चापाकल है। एक चापाकल बेकार है, जबकि एक चापाकल जर्जर अवस्था में है। जल नल योजना के तहत पानी टंकी भी लगा है, लेकिन वह आरंभिक काल से बेकार पड़ा है। घर-घर जलापूर्ति के नाम पर यहां लाखों रुपया खर्च किया गया लेकिन ग्रामीणों को सुविधा नहीं मिली। नहाने और धोने के लिए सबसे ज्यादा परेशानी महिलाओं को हो रही है।

एम्स देवघर में अंतरराष्ट्रीय नर्स सप्ताह मनाया गया

देवघर (आजाद सिपाही)। एम्स देवघर के कॉलेज ऑफ नर्सिंग द्वारा 7 से 13 मई तक अंतरराष्ट्रीय नर्स सप्ताह हमारी नर्सें विषय के अंतर्गत विविध सांस्कृतिक और शैक्षणिक गतिविधियों के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य नर्सों की स्वास्थ्य सेवा प्रणाली में भूमिका को रेखांकित करना था। समापन समारोह आइसीयू ब्लॉक में हुआ। इसमें मुख्य अतिथि के रूप में प्रो (डॉ) सौरभ वार्ष्णेय ने नर्सिंग की भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि नर्सें केवल रोगी की देखभाल ही नहीं करतीं, बल्कि स्वास्थ्य सेवा वितरण की रीढ़ होती हैं। इस अवसर पर द दर्शन नामक स्मारिका का विमोचन भी किया गया। बीएससी नर्सिंग छात्रों द्वारा प्रस्तुत नाटक ने पेशेवर जीवन की चुनौतियों को प्रभावी ढंग से दर्शाया। कार्यक्रम का संचालन पीसीबी (डॉ) सी संतोष कल्याणी के नेतृत्व में हुआ। धन्यवाद ज्ञापन नर्सिंग ट्यूटर वसंत सी द्वारा प्रस्तुत किया गया।

आजाद सिपाही की ओर से स्वत्वाधिकारी लैंडस्केप मीडिया प्रा. लि., प्रकाशक एवं मुद्रक हरिनारायण सिंह के लिए 176 कोकर चौक, ओल्ड एचबी रोड, रांची 834001 (झारखंड) से प्रकाशित तथा डीबी प्रिंट सोल्यूशंस (ए यूनिट ऑफ डीबी कार्प लिमिटेड), प्लॉट नं. 535 एवं 1272, ललगुटवा, पुलिस स्टेशन, रातू, रांची से मुद्रित। **संपादक :** हरिनारायण सिंह, **स्थानीय संपादक*** : विनोद कुमार,***पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के लिए जिम्मेदार, **राज्य समन्वय संपादक :** अजय शर्मा। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 9264434560, **R.N.I. No.-JHAHIN/2015/65109,** Postal Registration No. **RN/249/2019-21**